रांची, मंगलवार
18.06.2024
वर्ष : 9, अंक : 197 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

मालगाड़ी ने कंचनजंघा एक्सप्रेस को मारी टक्कर, आठ लोगों की मौत, 30 घायल

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी जिले में सोमवार को न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के समीप एक मालगाड़ी ने कंचनजंघा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मार दी जिससे आठ लोगों की मौत हो गयी 30 से अधिक लोग घायल हो गये।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) की ओर से जारी बुलेटिन के मुताबिक यह दुर्घटना रेलवे अधिकारियों की ओर से सिग्नल की अनदेखी के कारण हुई।

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जया वर्मा सिन्हा ने भी ट्रेन हादसे में आठ लोगों के मरने की पुष्टि की है। सुश्री सिन्हा ने कहा, दुर्घटना के कारण एक्सप्रेस ट्रेन के पिछले हिस्से के चार डिब्बे और कंटेनर ट्रेन के पांच डिब्बे पटरी से उतर गये। प्रथम दृष्टया मानवीय भूल इसकी वजह मानी जा रही है।

शुरूआती संकेत से पता चलता है कि यह सिग्नल की अनदेखी का मामला है। पश्चिम बंगाल के लिए योजना के अनुसार कवच प्रणाली को आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब 08.30 बजे उस समय हुई जब अगरतला से सियालदह जा रही कंचनजंघा एक्सप्रेस न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पर रूकने के बाद गंतव्य के लिए रवाना हुई थी। इसी दौरान रंगापानी स्टेशन के पास उसी लाइन पर एक मालगाड़ी ने पीछे से एक्सप्रेस ट्रेन को टक्कर मार दी। टक्कर से ट्रेन की तीन डिब्बे पटरी से उतर गयी और मालगाड़ी के इंजन के ऊपर फंस गयी। स्थानीय नागरिकों ने डिब्बों में फंसे यात्रियों को निकालने में मदद की। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है ।

मृतकों में तीन रेलवे कर्मचारी हैं जिनकी कंचनजंगा एक्सप्रेस के गार्ड आशीष डे, मालगाड़ी के लोको पायलट अनिल कुमार और मालगाड़ी के एएलपी मुन्ना कुमार के रूप में हुई है। अन्य मृतकों की अभी पहचान नहीं की जा सकी है।

कटिहार मंडल रेल प्रबंधक सुरेंद्र कुमार ने बताया कि दुर्घटना के बाद बारसोई-जलपाईगुड़ी रेल खंड पर गुवाहाटी, अगरतला और पूर्वोत्तर की कई ट्रेनें विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर फंसी हुई हैं। डिब्रूगढ़ नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, हावड़ा न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस समेत नौ ट्रेनों को न्यू जलपाईगुड़ी-सिलीगुड़ी-बागडोगरा-अलुआबाड़ी रेल खंड पर डायवर्ट किया गया है। वहीं राधिकापुर-सिलीगुड़ी इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित दो ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं।

एनएफआर की बुलेटिन में कहा गया है कि एक्सप्रेस ट्रेन का अप्रभावित हिस्सा घटना के कुछ घंटों बाद 1,300 यात्रियों को लेकर आगे की यात्रा के लिए रवाना हुआ और ट्रेन में सवार प्रत्येक यात्री को भोजन के पैकेट दिये गये।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दार्जिलिंग में हुए रेल हादसे पर जताया दुख

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हुए रेल हादसे पर दुख जताया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर एक संदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हुए रेल हादसे में लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने और राहत एवं बचाव कार्यों की सफलता की कामना करती हूं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हुए रेल हादसे में लोगों की जान जाना वास्तव में दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं, तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा कि पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। अधिकारियों से बात की और स्थिति का जायजा लिया। प्रभावितों की सहायता के लिए बचाव कार्य जारी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी दुर्घटनास्थल पर जा रहे हैं।

रेल मंत्री ने की अनुग्रह राशि की घोषणा

नई दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम बंगाल में न्यू जलपाईगुड़ी के समीप सोमवार को अगरतला-सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल लोगों को ढाई-ढाई लाख रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। श्री वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में कहा, पीड़ितों को बढ़ी हुई अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। मृत्यु की स्थिति में 10 -10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल के लिए 2.5-2.5 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों के लिए 50,000-50,000 रुपये। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में न्यू जलपाईगुड़ी के समीप सोमवार को अगरतला-सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस की मालगाड़ी की टक्कर से मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गयी है जबकि 30 से अधिक यात्री घायल हुए हैं।

ममता बनर्जी ने जताई चिंता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस दुर्घटना पर चिंता जाहिर की है। एक्स पर ममता ने लिखा, अभी-अभी दार्जिलिंग जिले के फांसीदेवा इलाके में एक दुखद रेल दुर्घटना के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। कंचनजंगा एक्सप्रेस कथित तौर पर एक मालगाड़ी से टकरा गई है।

खरगे और राहुल गांधी ने जताया दुख

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन हादसे पर कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दुख जताया है। इस दुर्घटना में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताते हुए खरगे ने आज सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि इस दुर्घटना में कई लोगों की जान चली गई है और कई घायल हो गए हैं। हादसे के दृश्य दर्दनाक हैं। इससे बेहद व्यथित हूं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि हमारी संवेदनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। दुःख की इस घड़ी में हम उनमें से प्रत्येक के प्रति अपनी एकजुटता और संवेदना व्यक्त करते हैं। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को तत्काल और पूर्ण मुआवजा प्रदान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने रेल मंत्रालय का घोर कुप्रबंधन किया है, यह उसका परिणाम है। कांग्रेस नेता और लोक सभा के नवनिर्वाचित सदस्य राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में कंचनजंगा एक्सप्रेस की दुर्घटना पर दुख जताते हुए मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताई है। सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर राहुल गांधी ने कहा कि वे इस दुर्घटना से दुखी हैं और वे सभी शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र से शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करते हैं।

मोदी आज व कल उत्तर प्रदेश और बिहार का करेंगे दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18-19 जून को उत्तर प्रदेश और बिहार का दौरा करेंगे। इस दौरान वह पीएम किसान की 17वीं किस्त के तहत 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी करेंगे, स्वयं सहायता समूहों की 30,000 से अधिक महिलाओं को कृषि सखियों के रूप में प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे और बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय परिसर का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री 18 जून को शाम लगभग पांच बजे अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पीएम किसान सम्मान सम्मेलन में भाग लेंगे। शाम करीब सात बजे प्रधानमंत्री दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती देखेंगे और रात करीब आठ बजे काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा और दर्शन भी करेंगे। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मोदी की वाराणसी की यह पहली यात्रा है।

चाईबासा : नक्सली मुठभेड़ में पांच इनामी नक्सली ढेर, दो गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

इंसास, दो एसएलआर और तीन रायफल सहित अन्य हथियार बरामद

चाईबासा। राज्य के पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले के गुवा और जेटेया थाना क्षेत्र अंतर्गत लीपुंगा जंगल के समीप पुलिस और नक्सलियों के बीच सोमवार सुबह साढ़े पांच बजे हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने पांच नक्सलियों को मार गिराया। सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थल से नक्सलियों के शवों के साथ हथियार और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ में मारे गये सभी नक्सली इनामी हैं। सिंगराई उर्फ मनोज पर 10 लाख, कांडे और सूर्या पर पांच लाख जबकि अन्य पर दो लाख रुपये का इनाम घोषित है।

मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की प्रारंभिक पहचान जोनल कमांडर सिंगराई उर्फ मनोज, सब-जोनल कमांडर कांडे होनहागा उर्फ दिरशुम, एरिया कमांडर सूर्या उर्फ मुंडा देवगम, महिला नक्सली कैडर जुनगा पुर्ति उर्फ मारला और सपनी हांसदा के रूप में हुई है। इस कार्रवाई में गिरफ्तार किए गए दो नक्सलियों की पहचान टाइगर उर्फ पांडू हांसदा और बातरी पांडा के रूप में हुई है।

आईजी अभियान सह पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछू, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अगरिया और अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए एकत्र हुए हैं। सूचना के बाद संयुक्त बलों ने एक विशेष अभियान शुरू किया। इस अभियान में चाईबासा पुलिस, सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन और झारखंड जगुआर शामिल थे।

सर्च अभियान के दौरान नक्सलियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षार्थ जवानों के जवाबी फायरिंग में पांच नक्सली मारे गये जबकि दो नक्सली भागने के दौरान पकड़े गए। इलाके में सर्च अभियान जारी है। घटनास्थल से अबतक एक इंसास, दो एसएलआर, तीन रायफल और एक नाइन एमएम पिस्टल बरामद किया गया है। आईजी अभियान ने नक्सलियों से आह्वान किया है कि वह हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्य धारा में जुड़कर झारखंड के विकास से जुड़ें और सरकार की नीति के तहत सरेंडर करें। झारखंड पुलिस उनका स्वागत करेगी।

भाजपा झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी बने शिवराज चौहान व हिमंता सह प्रभारी

बिहान भारत संवाददाता

रांची। भाजपा ने झारखंड समेत चार राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश प्रभारियों और सह प्रभारियों की नियुक्ति की है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान झारखंड के प्रदेश प्रभारी बनाए गए हैं। जबकि असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंता विश्व सरमा प्रदेश चुनाव सह प्रभारी नियुक्त किये गये हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आदेश के बाद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने यह आदेश जारी किया है। नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू है।

वहीं महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को प्रभारी और अश्विनी वैष्णव को सह प्रभारी बनाया गया है। हरियाण विधानसभा चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को प्रभारी और पूर्व सीएम बिप्लव कुमार देव को सह प्रभारी बनाया गया है।जम्मू कश्मीर चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को प्रदेश चुनाव प्रभारी बनाया गया है।

27 जून को होगा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण, 24 जून से शुरू होगा 18वीं लोकसभा का पहला सेशन

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 जून को संसद के दोनों सदनों को संबोधित करेंगी यानि कि 27 जून को राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा। नई सरकार के गठन के बाद 24 जून से 18वीं लोकसभा का सत्र शुरू होगा। 24 और 25 जून को प्रोटेम स्पीकर नवनिर्वाचित सांसदों को शपथग्रहण कराएंगे। इसके बाद लोकसभा स्पीकर के लिए चुनाव होगा। 25 जून तक लोकसभा स्पीकर के नाम दे सकते हैं। लोकसभा अध्यक्ष के लिए 26 जून को चुनाव होगा। 27 जून से राज्यसभा का सत्र भी बुलाया जाएगा।

केंद्रीय संसदीय मंत्री किरन रिरिजू ने बताया कि संसद का सत्र 24 जून से शुरू होगा और 3 जुलाई तक चलेगा। 27 जून को राज्यसभा का सत्र भी बुलाया जाएगा। इस बीच संसदीय कार्य मंत्री किरन रिरिजू ने निवर्तमान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से रविवार को मुलाकात की। इसके बाद राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे से भी मुलाकात की।

वहीं, लोकसभा स्पीकर के चुनाव के लिए रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के घर एनडीए की बैठक हुई। इस बैठक में टीडीपी, जेडीयू और एलजेपी समेत एनडीए के सभी सहयोगी दल शामिल थी। बैठक में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। स्पीकर पद के लिए जेडीयू ने बीजेपी को बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान कर दिया है। जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि बीजेपी किसी को भी स्पीकर बनाए। हम उनके साथ हैं।

विपक्ष ने डिप्टी स्पीकर पद की मांग की है। सूत्रों की मानें तो विपक्ष सरकार से डिप्टी स्पीकर पद की मांग कर रहा है। अगर सरकार डिप्टी स्पीकर का पद नहीं देती तो विपक्ष लोकसभा स्पीकर के लिए अपना उम्मीदवार उतार सकता है।

बता दें कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए को 293 सीटें मिली हैं। इनमें बीजेपी को 240 सीटें, जेडीयू को 12 और टीडीपी को 16 सीटों पर जीत मिली है। इंडी गठबंधन को 234 सीटों पर जीत हासिल हुई है। कांग्रेस 99 सीटें जीतने में कामयाब रही है। इन लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी तीसरे नंबर की पार्टी बनकर उभरी है। समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश में 37 सीटें जीतकर संसद में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है।

वायनाड छोड़ेंगे राहुल गांधी, रायबरेली से बने रहेंगे सांसद, प्रियंका गांधी लड़ेंगी उपचुनाव

एजेंसी

नई दिल्ली : पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोड़ने का फैसला किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बताया कि राहुल गांधी वायनाड से इस्तीफा देंगे। रायबरेली से सांसद बने रहेंगे। उन्होंने बताया कि वायनाड से प्रियंका गांधी उपचुनाव लड़ेंगी। खरगे ने प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी का ऐलान करते हुए कहा कि लड़की हैं लड़ सकती हैं। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वायनाड से मुझे बहुत प्यार मिला है। उन्होंने रायबरेली और वायनाड का विशेष तौर पर धन्यवाद किया।

राहुल ने कहा कि समय-समय पर वायनाड जाता रहूंगा। रायबरेली से पुराना रिश्ता है। दोंनो जगह इमोशनल कनेक्शन है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "राहुल गांधी दो लोकसभा सीटों से जीते हैं, लेकिन कानून के अनुसार उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। राहुल गांधी रायबरेली सीट अपने पास रखेंगे और हमने फैसला किया है कि प्रियंका जी वायनाड से चुनाव लड़ेंगी। " चर्चा के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी वाद्रा भी उपस्थित थीं। वहीं, इस फैसले के बाद प्रियंका गांधी ने वायनाड के लोगों को राहुल की कमी महसूस नहीं होने देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, " मैं वायनाड को राहुल की कमी महसूस नहीं होने दूंगी। मैं कड़ी मेहनत करूंगी, वायनाड में सभी को खुश करने की पूरी कोशिश करूंगी, एक अच्छी प्रतिनिधि बनूंगी।"

संक्षिप्त खबरें

केडीएच खदान को अनिश्चितकालीन बंद करने की रणनीति को लेकर रैयत ग्रामीणों ने की बैठक

खलारी। प्रखण्ड के बड़कीटांड स्थित विश्रामपुर पंचायत भवन में रैयतों ने सोमवार को एक बैठक की। इस बैठक की अध्यक्षता रतिया गंझू ने की बैठक के दौरान आगामी 20 जून को घोषित केडीएच खदान के काम को अनिश्चितकालीन बंद करने को लेकर चर्चा किया गया। मौके पर रतिया गंझू ने कहा कि पुर्व में केडीएच प्रबंधन ने बिहार कोलियरी कामगार यूनियन (सीटू) के नेता एवं जेबीकेएसएस के केन्द्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो के साथ हुई वार्ता में यूनियन की ओर से रैयत ग्रामीणों की मांगों को रखा गया था। जिस पर प्रबंधन ने सभी माँगों को पूरा करने का लिखित आश्वासन दिया गया था। लेकिन अभी तक प्रबंधन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं किया गया है, जिसके कारण बंद करने का निर्णय लिया गया है। वहीं बैठक में ग्रामीणों रैयतों से बंदी को सफल बनाने की अपील भी किया गया। बैठक में शंभूनाथ गंझू, शिवप्रसाद गंझू, सोनू गंझू, पिंटू कुमार, बालदेव गंझू, देवराज गंझू सहित विश्रामपुर पंचायत के रैयत और ग्रामीण उपस्थित थे।

बारिश के साथ तेज आंधी, दर्जनों पेड़ गिरे

सिल्ली : सोमवार शाम को अनगड़ा जोन्हा के आसपास करीब 4 बजे बारिश के साथ तेज अंधड़ आया। अंधड़ की वजह से लोगों को काफी नुकसान हुआ है। रांची पुरुलिया मुख्य सड़क मार्ग पर दर्जनों पेड़ टूट कर रास्ते में गिर गए। वहीं पेड़ गिरने की वजह से रोड पूरी तरह जाम हो गया। लोगों को स्वंय रोड पर गिरे पेड़ों को हटाने का प्रयास करते देखा गया, इसी बीच अनगड़ा पुलिस वहां पहुंचा और जेसीबी मशीन से सड़क पर गिरे पेड़ को हटवाया। करीब 1 घंटे बाद उक्त रास्ता सुचारु हो पाया।

रक्तदान शिविर का पोस्टर विमोचन, आज आयुमं का वृहद रक्तदान शिविर

रामगढ़: मारवाड़ी युवा मंच रामगढ़ कैंट शाखा द्वारा कल 18 जून मंगलवार को आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन किया गया। यह शिविर मारवाड़ी धर्मशाला, चट्टी बाजार में आयोजित किया जाएगा। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल एवं मंच के सदस्यों ने सभी लोगों से अपील की है कि वे इस महान कार्य में भाग लें और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए रक्तदान करें। उन्होंने बताया कि रामगढ़ क्षेत्र में रक्त की भारी कमी है और आपके रक्तदान से कई लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। श्री अग्रवाल ने बताया कि बीपी और शुगर के मरीज रक्तदान कर सकते हैं, रक्तदान के कुछ घंटे बाद दवा लें (इंसुलिन लेने वाले मरीज रक्तदान नहीं कर सकते)। रक्तदान के लिए उम्र 18 से 65 वर्ष के स्वस्थ लोग जिनका वजन कम से कम 45 किलो हो और होमोग्लोबिन 12.5 से अधिक हो, रक्तदान कर सकते हैं।

ट्रेन हादसा : रेलवे ने पीहू को बेहतर इलाज के लिए दिया 50 हजार रुपए सहयोग राशि

धनबाद: रेलवे द्वारा पीहू कुमारी को बेहतर चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने एवं उसके स्वस्थ होने के लिए पूरा ध्यान एवं प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में पीहू कुमारी सुशील कुमार सोनी की 2 वर्ष की बेटी पीहू के इलाज के लिए सहयोग राशि दी गई है. पीहू के परिवार रांची के डोरंडा में रहते है और वे लोग ट्रेन संख्या 18635 में यात्रा कर रहे थे. जो दिनांक 14.06.24 को कुमण्डीह स्टेशन पर हुई घटना के कारण घायल हो गई थी। वर्तमान में रेलवे द्वारा पीहू कुमारी को बेहतर चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रानी चिल्ड्रेन अस्पताल, रांची में डाक्टर की देखरेख में रखा गया हैं. एवं सहायता राशि के रूप में 50,000 रूपए की राशि की भुगतान की गयी है. रेलवे द्वारा पीहू कुमारी को बेहतर चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने, आर्थिक सहायता एवं उसके स्वस्थ होने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है .

चुनार-चोपन खंड के बीच नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण दो जोड़ी ट्रेन रद्द

धनबाद : उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में चुनार-चोपन खंड के बीच नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण निम्नलिखित ट्रेनों का रद्दीकरण किया जाएगा। 13345 वाराणसी- सिंगरौली मेमू 18.06.24 से 26.06.24 तक। 13346 सिंगरौली- वाराणसी मेमू 19.06.24 से 27.06.24 तक।13343 वाराणसी- शक्तिनगर मेमू 20.06.24 से 27.06.24 तक। 13344 शक्तिनगर- वाराणसी मेमू 21.06.24 से 28.06.24 तक।

किसान समेत तीन की मौत, ढाई घंटे तक सड़क जाम

पलामू। जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान तीन सड़क हादसे हुए, जिसमें किसान समेत तीन की मौत हो गयी। पहली घटना रामगढ़ थाना क्षेत्र के नावाडीह बगनी झरिया में हुई, जहां अज्ञात वाहन के टक्कर से बाइक सवार नावाबाजार के राजू प्रजापति (25) की मौत हो गयी। राजू गढ़वा के रमकंडा बारात जा रहा था। दूसरी घटना हरिहरगंज थाना क्षेत्र के दुबटिया मोड़ के समीप एम्बुलेंस के टक्कर से मोपेड सवार किसान केशवर साव (65) की मौके पर ही मौत हो गयी। केशवर हरिहरगंज से धान की बीज खरीदकर पिपरा थाना क्षेत्र के होल्या गांव अपने घर जा रहे थे। घटना सोमवार सुबह 9 बजे की है। घटना के बाद मृतक के परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर एनएच को ढाई घंटे तक जाम रखा। हरिहरगंज और पिपरा थाना पुलिस अधिकारियों के समझाने पर तथा सरकारी प्रावधान के अनुसार मुआवजा देने का आश्वासन देने पर सड़क से जाम हटाया गया। जाम के कारण सड़क के दोनों छोर पर वाहन की लंबी कतार लगी रही। तीसरी घटना लातेहार के नेतरहाट जाने के दौरान नेतरहाट से 20 किलोमीटर पहले हुई। बिहार के औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र के पिपरौरा गांव के स्व. रघुवंश सिंह का पुत्र गौरव आनंद (42) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी। गौरव अपने परिवार के साथ कार से नेतरहाट घुमने जा रहे थे। इसी बीच रास्ते में उनकी कार पेड़ से टकरा गयी, जिसमें कार पर सवार तीनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए।

कोयलांचल में शांतिपूर्ण रुप से संपन्न हुआ बकरीद का पर्व

बिभा संवाददाता

खलारी। खलारी कोयलांचल क्षेत्र में ईद उल अजहा का त्योहार सोमवार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया। ईद-उल-अजहा को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जामा मस्जिद खलारी,हुटाप मोड़,हुटाप दारूल उलूम गौसिया रजविया, मायापुर,राय,जेहलीटाड,पुरानिराय, ईदगाह,मैक्लुस्कीगंज,भूतनगर,जी टाईप,नयाधौडा समेत कई ईदगाह और मस्जिदों में सुबह 7:30 बजे नमाज अदा कर एक दूसरे से गले मिलकर मुबारक बाद दी। मौके पर जामा मस्जिद के ईमाम नेहाल अख्तर जेयाई ने मुस्लिम समुदाय को नमाज से पहले बताया कि इस्लाम में कुबार्नी का बहुत बड़ा महत्व बताया गया है।कुरान के अनुसार कहा जाता है कि एक बार अल्लाह ने हजरत इब्राहिम की परीक्षा लेनी चाही. उन्होंने हजरत इब्राहिम को हुक्म दिया कि वह अपनी सबसे प्यारी चीज को उन्हें कुर्बान कर दें।हजरत इब्राहिम को उनके बेटे हजरत ईस्माइल सबसे ज्यादा प्यारे थे।अल्लाह के हुक्म और बेटे की मुहब्बत में से अल्लाह के हुक्म को चुनते हुए बेटे की कुबार्नी देने का फैसला किया। साथ ही हर बुराईयों की कुबार्नी कर इंसान को नेक और जायाज रास्ते पर चलने का नाम ही इस्लाम है। बाद इसके मुस्लिम समुदाय के लोगो ने ईद-उल-अजहा की नमाज अता की और अमन-चैन, प्रेम और भाईचारा बरकरार रखने की दुआ मांगी जिसके बाद एक-दूसरे के गले मिलकर ईद-उल-अजहा मुबारकबाद दिया। जिसके बाद अपने अपने घरों में लोगों ने उल अजहा की नमाज अदा की गई। चान्हो के बलसोकरा ईदगाह , टांगर ईदगाह, हुटार ईदगाह, सोनचिपी ईदगाह , लुंडरी ईदगाह , तरंगा? ईदगाह , चटवल ईदगाह , पिपराटोली ईदगाह, हुरहुरी ईदगाह, पंडरी जामा मस्जिद, पंडरी मस्जिदे आयशा? , सोंस जामा मस्जिद, चोरया जामा मस्जिद, चोरेया छोटी मस्जिद, चामा जामा मस्जिद, चोड़ा मस्जिद , मेलानी मस्जिद , सिलागाई मस्जिद में नमाज अदा की गई। कुर्बानियां भी दी। इस दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दूसरी ओर मांडर के मुड़मा, ब्रांबे, गोरे, नवातांड, मंदरो, टांगरबसली, बहेराटोली , मलती, ब्राम्बे सहित अन्य ईदगाह एवं मस्जिदों में नमाज तय समय में अदा की गई। नमाज के बाद अपने हैसियत के मुताबिक कुबार्नी दिए।त्योहार को लेकर बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। विधि व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रही, जगह जगह अतिरिक्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति भी की गई थी। खलारी पुलिस प्रशासन के लोगों मस्जिदों और ईदगाहों मुस्तैद थें।

हर्षोल्लास व भाईचारगी से मना बकरीद पर्व

बिभा संवाददाता

चान्हो/मांडर। क्षेत्र में बकरीद का त्योहार सोमवार को श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुस्लिम धर्मावलंबी ईदगाह एवं मस्जिदों में ईद उल अजहा की विशेज नमाज अदा की । साथ राज्य और मुल्क के अमन चैन की दोवाएं मांगी गई। ज्ञात हो के इस्लाम में मान्यता है कि हजरत इब्राहिम की अल्लाह के प्रति अपने बेटे इस्माइल की कुबार्नी की याद में बकरीद मनाई जाती है। बताया जाता है कि हजरत इब्राहिम अल्लाह में सबसे ज्यादा विश्वास रखते थे। अल्लाह के प्रति अपने विश्वास को बताने के लिए ही उन्होंने अपने बेटे की बलि दे दी थी। हजरत इब्राहिम की याद में बकरीद का पर्व मनाया जाता है। सुबह तय समय पर ईद

सुदेश महतो ने 1 करोड़ 11 लाख की लागत से दो योजनाओं का किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

सोनाहातू। विधायक सुदेश महतो ने सोमवार को सोनाहातू प्रखंड के जिलिंगसेरेग पंचायत अंतर्गत जामडीह गांव में 1 करोड़ की लागत से डेढ़ किलोमीटर सड़क तथा कोकाडीह गांव 11लाख की लागत से 700 फीट नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किये।

शिलान्यास समारोह को सम्बोधित करते हुए विधायक सुदेश महतो ने कहा कि गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य पर गुणात्मक सुधार किया जा रहा है। शिक्षा को लेकर हाई स्कूल और मिडिल स्कूल में स्मार्ट क्लास, स्टूडेंट्स बस सेवा, लाइब्रेरी आदि की सुविधा दिया जा रहा है। स्वास्थ्य को लेकर हर पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र को विकसित किया जा रहा है। हर घर मे शुद्ध पेयजल पहुँचाने का काम किया जा रहा है।प्रखंड के सभी जर्जर सड़क का मरम्मत किया जायेगा। गांव में राजनीतिक जागरूकता लाने का काम किया गया है। योजनाओं के माध्यम से हम गांव में भरोसा देने का काम कर रहे है। हमारा लक्ष्य सकारत्मक सोच के साथ जेनरेशन को विकसित करना है।

मौके पर ईचागढ़ विधानसभा प्रभारी हेरलाल महतो, मुखिया अवनी सिंह मुंडा, सुनील सिंह चितरंजन महतो, वीणा मुंडा, रमेश मुड़ा, भरत दास, परमेश्वर महतो, शंभूनाथ महतो, अशोक महतो, बिरेंची पुरान, महकम महतो सहित विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

सोनाहातू-राहे में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का हुआ अभिनंदन

बिभा संवाददाता

सोनाहातू/राहे। रांची सांसद संजय सेठ को केंद्र सरकार में रक्षा राज्य मंत्री बनाए जाने का बाद राहे प्रखंड और सोनाहातू प्रखंड में नागरिक अभिनंदन किया गया। राज्य मंत्री राहे स्थित सुभाष चन्द्र बोस के प्रतिमा पर माल्यार्पण किए। इस दौरान लोगों ने मंत्री को पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर अभिनंदन किया गया। लोगो ने धोबी मोहल्ला में नाली निर्माण कराने की मांग रखी। राज्य मंत्री ने आश्वस्त किया कि आप सभी के आशीर्वाद से केंद्र में मोदी सरकार बना। लोगो के विश्वास और भरोसा को कायम रखने का प्रयास होगा। मौके पर डिप्टी मेयर संजीव विजयर्गीय, वरिष्ट नेता डॉ राजाराम महतो, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रताप कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष विनय महतो धीरज, नेत्री रेखा देवी, मंडल अध्यक्ष चितरंजन महतो, मनोज चटर्जी, कमलाकांत सिंह, सुरेंद्र प्रजापति, सुशांत सिंह, मेघनाथ महतो, ज्योति कोइरी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

गुरुद्वारा साहिब में सजा विशेष दीवान, बड़ी संख्या में साध संगत हुए शामिल, बटा अटूट लंगर

बिभा संवाददाता

रामगढ़: रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में विशेष दीवान सजाया गया। चंडीगढ़ से आए रागी जत्था भाई तवनीत सिंह के द्वारा शबद कीर्तन किया गया।

राजन के राजा महाराजन के राजा जैसे शब्द सुनकर संगत निहाल हुए। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में शाम 6:00 बजे राहरास साहब का पाठ हुआ, पश्चात 6:00 बजे से लेकर 10:00 बजे तक गुरुद्वारा साहिब में शबद कीर्तन चंडीगढ़ से आए रागी जत्था भाई तवनित सिंह के द्वारा किया गया। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के हजूरी रागी भाई सरबजीत सिंह ने भी शब्द कीर्तन कर संगत को निहाल किया। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब की हेड ग्रंथि भाई गुरजीत सिंह ने संगत को गुरु इतिहास के बारे में बताया गया। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा ने बताया कि इस तरह का आयोजन से गुरुद्वारा साहिब में शबद कीर्तन करने से संगत गुरु घर से जुड़े रहते हैं। कार्यक्रम में मुख्य से रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा मित प्रधान अमरजीत सिंह सैनी हैप्पी छाबड़ा कुजू गुरुद्वारा साहिब पूर्व प्रधान रामदयाल सिंह चोपड़ा, जोगेंद्र सिंह जग्गी, मनीष मिढ़ा जनरल सकत्तर कुलवंत सिंह मारवाह,प्रीतम सिंह कालरा, मनपाल सिंह सोनी, अंकित कालरा, अनु कालरा, रघुबीर सिंह छाबड़ा, राजा कालरा, गुरजीत सिंह सलूजा, बनी गांधी खालसा फेडरेशन के अनमोल सिंह आनंद यश छाबड़ा, दीपक सलूजा पपिंदर सिंह खंबे परमिंदर जस्सल, हरप्रीत सिंह खालसा,नरेंद्र सिंह चमन, सतपाल सिंह सलूजा, मनप्रीत कौर सैनी, सतविंदर कौर सैनी शामिल थे।

वर्तमान समय में स्पोकन इंग्लिश एवं पर्सनाल्टी डेवलपमेंट से छात्रों को जोड़ना : दीपाली पराशर

बिभा संवाददाता

मांडर : प्रखण्ड कंदरी स्थित भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में सोमवार को स्पोकन इंग्लिश एवं पर्सनाल्टी डेवलपमेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन राँची ह्यूस्पेनीनह्ल के निदेशक, डा० कुमार संजय के द्वारा किया गया। कार्यशाला पर पी०पी०टी० तथा व्याख्यान के माध्यम से बी०एड०, एवं डी०एल०एड० के छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में सचिव नितिन पराशर तथा शैक्षणिक सचिव सह प्राचार्या दीपाली पराशर उपस्थित थी। सचिव नितिन पराशर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्र छात्राओं के लिए स्पोकेन इंग्लिश एवं पर्सनाल्टी डेवलपमेंट का कार्यशाला काफी मददगार साबित होगा और छात्रों में आत्मविश्वास के साथ-साथ अपने कैरियर तलाशने में भी काफी मदद मिलेगी। इसी को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय ने एक प्रतिष्ठित संस्थान के श्रेष्ठ एवं अनुभवी शिक्षकों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करने का प्रयास कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि लोग इसके बारे मे जागरूक हो और अधिक से अधिक लाभ उठायें। मौके पर डीन उपेन्द्र उपाध्याय, व्याख्यता मधुरंजन, विनीता चैधरी, विवेक राज जायसवाल, रिभा कुमारी, अमित कुमार, विनीत शर्मा, सुबोध शर्मा, सहाय सर, तुलसी दास, सुनील कुमार, इत्यादि उपस्थित थे। कार्यशाला मे आये अतिथियों को महाविद्यालय की ओर से पौधा, बैग और शॉल देकर सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन राकेश कुमार राय, तथा मंच संचालन अनुपमा आइंद तथा प्रनीता कुमारी के द्वारा किया गया।

कंचनजंघा एक्सप्रेस के दुर्घटना के कारण परिवर्तित मार्ग से चलायी जा रही ट्रेनें

बिभा संवाददाता

हाजीपुर/रांची : कटिहार मंडल के रंगापाणी स्टेशन और चटेर हाल्ट के मध्य सियालदह जा रही गाड़ी सं. 13174 कंचनजंघा एक्सप्रेस और मालगाड़ी के मध्य टक्कर हो जाने के कारण इस मार्ग से गुजरने वाली निम्नलिखित ट्रेनों का परिचालन परिवर्तित मार्ग से किया जा रहा है -

न्यू जलपाईगुड़ी-सिलीगुड़ी-बागडोगरा-अलुआबाड़ी रोड के रास्ते चलायी जाने वाली ट्रेनें -

दिनांक 17.06.24 को न्यू जलपाईगुड़ी से खुल चुकी 19602 न्यू जलपाईगुडी-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस

दिनांक 16.06.24 को डिब्रूगढ़ से खुल चुकी 20503 डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस

दिनांक 16.06.24 को डिब्रूगढ़ से खुल चुकी 12423 डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस

दिनांक 16.06.24 को अगरतला से खुल चुकी 01666 अगरतला-रानी कमलापति स्पेशल

दिनांक 17.06.24 को कामाख्या से खुल चुकी कामाख्या-आनंद विहार नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस

दिनांक 17.06.24 को कामाख्या से खुल चुकी 15620 कामाख्या-गया एक्सप्रेस

दिनांक 17.06.24 को गुवाहाटी से खुल चुकी 15636 गुवाहाटी-ओखा एक्सप्रेस

दिनांक 17.06.24 को गुवाहाटी से खुल चुकी 15651 गुवाहाटी-जम्मूतवी एक्सप्रेस

दिनांक 17.06.24 को कामाख्या से खुल चुकी 15658 कामाख्या-दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल

अलुआबाड़ी रोड-बागडोगरा-सिलीगुड़ी-न्यू जलपाईगुड़ी के रास्ते चलायी जाने वाली ट्रेनें -

दिनांक 16.06.24 को सियालदह से खुल चुकी 12377 सियालदह-न्यू अलीपुरद्वार एक्सप्रेस

दिनांक 14.06.24 को नागरकोविल से खुल चुकी 06105 नागरकोविल-डिब्रूगढ़ स्पेशल

दिनांक 16.06.24 को नई दिल्ली से खुल चुकी 20506 नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस

दिनांक 16.06.24 को नई दिल्ली से खुल चुकी 12424 नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस

दिनांक 17.06.24 को हावड़ा से खुल चुकी 22301 हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस

02 जोड़ी ट्रेनों का परिचालन रद्द

हाजीपुर/रांची : चुनार-चोपन रेलखंड के सक्तेषगढ़ और लूसा स्टेषनों के मध्य सारसोन ग्राम स्टेषन के कमीषनिंग हेतु एनआई कार्य के कारण निम्नलिखित 02 जोड़ी ट्रेनों का परिचालन निम्नानुसार रद्द किया जा रहा है-

गाड़ी सं. 13345 वाराणसी-सिंगरौली मेमू - 18.06.24 से 26.06.24 तक । गाड़ी सं. 13346 सिंगरौली-वाराणसी मेमू - 19.06.24 से 27.06.24 तक । गाड़ी सं. 13343 वाराणसी-षक्तिनगर मेमू - 20.06.24 से 27.06.24 तक । गाड़ी सं. 13344 षक्तिनगर-वाराणसी मेमू - 21.06.24 से 28.06.24 तक

हजारीबाग में जमीन म्यूटेशन और निबंधन में देरी पर छह अंचलाधिकारियों को शोकॉज

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। जमीन के म्यूटेशन और निंबधन को लेकर राज्य सरकार सख्त है। मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद हजारीबाग जिले की डीसी नैंसी सहाय ने सर्वाधिक पेंडिंग और रिजेक्ट करने वाले छह अंचल अधिकारियों को शोकॉज किया है और दो दिनों के भीतर जवाब मांगा है। इनमें बड़कागांव, सदर, बरही, कटकमदाग, बरकट्ठा और पदमा के अंचलाधिकारी शामिल हैं।

जिले के 16 अंचल में 12 जून तक कुल 199162 आवेदन पड़े है, जिसमें 90645 आवेदन पर विचार करते हुए म्यूटेशन का कार्य पूर्ण किया गया जबकि 6298 म्यूटेशन पेंडिंग में डाल दिए गए। इनमें 972 वैसे म्यूटेशन का आवेदन हैं जो 30 दिन का समय अवधि पार कर चुके हैं जबकि 74 आवेदन 90 दिन के समय अवधि को भी पार कर चुके हैं। पूरे जिले के सभी अंचलों में कुल 102238 आवेदन रिजेक्ट कर दिए गए हैं। बड़कागांव- 30 दिन से अधिक 69 आवेदन पेंडिंग पड़े हुए हैं जबकि 90 दिनों से अधिक 303 लंबित हैं। यहां 668 आवेदन अस्वीकृत कर दिए गए। अस्वीकृत मामले 47.12 फीसदी और दाखिल खारिज 45.59 फीसदी है। सदर अंचल- 32102 आवेदन अस्वीकृत कर दिए गए हैं। 30 दिनों से अधिक के 13 और 90 दिनों से अधिक के चार आवेदन लंबित हैं। अस्वीकृत 45.89 फीसदी है। बरही अंचल- 6997 आवेदन अस्वीकृत कर दिए गए हैं। 30 दिन से अधिक के 12 और 90 दिनों से अधिक के दो आवेदन लंबित हैं। कटकमदाग अंचल- 17674 आवेदन अस्वीकृत किए गए हैं जबकि 30 दिन से अधिक 49 और 90 दिनों से अधिक का एक आवेदन लंबित पड़ा हुआ है। अस्वीकृति 56.66 फीसदी है। बरकट्ठा अंचल- 5795 आवेदन अस्वीकृत कर दिए गए हैं। 30 दिन से अधिक 485 और 90 दिनों से अधिक 236 आवेदन लंबित हैं। यहां अस्वीकृति का 36.61 फीसदी है। पदमा अंचल- 2452 आवेदन अस्वीकृत किए गए जबकि 30 दिन से अधिक 14 और 90 दिनों से अधिक पांच आवेदन लंबित पड़े हुए हैं। यहां अस्वीकृति का 40.76 फीसदी है।

इस मामले में डीसी नैंसी सहाय ने कहा कि म्यूटेशन का मामला काफी दिनों से पेंडिंग है। जिला प्रशासन की कोशिश है कि जल्द से जल्द सारे मामलों का निपटारा हो। सरकार की तरफ से भी निर्देश है कि म्यूटेशन पेंडिंग न हो। जिला प्रशासन सकारात्मक रूप से मामले को देख रहा है। हाल ही में छह सीओ कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा अध्यक्ष ने कंचनजंगा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने पर दुख प्रकट किया

रांची : झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष श्री रबींद्रनाथ महतो ने सिलीगुड़ी से कोलकाता के बीच चलने वाली कंचनजंगा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने पर दुख प्रकट किया है । दुर्घटना में मारे जाने वाले लोगों एवं घायलों के परिवार जनों के प्रति अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं। अध्यक्ष ने कहा कि यह ट्रेन अपने प्रस्थान और गन्तव्य की दूरी तय करने के बीच झारखंड के संथाल से जुड़े इलाकों से होकर भी गुजरती है। दुर्घटना में मृतकों के परिवारों एवं दुर्घटनाग्रस्त लोगों के लिए ये बहुत ही दुखद क्षण है। मैं दुर्घटना में मारे गए सभी लोगों के आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उनके परिवार जनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता हूँ ,साथ ही इस ट्रेन दुर्घटना में घायल हुए लोगों की जल्द से जल्द स्वस्थ लाभ प्राप्त होने की ईश्वर से कामना करता हूँ।

राजधानी रांची में हुआ दुबई 100 एक्सपो का शानदार आयोजन

रांचीः सीबीट्स रियल एस्टेट, दुबई द्वारा आयोजित दुबई की रियल एस्टेट उत्कृष्टता के एक भव्य उत्सव व राजधानी रांची में शानदार शुरूआत की। दुबई की रियल एस्टेट उत्कृष्टता को प्रदर्शित करने के लिए रांची क्लब में आयोजित इस उल्लेखनीय कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिष्ठित अतिथि शामिल हुए, जिनमें शहर के प्रमुख बिल्डर्स, निवेशक, एचएनआई, रियल एस्टेट उद्योग जगत के लोग और दो खास अतिथि, राजपाल यादव और मुबीन सौदागर शामिल थे। दुबई के प्रमुख बिल्डर्स ने निवेश संभावनाओं के साथ-साथ अतिरिक्त, बाय-बैक गारंटी, उच्च संपत्ति प्रशंसा, गोल्डन वीजा लाभ और कर-मुक्त आय के साथ प्रभावशाली 12% आरओआई के वादे ने भी मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जहाँ 10 भाग्यशाली विजेताओं को 1 लाख एईडी (22 लाख रुपए) के कूपन के कूपन प्रदान किए गए। सीबीट्स रियल एस्टेट एलएलसी के संस्थापक और एमडी, श्री रिंकू कुमार ने कहा, ₹दुबई 100 सिर्फ एक इवेंट नहीं है; यह अनंत संभावनाओं का अवसर है। कई शहरों के लोगों को इन्वेस्टमेंट के और अधिक अवसर प्रदान करेगा।

स्व. धनवंती देवी के पुण्यतिथि मे श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा में 185 लोगों ने किया भोजन

रांची : रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा संचालित पहाड़ी मंदिर रोड स्थित श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा 185 लोगों ने भोजन प्राप्त किया। आज की सेवा स्व० धनवंती देवी की पुण्य स्मृति में उनके पुत्र नीरज भट्ट, धीरज भट्ट, राजेश भट्ट एवं ममता राय के द्वारा प्रायोजित थी इस अवसर पर भट्ट परिवार जनों ने स्व. धनवंती देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा संचालित पुरुलिया रोड स्थित स्वर्ण भूमी अन्नपूर्णा सेवा केंद्र में 175 लाभुकों ने भोजन प्राप्त किया। इस अवसर पर अन्नपूर्णा सेवा के संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहां की माता अन्नपूर्णा लोगों को इसी प्रकार सेवा करने की प्रेरणा प्रदान करें और प्रभु की कृपा सदैव इनके परिवार पर बनी रहे। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए अन्नपूर्णा सेवा निरंतर चलती रहेगी। इस अवसर पर- मारवाड़ी सम्मेलन के जिला अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार, महामंत्री विनोद कुमार जैन, प्रमोद अग्रवाल, प्रदीप नारसरिया, संजय सर्राफ,मनोज रुइया, द्वारका प्रसाद अग्रवाल, बबलू हरित, सांवरमल बुधिया, रमेश बंका सहित कई सदस्य उपस्थित थे। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि दोनों अन्नपूर्णा सेवा स्व. सत्यनारायण नारसरिया एवं स्व. शारदा देवी नारसरिया की स्मृति में एवं रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा संचालित है।

कांग्रेस ने बाबूलाल मरांडी पर साधा निशाना

रांची। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर हैसियत बढ़ने और किस्मत चमकने का सपना देख रहे भाजपा और बाबूलाल मरांडी को झारखंड की जनता ने जमीन पर ला पटका। 10 वर्षों से बहुमत की सरकार चलाने वाली भाजपा 38 दलों के साथ गठबंधन की सरकार चलाने में पस्त है और बाबूलाल मरांडी कांग्रेस की हैसियत की बातें कर रहे हैं। उक्त पलटवार प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता ने बाबूलाल मरांडी के जवाब में किया है। उन्होंने कहा कि देश की जनता को 15 लाख देने का झांसा देकर भाजपा ने 10 वर्षों तक इस देश में शासन किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों की बात करती है और जनता ने पूरे चुनाव में सारी बातों को देखा सुना और फैसला किया। ओबीसी आरक्षण और जातिगत जनगणना के नाम पर भाजपा चुप्पी साधे रही, जनता भाजपा की मंशा समझ चुकी है। उन्होंने कहा जनता ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की बातों और घोषणाओं पर पूरा भरोसा जताया लेकिन हम चंद कदम पीछे रह गए। जनमत का सम्मान है, संसद में जनता की आवाज इंडिया गठबंधन के सांसद मजबूती से बनेंगें।

ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ मुरी ने ट्रेन से शराब किया जब्त

रांची : रांची मंडल में कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर स्टेशनों तथा ट्रेनों में औचक निरिक्षण लगातार जारी है उसी क्रम में आरपीएफ मुरी साथ में फ्लाइंग टीम रांची मुरी रेल्वे स्टेशन पर गुप्त निगरानी के क्रम में एक व्यक्ती को भारी पिट्ठु बैग के साथ जल्दीबाजी में गाड़ी संख्या 12366 में उठने के लिए भागते पाया, संदेह होने पर उसे रोककर उससे नाम पूछा जिसपर उसने अपना नाम अमृत कुमार उम्र 21 वर्ष, पता दनियावा, पटना बताया तथा उसके बैग चेक करने पर उसमें 48 बियर की बोतलें कीमत अनुमानित 5000 रुपये पाई गई जिसके बारे मे उसने खुलासा किया कि उन बोतलों को बिहार लेकर जा रहा था ऊँची कीमतों पर बेचने के लिए' मौके पर उक्त बोतलों को जब्त कर व्यक्ती को गिरफतार किया गया जिसे अगले दिन आबकारी विभाग/रांची को सौंप दिया जाएगा।

ईद उल अजहा के अवसर पर राजधानी के ईदगाहों, मस्जिदों में अदा की गयी नमाज

बिभा संवाददाता

रांची। ईद उल अजहा के अवसर पर राजधानी के ईदगाहों, मस्जिदों में नमाज अदा की गयी। नमाज अदा कर देश और राज्य की खुशहाली, समृद्धि और अमन-चैन के लिए अल्लाह पाक से दुआ की गयी। नमाज अदा करने के बाद सभी ने एक दूसरे से गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी। इसके बाद अपने अपने घरों में कुबार्नी दी गयी। बकरीद के अवसर पर एक दूसरे से मिलने का सिलसिला दिन भर चलता रहा। उधर, बकरीद को देखते हुए रांची पुलिस भी पूरी तरह से सतर्क रही। रांची के तमाम स्थानों पर आज सुबह 5 बजे से ही पुलिस बल अपनी ड्?यूटी संभाल चुके थे जो देर रात तक जारी रही। सुबह से मौसम का मिजाज साथ रहा। हल्की धूप में ईदगाहों में नमाज अदा की गई। रांची हरमू ईदगाह में मौलाना डॉक्टर असगर मिस्बाही ने नमाज पढाई तो डोरंडा ईदगाह में मौलाना सैयद शाह अलकमा शिबली ने नमाज पढ़ाई। हववारी मस्जिद में शहर काजी मुफ्ती कमर आलम कासमी ने नमाज पढ़ाई तो मस्जिद जाफरिया में मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने नमाज पढ़ाई।

सोशल मीडिया पर भी विशेष नजर पुलिस के द्वारा रखी जा रही है। रांची पुलिस के द्वारा एक दिन पूर्व ही यह संदेश जारी कर दिया गया था कि अगर कोई भी सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

दो हजार जवान बकरीद को देखते हुए राजधानी के सभी संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल के साथ-साथ ड्रोन की टीम को भी तैनात किया गया है। सभी थाना प्रभारी नमाज के वक्त अपने अपने इलाकों में भ्रमणशील रहे। बकरीद को लेकर राजधानी रांची में दो हजार पुलिस बलों की तैनाती की गई है। खासकर वैसे ही इलाके जहां बकरीद के समय पूर्व में सामाजिक सौहार्द बिगड़ा था। वहां विशेष निगरानी रखी जा रही है।

ईद और बकराईद पर हर वर्ष कर्बला चौक पर बच्चो के लिए झूला लगता आया है। इस वर्ष भी लगा है। जहां बच्चो का उत्साह देखते बनता है। बड़ो से ईदी लेकर घूमने जाना और झूला पर बैठना बच्चो को बहुत पसंद है।

विधानसभा चुनाव के लिए आजसू पार्टी का रोड मैप तैयार : सुदेश महतो

22 जून को बलिदान दिवस, 16 अगस्त से निर्माण यात्रा

बिभा संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा है कि राजनीतिक दायित्वों का बेहतर रूप से निर्वहन करने के लिए पार्टी ने कई कार्यक्रम तय किए हैं। इसमें राज्य के लोगों के विचारों से जुड़ना हमारी प्राथमिकता है। साढ़े चार साल में सरकार की नीतियों और कामकाज के तौर तरीके से राज्य में निराशा है। इसलिए पार्टी हर वर्ग की आवाज को मजबूती प्रदान करने की पक्षधर है।

पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेस में उन्होंने भावी कार्यक्रमों से जुड़े रोडमैप की जानकारी दी। साथ ही बताया कि राज्य के सामने जो चुनौतियां हैं, उसे पीछे छोड़ना ही हमारा उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि 22 जून को पार्टी की स्थापना दिवस के मौके पर राज्य भर में बलिदान दिवस के रूप में मनाया जाएगा। सभी विधानसभा क्षेत्रों में वीडियो चित्रण का प्रदर्शन किया जाएगा। राज्य के हर युवाओं के जेहन में यह रहना चाहिए कि झारखंड गठन की वेदना, कल्पना और इतिहास रहना चाहिए। इसी दिन हर विधानसभा में 100 पौधे लगाये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि गिरिडीह की सम्मानित जनता ने फिर एक बार हमें राष्ट्रीय पटल पर नेतृत्व करने का मौका दिया है। गिरिडीह संसदीय सीट से चंद्रप्रकाश चौधरी जी की जीत को लेकर जनता के प्रति आभार प्रकट करने के लिए वे आभार यात्रा करेंगे। यह आभार यात्रा 19 जून को टुंडी तथा बाघमारा विधानसभा, 20 जून को डुमरी एवं गिरिडीह विधानसभा और 23 जून को गोमिया एवं बेरमो विधानसभा क्षेत्र में होगी।

पार्टी ने तय किया है कि हर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की सबसे निचली इकाई चूल्हा प्रमुख और ग्राम प्रभारी का संयुक्त शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाएगा।

30 जून को सभी विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी ने हूल दिवस मनाने का निर्णय लिया है। हूल के महानायकों को श्रद्धांजलि देने के साथ उनके सपने साकार करने के संकल्प लिए जाएंगे।

झारखंड आंदोलन के प्रणेता और आजसू की परिकल्पना करने वाले धरती पुत्र शहीद निर्मल महतो के शाहदत दिवस पर रांची में राज्य भर के लाखों नौजवान का जुटान होगा। इस महाजुटान में मिशन 2024 को सफल बनाने के लिए संकल्प लिए जाएंगे।

पार्टी ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में आदिवासी अखड़ा कार्यक्रम का निर्णय लिया है। आदिवासी अखड़ा के जरिए झारखंड की भाषा, अस्मिता, संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए संकल्प लिए जाएंगे। साथ ही भाषा, कला और संस्कृति के क्षेत्र में बेहतर काम करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

16 अगस्त से पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो पूरे राज्य में निर्माण यात्रा पर निकलेंगे। ?ह यात्रा दो अक्तूबर तक चलेगी। इस कार्यक्रम के तहत राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में निर्माण पद यात्रा निकाली जाएगी।

प्रेस कांफ्रेस में पार्टी के प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, आजसू बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष डोमन सिंह मुंडा, महासचिव डॉ मुकुंद चंद्र मेहता शामिल थे।

सुजाना लकड़ा ने 100 मीटर हर्डल्स में जीता स्वर्ण

बिभा संवाददाता

रांची : भारतीय एथलेटिक्स संघ, नई दिल्ली एवम छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में 15 से 17 जून तक छत्तीसगढ़ के विलासपुर शहर के सम्पन्न 19वी राष्ट्रीय युथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन रांची की सुजाना लकड़ा ने 100 मीटर हर्डल्स में 14.40 से. का समय के साथ राज्य के लिए स्वर्ण पदक जीती। जबकि तमिलनाडु की भावना जी ने रजत, कर्नाटक की ईसा रंजीत ने कांस्य पदक जीता। वहीं लंबीकूद में रांची साई के संदीप कुमार ने 7.16 मीटर के साथ रजत पदक एवम रांची के ही पार्थ सिंह ने 7.00 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। जबकि इस स्पर्धा का स्वर्ण तमिलनाडु के जितिन आर. सी. ने जीता। ज्ञातव्य हो प्रतियोगिता के दूसरे दिन पार्थ सिंह ने 100 मीटर में नए मीट रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण एवम जैवलिन थ्रो में जामताड़ा की सविता मुर्मू ने कांस्य पदक जीता था। इस प्रतियोगिता में राज्य के एथलीटों ने चकदार प्रदर्शन करते हुए 02 स्वर्ण,01 रजत,02 कांस्य पदक जीता।

इस उपलब्धि पर भारतीय एथलेटिक्स संघ के कोषाध्यक्ष डॉ मधुकांत पाठक,झारखंड एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष सी.डी.सिंह, संघ के पदाधिकारी आलोक मिश्रा,आशीष झा,सुखैर भगत, फादर रामू,,बरूण कुमार,किरण रानी साहू, प्रभाकर वर्मा, संजय त्रिपाठी,रविंद्र मुर्मू,बंधन टोप्पो,मुकुल टोप्पो , साई कोच कोच बिनोद सिंह, योगेश यादव,अरविंद कुमार,प्रभात रंजन तिवारी, राकेश सिंह,सिकंदर महतो, सरोज कुमार,अजीत साहू,अजय नायक, रनवीर सिंह,शशांक भूषण सिंह,राम प्रसाद, शिव रमन, टीम कोच आशु भाटिया,टीम मैनेजर नरेश कुजूर समेत राज्य के खेल प्रेमियों ने विजेता एथलीटों को बधाई दी ।

सीएमपीडीआई में स्वच्छता अभियान तथा जूट बैग का वितरण

बिभा संवाददाता

रांची : सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार, निदेशक शंकर नागाचारी, निदेशक अजय कुमार, निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री सतीश झा के नेतृत्व में संस्थान के मुख्यालय परिसर में दिनांक 16 से 30 जून तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आज स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इसके अलावा, क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के क्षेत्रीय निदेशक श्री जयंत चक्रवर्ती, महाप्रबंधक (टीएस/पीआर) श्री संजय कुमार दुबे सहित महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण, वरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण इस अभियान में भाग लिया।

इसके अतिरिक्त, सीएमपीडीआई द्वारा अपने मुख्य द्वार पर नजदीकी बाजार में खरीददारी करने आए आसपास के निवासियों के बीच जूट बैग का वितरण किया गया ताकि प्लास्टिक बैग का उपयोग पर रोक लग सके।

ज्ञात हो कि स्वच्छता पखवाड़ा-2023 के दौरान सीएमपीडीआई द्वारा की गयी गतिविधियों, शामिल नवीन विचारों, अधिकतम सार्वजनिक भागीदारी और आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के आधार पर सीएमपीडीआई को कोयला मंत्रालय द्वारा द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। भारत सरकार के ह्यस्वच्छ भारत मिशन के तहत, कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों स्वच्छ और स्वच्छ भारत के महात्मा गांधी के सपने को साकार करने के लिए 16 से 30 जून, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मना रही है।

शिवराज सिंह चौहान व हेमंत विश्व शरमा के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश में बनेगी मजबूत डबल इंजन सरकार : बाबूलाल मरांडी

बिभा संवाददाता

रांची : भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवम केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा जी के निदेर्शानुसार आज झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव की दृष्टि से चुनाव प्रभारी एवम सह प्रभारी की नियुक्ति की गई है। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी प्रदेश के चुनाव प्रभारी एवम असम सरकार के मुख्यमंत्री श्री हेमंत विश्व शरमा जी सह प्रभारी बनाए गए हैं।

प्रदेश भाजपा ने दोनो नियुक्तियों का स्वागत एवम अभिनंदन किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि दोनो नेता अनुभवी ,परिश्रमी और कुशल संगठनकर्ता हैं।

श्री मरांडी ने कहा कि शिवराज सिंह जी एवम हेमंत विश्व शरमा जी ने झारखंड के लोकसभा चुनाव में भी खूब पसीना बहाया है। तपती गर्मी में कई सभाओं को संबोधित किया। कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में इनके अनुभवों,कार्य कुशलता और प्रत्यक्ष मार्गदर्शन का लाभ पार्टी को मिलेगा। चुनाव प्रभारी एवम सह प्रभारी के मार्गदर्शन में भाजपा प्रदेश की भ्रष्ट, निकम्मी ठगबंधन सरकार को उखाड़ फेंकते हुए प्रदेश में मजबूत डबल इंजन सरकार बनाएगी।

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने स्वागत अभिनंदन करते हुए कहा भाजपा विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। जनता ने लोकसभा चुनाव में ही इंडी एलायंस को सबक सीखा चुकी है। उन्होंने कहा कि शिवराज जी एवम हेमंत विश्व शरमा जी के मार्गदर्शन में पार्टी रिकॉर्ड मतों से प्रदेश में सरकार बनाएगी। स्वागत करने वालों में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ,निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद दीपक प्रकाश,प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा,मनोज सिंह सहित अन्य शामिल हैं।

श्री श्याम मंदिर में मनाया गया निर्जला एकादशी

बिभा संवाददाता

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में आज निर्जला एकादशी बड़े ही भव्य रूप से मनाया गया। आज निर्जला एकादशी के अवसर पर प्रातः 5:00 बजे मंदिर के पट खुलते ही भक्तों का आना-जाना निरंतर मंदिर में लगा हुआ था । सुबह 5:30 की मंगला आरती में भक्तों ने प्रातः कालीन दर्शन कर अपने इष्ट देव को मनाया । इसके बाद 6:00 बजे मंड का पर्दा लगाकर श्याम बाबा का अद्भुत श्रंगार किया गया । 8:30 बजे की श्रृंगार आरती में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी । भक्त दर्शन कर अपने इष्ट देव को मना कर श्याम प्रेमियों ने जयकारा लगाकर श्याम बाबा की जय, हारे के सहारे की जय से पूरा मंदिर परिसर गूंज रहा था। श्याम प्रेमी दरबार में बाबा श्याम को भजन सुनाकर दरबार में हाजिरी लगा अपनी मनोकामना की अर्जी लगा रहे थे।12:15 बजे के विश्राम आरती के बाद मंदिर के पट लगा दिए गए। दोपहर बाद मंडल के मंत्री श्री श्याम सुंदर शर्मा के नेतृत्व में बाबा का द्वितीय एकादशी श्रृंगार किया गया । कोलकाता बेंगलुरु से मंगाए गए मोटी मोटी मालाओं से सजाकर रूह गुलाब की मालिश कर का भोग लगाया गया। लाल गुलाब पीला गुलाब गुलबहार रंजनीगंधा सॉन्ग ऑफ इंडिया लाल गेंदा पीला गेंदा जूही बेली तुलसीदल के फूलों की मोटी मालाओं से बाबा का मनोहारी श्रृंगार किया गया। 4:30 बजे जब मंदिर के पट खुले तो भक्त दर्शन कर बाबा का भक्ति में भाव विभोर हो गए। नयनाभिराम झांकी अद्भुत श्रंगार नवीन बागा पहन बाबा श्याम ऐसा दर्शन दे रहे हो मानो सबका मन मोह रहे थे । आज का विशेष श्रृंगार एवं बागा सेवा कैलाश सिंघानिया एवं आशा सिंघानिया के द्वारा निवेदिता था ।रबड़ी प्रसाद की सेवा अन्नपूर्णा सरावगी पंचमेवा भोग की सेवा गोकुल यश गोकुलका राजेश जायसवाल फल की सेवा डॉक्टर खुशबू प्रमोद पोद्दार दीपक अग्रवाल राजेश जायसवाल एवं अन्य श्याम भक्त गिरीगोला सेवा मुकेश मित्तल द्वारा निवेदित थी ।निर्जला एकादशी का विशेष कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे से अध्यक्ष सुरेश सरावगी एवं महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया के नेतृत्व में शुरू हुआ। निर्जला एकादशी का ज्योत एवम पूजन कार्यक्रम अनिल नारनोली ने संपन कराया। कैलाश सिंघानिया आशा सिंघानिया ने बाबा श्याम की अखंड ज्योति प्रज्वलित कर केसरिया पेडा फल प्रसाद रबड़ी पंचमेवा पान का भोग लगाकर अपनी मनोकामना बाबा को सुनाई। इसके बाद मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया मंत्री श्याम सुंदर शर्मा मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू साकेत ढानढनिया पंकज गाड़ोदिया सलज अग्रवाल पवन शर्मा एवं अन्य श्याम भक्तों ने एक-एक कर बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई। भजनों के कार्यक्रम के साथ साथ निरंतर सभी दर्शनार्थियों को मंदिर परिसर से प्रसाद वितरीत किया जा रहा था । निर्जला एकादशी का कार्यक्रम देर रात्रि आरती के बाद संपन्न हुआ । आज मुख्य रूप से मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया प्रदीप राजगढ़िया मंत्री श्याम सुंदर शर्मा गौरव अग्रवाल मोनू कोषाध्यक्ष पंकज गाड़ोदिया उपमंत्री अनिल नारनोली राजेश चौधरी रतन शर्मा संजय सराफ अरविंद सोमानी रौनक पोद्दार अभिषेक सरावगी रोशन खेमका निखिल नारनोली दिनेश अग्रवाल आशुतोष खेतान विशाल पोद्दार सर्वेश अग्रवाल किशन शर्मा आदि उपस्थित थे।

तस्करी के लिए डोडा ले जा रहा एक आरोपित गिरफ्तार

रांची । नगड़ी थाना पुलिस ने तस्करी के लिए डोडा ले जा रहे एक आरोपित सुलेमान मुंडू को गिरफ्तार किया है। वह खूंटी साईको थाना क्षेत्र का रहने वाला है। जबकि एक आरोपित दयाल भागने में सफल रहा। इनके पास से नशीला पदार्थ डोडा का 80.700 किलोग्राम और दो पल्सर बाइक बरामद किया गया है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि हल्हू गांव की ओर से दो बाइक के पीछे बोरी में बांधकर दो व्यक्ति डोडा लेकर जा रहे है। सूचना के बाद डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम उक्त स्थान पर पहुंची तो देखा कि दो बाइक आ रही है। बाइक के पीछे कुछ बोरे में बंधा हुआ है। पुलिस टीम के रुकने का इशारा करने पर एक बाइक सवार बाइक छोड़कर भाग गया। जबकि दूसरा आरोपित पकड़ा गया।

संक्षिप्त खबरें

बोकारो चेंबर ऑफ कॉमर्स के नए अध्यक्ष बने राजेंद्र विश्वकर्मा

बोकारो : चैंबर ऑफ कामर्स सत्र 2024 - 27 की तीन वर्ष के लिए कार्यकारिणी समिति का चुनाव आज चैंबर के मुख्य संरक्षक रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ । सर्व सम्मति से रविंद्र कुमार मुख्य संरक्षक, श्रीचंद प्रसाद, अधिवक्ता दिनेश लाल श्रीवास्तव संरक्षक, राजेंद्र विश्वकर्मा अध्यक्ष , जगदीश चौधरी कार्यकारी अध्यक्ष, प्रवीण कुमार पटेल महासचिव, अधिवक्ता ए के राय , ज्ञानेंद्र पांडेय, कुमार शिल्पी, अनिल कुमार सिंह ,प्रवीण कुमार सिन्हा, मनोज कुमार पासवान, सुधांशु प्रसाद ,भैया प्रीतम उपाध्यक्ष चुना गया ,प्रमोद सिंह ,विनोद कुमार सिंह ,प्रदीप झा, जयशंकर सिंह, जीवन कुमार ,कैलाश सिंह, कुमार सहवाल ,श्याम नंदन सिंह , अभय सिंह , मोहन दुबे, , अवधेश कुमार सिंह को सचिव चुना गया । राज किशोर सिंह,राजेश कुमार, शैलेंद्र कुमार ,वीरेंद्र चौहान ,संतोष कुमार, स्वामी नाथ प्रसाद को सह सचिव सुना गया। वीरेंद्र कुमार को कार्यालय सचिव और संजय पांडे को कोषाध्यक्ष चुना गया । कार्यकारणी सदस्य के लिए शंकर स्नेही सिंह, अनुज कुमार, मिथलेश कुमार विश्वकर्मा, डी के सिंह, राम रतन प्रसाद, बाल्मीकि सिंह, सतीश प्रसाद ,राजकुमार प्रसाद, बैजनाथ राम ,संजीव कुमार बरनवाल, राजेश कुमार को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। नवनिर्वाचित सदस्यों को संबोधित करते हुए चेंबर के मुख्य संरक्षक श्री रविंद्र कुमार ने कहा कि सभी सदस्यों को समाज के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर रहना चाहिए । रविंद्र कुमार ने कहा कि व्यपारी कड़ी मेहनत कर देश के विकास में अपना योगदान देते हैं सरकार एवं समाज में इनको समुचित सम्मान मिलना चाहिए।

बीएसएल में गुप्त मतदान से यूनियन का चुनाव और 39 महीने का बकाया एरियर दिलवाने में धनबाद सांसद करेंगे पहल

बोकारो : भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ का प्रतिनिधिमंडल प्रेम सिंह महामंत्री के नेतृत्व में दुलु महतो, धनबाद के नव निर्वाचित सांसद से मिलकर बीएसएल के कर्मचारियो और ठेका मजदूरो से संबन्धित अनसुलझे मुद्दो पर हस्ताक्षेप करने का निवेदन किया। उन्होने दुलु महतो को ज्ञापन भी सौपा और अनुरोध किया कि अपने स्तर से या फिर इस्पात मंत्री के स्तर से इन मुद्दो को सुलझाया जाये। प्रेम कुमार ने बीएसएल में गुप्त मतदान से यूनियन का चुनाव करवाने, कर्मचारियो का 39 महीने का बकाया एरियर दिलवाने, बीएसएल में कर्मचारियो के लिए इंटरनल सर्क्युलर के माध्यम से योग्यतानुसार प्रमोशन देने, बीजीएच में मल्टी स्पेशलिस्ट अस्पताल की तरह कर्मचारियो को सुविधा देने, ठेका मजदूरो का मेडिकल जांच के नाम पर छटनी रोकने और मिनिमम वेजेस दिलवाने जैसे मुद्दो को प्रमुखता से रखा। सांसद महोदय ने कहा कि धनबाद का सांसद होने के नाते ये उनका दायित्व है कि वह बीएसएल के कर्मचारियो और ठेका मजदूरो के समस्यों का समाधान करें और इसके लिए जिनसे भी बात करना होगा और जो भी करना होगा वह अवश्य करेंगे। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में सुरेन्द्र महतो, मुकेश कुमार, सत्यनारायन ठाकुर, सुशील कुमार सिंह, अशोक शर्मा, कमलेश कुमार, अमित सिन्हा, अरुण कुमार और अमित गिरि उपस्थित रहे।

बिजली विभाग की खुली पोल, हादसा होते-होते बचा

बोकारो : चास के राम रूद्र प्लस टू हाई स्कूल में गेट के सामने तेज हवा चलने के कारण बिजली का खंभा पके हुए आम की तरह वहां खड़ी बाइक के ऊपर गिर गया । गनीमत है की मोटरसाइकिल के ऊपर गिरा। यदि किसी मानव धन पर गिर जाता तो उसका भी मोटरसाइकिल जैसा हाल हो जाता। यह विद्युत विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों का एक नमूना है जिस तरह से बिजली विभाग द्वारा अपने काम पर लापरवाही बढ़ती जा रही है इस तरह की घटना कें चुक से किसी भी तरह का अप्रिय घटना घट सकती थी भीड़ भाड़ इलाके में अगर बिजली का खंबा गिरता तो न जाने कितने लोगों की करंट से जान जाने की भी आशंका थी । बिजली लगाने के नाम पर बिजली विभाग चास में घंटा इस भीषण गर्मी में लाइन काट देती है उसके बावजूद भी सही तरीके से काम को अंजाम नहीं दिया जाता है यह जो घटना घटी है यह बिजली विभाग की काम का पोल खोलते दिख रहा है।

पेड़ की डाली माथे पर गिरने से महिला घायल, हालत गंभीर

बोकारो : महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी महुआ पेड़ की डाली टूट कर वहां मौजूद एक महिला के माथे पर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गयी। स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे बोकारो रेफर कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक बोकारो जिला के हद में गोमियां प्रखंड के अति सुदूरवर्ती क्षेत्र लोधी पंचायत के वनचतरा गांव के भट्ठा टोला में 47 वर्षीय ललकी देवी पति खिचरिया गंझू 16 जून की शाम को महुआ पेड़ के नीचे बैठी थी। तभी अचानक बिजली का खंभा तार सहित महुआ पेड़ पर गिरने से उसकी डाली टूट कर ललकी देवी के माथे पर गिर गया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। पड़ोसियों ने आनन फानन में उसे गोमियां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए बोकारो सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इस संबंध में गोमियां अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि माथे पर स्टीच के बाद घायल महिला की स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे रेफर किया गया है।

चास-बोकारो के ईदगहों सुबह में नमाज अदा, सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया ईद उल अजहा

बिभा संवाददाता

चास : बोकारो में सोमवार को ईद-उल-अजहा पर्व परंपरागत तरीके से मनाया गया. त्याग और समर्पण के प्रतीक स्वरूप कुर्बानियां दी गई. बकरीद के नमाज पढ़कर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने अमन शांति एवं खुशहाली की दुआएं मांगी. चास, सेक्टर9, अंसारी मोहल्ला, उकरीद, सेक्टर चार बीआरएल के सामने, भर्रा, मखदुमपुर सहित अन्य ईदगाहों में बकरीद की नमाज अकीदत के साथ अदा की गई. नमाज के बाद अमन शांति के लिए अल्लाह ताला से दुआएं मांगी और एक दूसरे को गले लगाकर बधाई दिया.पर्व को लेकर सुबह से ही लोगों में उत्साह देखा गया. नए कपड़े पहनकर लोग विभिन्न ईदगाह और मस्जिदों में जमा होने लगे थे. इस अवसर पर मश्कूर आलम सिद्दीकी ने कहा कि ईद उल अजहा बलिदान और संयम का दिन है. इस्लामी कैलेंडर के अंतिम माह जिलहिज्जा की दसवीं दसवीं तारीख को यह पर्व मनाया जाता है. उन्होंने कहा कि कुबार्नी आत्मा को शुद्ध करने का एक उत्तम साधन है. मशकूर ने कहा कि कुबार्नी में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि दिखावे के लिए न हो. उन्होंने कहा कि हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम ने अल्लाह के हुक्म पर अपने बेटे हजरत इस्माइल अलेही सलाम को कुबार्नी देने के लिए तैयार हो गए थे.अल्लाह को यह अदा काफी पसंद आई. इसके बाद सभी लोगों ने त्याग एवं समर्पण के प्रतीक स्वरूप के अनुसार बकरे की कुबार्नी दी गई.उसके बाद देर शाम तक कुर्बानियों का सिलसिला चलता रहा। सभी धर्मों के लोगों ने इस्लाम धर्मावलंबियों से गले मिलकर बधाई दी.घर-घर पकवान बने.एक दूसरे के घर जाकर लोगों ने पकवान भी बांटे. मौके पर लोगों ने कहा कि ईद उल अजहा एकता का संदेश देता है एकता से बड़ी कोई दौलत नहीं है। इस दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए थे.क्षेत्र के सभी ईदगाहों में बकरीद को लेकर जिला प्रशासन द्वारा नमाज के दौरान दंडाधिकारी तथा पुलिस के जवान तैनात किए गए थे.

बीएसएल के ज्ञान ज्योति योजना के तहत बिरहोर जनजाति के बारह बच्चों के नए बैच का आगमन

बिभा संवाददाता

बोकारो : सेल-बीएसएल के निगमित सामाजिक दायित्व के ज्ञान ज्योति योजना के अंतर्गत बिरहोर जनजाति के बारह (12) बच्चों के नए बैच का आगमन हुआ. बीएसएल द्वारा गोद लिए गए सभी बारह (12) नए बिरहोर बच्चों को गोमिया प्रखंड के कल्याण पदाधिकारी द्वारा बीएसएल संचालित बिरहोर बाल निवास, प्रशिक्षु छात्रावास के प्रतिनिधि को सौंपा गया. इस दौरान बोकारो जिला प्रशासन के प्रतिनिधि के अलावा बीएसएल के श्री सीआरके सुधांशु महाप्रबंधक (एल एंड ए), श्री अशोक कुमार उप प्रबंधक (सीएसआर), श्री बहादुर सिंह छात्रावास वार्डेन (सीएसआर), श्री गौरव रंजन (सीएसआर) और अन्य अधिकारी मौजूद थे.
ज्ञान ज्योति योजना के तहत बोकारो स्टील प्लांट सभी गोद लिए बच्चों को गुणवत्तायुक्त प्राथमिक से आईटीआई तक की शिक्षा, ड्रेस सामग्री, छात्रावास में रहने की व्यवस्था, भोजन और अन्य सभी दैनिक कार्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ अन्य सुविधाएं निःशुल्क प्रदान करती है. इस वर्ष गोद लिए गए बिरहोर बच्चों को डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल में कक्षा 01 में प्रवेश मिलने की संभावना है. बिरहोर बच्चों का नया बैच वर्ष 2036 में बारहवीं कक्षा/आईटीआई तक की पढ़ाई पूरी करेगा. उल्लेखनीय है कि बिरहोर समुदाय के बच्चों के प्रथम बैच को वर्ष 2001 में सेल-बीएसएल द्वारा निगमित सामाजिक दायित्व के ज्ञान ज्योति योजना के अंतर्गत अपनाया गया था जो कि 2012-13 में पास आउट हुए. उसी क्रम में वर्ष 2011 में 15 बिरहोर बच्चों के दूसरे बैच को गोद लिया गया था जिसे अगस्त 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा.

पीड़ित परिवार से मिले विधायक

बिभा संवाददाता

बोकारो : चंदनकियारी विधायक सह प्रतिपक्ष नेता अमर कुमार बाउरी सोमवार को चास प्रभुके पंचायत बेलुंजा के उसरडीह गाँव के सड़क दुर्घटना में मृतक नारायण राय के परिवार से मिलकर हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया. उनहोंने आर्थिक मदद भी किया. सरकारी लाभ दिलाने का भरोसा दिया. ज्ञात हो कि दस दिन पूर्व नारायण राय अज्ञात वाहन के चपेट में आने से चास तलगडिया मुख्य पथ पत्थर खादान के समीप सड़क दुर्घटना से मौत हो गया था.मौके पर बबलु चौबे, लखन खावास, मोहन तिवारी, बबलु पाठक, मिथीलेश तिवारी, श्याम पैतंडी, अजय तिवारी,नरेश सिंह, रजनीकांत महतो, सत्यवान उपाध्याय, राजकिशोर मेहता, लालू पाठक, संतोष हजरा, बी अंसारी, प्रभास चोबे, अभिषेक, जितेन,शुभम आदि कार्यकताओं व ग्रामीण उपस्थित थे.

आदिवासी समाज ने अपने समाज की सुरक्षा को लेकर माझी बदलो-गांव बचाओ जागरण सभा किया

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो के चंदनकियारी प्रखंड के सियालजोड़ी पंचायत के टोला कुम्हाजोड़ी(कुसुम तोल) में आदिवासी सेंगेल अभियान के द्वारा माझी बदलो-गांव बचाओ जागरण सभा किया गया। सभा को चंदनकियारी प्रखंड सेंगेल अध्यक्ष राजेश मुर्मू की अध्यक्षता और संचालन चंदनकियारी प्रखंड सेंगेल परगना भुटेल टुडु ने किया। मुख्य अतिथि सेंगेल झारखंड प्रदेश संयोजक जयराम सोरेन ने मांझी बदलो-गांव बचाओ जनजागरण कार्यक्रम सभा को संबोधित करते हुए बताया कि आज आदिवासी समाज मौत के मुहाने पर खड़ा है। उन्होनें आगे कहा कि आदिवासी समाज का बचना और बचाना यह तभी बचेगा जब सभी आदिवासी गांव के लोग हासा , भासा, जाति, धर्म, रोजगार आदि बचाने की चर्चा करेंगे। बचाने के लिए गांव के सभी लोग ईर्ष्या द्वेष छोड़कर एकजुट होंगे, आवाज उठाएंगे।
एकजुटता के लिए समाज सुधार अनिवार्य है। रूढ़ि प्रथा परंपरा आदि के नाम पर गलत को सच और सच को गलत बनाना बंद करना होगा। ताकि नशापान, अंधविश्वास, डायन प्रथा, वोट की खरीद बिक्री, डंडोम, बरोंन, डॉन पनते आदि बंद हो सके। आदिवासी स्वशासन व्यवस्था अर्थात माझी परगना, मानकी मुंडा आदि व्यवस्था में जनतांत्रिक और संवैधानिक सुधार भी जरूरी है।
मौके पर सिमोलटांड़ विलज सेंगेल टावर सोनी मुर्मू, सचिन सोरेन, जितेन मार्डी, पुरन हेम्ब्रोम,उर्मिला मुर्मू, काजोल सोरेन, सोनीली बेसरा, मुस्कान बेसरा, करमी मुर्मू, सुनीता मुर्मू, पोद्दा किस्कू, प्रोथोम किस्कू, बैसाखी हंसदा, पुर्णिमा मुर्मू, मालती सोरेन, लक्ष्मी मुर्मू, पानमुनी मार्डी, बबिता मुर्मू, सालती टुडु,चुड़ा मुनी मुर्मू, लोगोनी हंसदा, दुखनी मुर्मू, पतामुनी सोरेन, बिलोनी बेसरा, शिवलाल किस्कू सहित कई लोग उपस्थित थे।

निजी अस्पतालों के विकास के लिए बीजीएच को किया जा रहा बर्बाद : साधु शरण गोप

बिभा संवाददाता

बोकारो : जनता मजदूर सभा के बैनर तले मजदूरों के साथ आम नागरिकों ने सोमवार को बोकारो जनरल अस्पताल में क्वालिटी चिकित्सा और व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर अस्पताल के गेट पर मौन प्रदर्शन किया । संबोधित करते हुए यूनियन अध्यक्ष साधु शरण गोप ने कहा कि निजी अस्पतालों में अपने को रिटायर के बाद नियोजित करने के वास्ते निजी अस्पतालों को विकसित करने के लिए बीजीएच को रणनीति के तहत बर्बाद किया जा रहा है । ताकि मरीज निजी अस्पतालों की ओर रुख करे। विडंबना है कि इसके दोषी कोई और नहीं, बल्कि वे हैं जिनकी शहर के बीच विशिष्ट पहचान इसी प्लांट और अस्पताल से मिली है।
उन्होंने कहा कि बीजीएच में विशेषज्ञ डॉक्टर की घोर कमी है। मरीजों का इलाज प्रशिक्षु डॉक्टर (डीएनबी) करते हैं। सीनियर सिर्फ खाना पूर्ति करते हैं । रविवार को डॉक्टर नही रहते,चिकित्सीय मशीन तो नई खरीदी जाती है लेकिन उसे उचित तरीके से उपयोग के विशेषज्ञ का बहाली नहीं हो रहा है। आउट सोर्सिंग से डॉक्टर,टेक्नीशियन,नर्स, सफाई कर्मी बहाल हैं। दवाई की गुणवत्ता अव्वल नहीं है। अच्छी खासी खर्चा के बाद भी शौचालय गंदे - टूटे पड़े हैं। उक्त कुव्यवस्था से तंग होकर मरीज निजी अस्पतालों की ओर रुख कर रहे हैं। यदि इसे गंभीरता से नहीं लिया गया तो, बीएसएल विद्यालयों के खंडहर में तब्दील भवन जैसा अस्पताल का खंडहर भवन भी शहर का शोभा मुजियम जैसा बढ़ाएंगे।
उन्होंने कहा कि बीजीएच के गौरवमयी इतिहास से आमलोगों का विश्वास बीजी एच अस्पताल पर है। प्रबंधन बोकारो को स्वस्थ रखने के लिए बीजीएच के गुणवत्ता पर कोई समझोता नहीं करे। अच्छे डॉक्टर, तकनीशियन, संसाधन , स्टाफ उपलब्ध कराए। जब तक यह व्यवस्था बहाल नहीं होगा,यूनियन प्रत्येक महीना खिलाफ में प्रदर्शन करेगा। मौके महासचिव संदीप कुमार आश, सहदेव साव, बैद्यनाथ बेसरा, उमाशंकर गोप,अनिरुद्ध कुमार, राजू यादव, ललन यादव, प्रदीप सिंह, जेठू राम गोप, गंगा धर गोप, एस के यादव, सुरेश महतो, आर के यादव, सुभाष दास, गोरा चांद गोप, लखन लाल, डी के सिंह, मुकेश कुमार,गोविंद साह, शिव शंकर लाल गुप्ता, अमर साह,देवाशीष, सुभाष हालदार के अलावे अन्य कर्मचारी थे।

भर्रा पुल के पास अवैध बिजली पोल गिरने से दो मवेशी मरे, मुआवजे को लेकर दो पक्षों के बीच पथराव, कई घायल

बिभा संवाददाता

बोकारो : सोमवार को देर शाम बोकारो चीराचास ओपी के भर्रा पुल के समीप दो मवेशी की मौत को लेकर दो गुटों में भारी हंगामा हो गया . जिसमे जमकर लाठियां और धारदार हथियार चलाये गए.इस घटना में एक दर्जन से अधिक लोग घायल बताए जा रहे है.घटना की जानकारी जैसे ही पास के थाना को मिली मामला शांत कराने घटना स्थल पहुंचे . इस घटना में
पुलिसकर्मी समेत दर्जनों लोगों को चोटें आई है जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि शाम को चार बजे दो मवेशी भर्रा पुल के समीप चर रहे थे। इसी बीच तेज आंधी तुफान और बारिश होने लगी तो भर्रा जा रही अवैध बिजली की पोल जिसपर बिजली दौड़ रही थी वो मवेशियों पर गिर गई। मवेशी का मालिक नजदीक में ही था। उसने लोगों को बुलाया और दूसरे पक्ष से मुआवजा की मांग की। इस पर बात बढ़ गई और दोनों ओर से पथराव होने लगी। घटना की सूचना मिलने पर एसपी पूज्य प्रकाश, सिटी डीएसपी, सेक्टर वन व चीरा चास थाना घटना स्थल पर पहुँचकर स्थिति को कंट्रोल में किया। पुलिस दोनो पक्षों को बैठाकर मामले को सलटना का प्रयास कर रही है। फिलहाल घटनास्थल पर बोकारो सिटी एसपी मौजूद समेत भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बोकारो में तीन दिनों का प्रवास

बिभा संवाददाता

बोकारो : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत सोमवार से तीन दिनों के प्रवास में बोकारो रहेंगे। सोमवार देर शाम वो सेक्टर 03सी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित आरएसएस के स्वयंसेवकों के विकास वर्ग में शामिल होने पहूँचे। मंगलवार को इस वर्ग में भागवत प्रबोधन देंगे. जानकारी के अनुसार, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत तीन दिनों तक बोकारो प्रवास पर रहेंगे. उत्तर पूर्व क्षेत्र के स्वयंसेवकों के लिए 20 दिनों का सेक्टर 03 स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में विकास वर्ग का आयोजन किया गया है. इसी में झारखंड के स्वयंसेवकों के लिए संघ शिक्षा वर्ग 11 जून से शुरू हुआ है. दोनों प्रशिक्षण वर्गों का एक साथ समापन 26 जून की शाम को होगा. 26 जून को होने वाले कार्यकर्ता विकास वर्ग के समापन सत्र में बतौर मुख्य वक्ता आरएसएस के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार होंगे. 27 जून की सुबह दीक्षा समारोह के बाद सभी स्वयंसेवक घर लौटेंगे. यह वर्ग प्रतिवर्ष मई माह में लगता था, लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव को लेकर जून में किया गया है. इससे पहले बोकारो में इस तरह का आयोजन 2012-13 में किया गया था. स्वयंसेवकों के कार्य में गुणात्मक विकास करने के लिए प्रतिवर्ष लगने वाले इन प्रशिक्षण वर्ग में उन स्वयंसेवक ने भाग लिया, जिन्हें पिछले दो वर्ष से संघ का कोई दायित्व मिला है.
संघ शिक्षा वर्ग के प्रशिक्षण में झारखंड के लगभग 350 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं. वहीं, कार्यकर्ता विकास वर्ग-एक में झारखंड, उत्तर व दक्षिण बिहार प्रांत से 150 के लगभग स्वयंसेवक शामिल हुए हैं।
आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बोकारो प्रवास को लेकर सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गयी है. पिछले दिनों बोकारो पुलिस के कप्तान पूज्य प्रकाश समेत आला पुलिस अधिकारी ने आयोजन स्थल का जायजा लिया था.कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा की पुख्ता इंतजामात की गई है।

संक्षिप्त खबरें

चैनपुर अनुमंडल क्षेत्र में धुमधाम के साथ मनाया गया कुबार्नी का पर्व बकरीद

चैनपुरः चैनपुर अनुमंडल क्षेत्र में धुमधाम के त्याग और बलिदान का महापर्व बकरीद चैनपुर अनुमंडल क्षेत्र में भारी उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर चैनपुर , बरवेनगर, जमगाई, लंगड़ा मोड़ आदि स्थानों पर स्थित ईदगाहों को विशेष रूप से रंगाई-पोताई कर सजाया गया था जहां काफी संख्या में जुटे मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सोमवार की सुबह के सात बजे पवित्र बकरीद की नमाज अदा कर एक-दूसरे को गले मिलकर आपसी सौहार्द एवं भाईचारा से रहने का संदेश दिया। इसके बाद त्याग और बलिदान के प्रतीक अपने पसंदीदा पशुओं की कुबार्नी दी गई। इस दौरान थाना क्षेत्र के सभी ईदगाहों पर पुलिस चौकसी बढ़ा दी गई थी। थानाध्यक्ष अजय यादव, सहित नियुक्त किए गए मजिस्ट्रेट ईदगाहो के पास तैनात थे। इस मौके पर थानाध्यक्ष अजय यादव ने अपनी पूरी पुलिस टीम की ओर से बकरीद का पर्व शांति पूर्वक मनाए जाने पर क्षेत्र के लोगों को बधाई दिया। वहीं मो. जावेद खान ने बताया कि बकरीद का तात्पर्य सिर्फ कुबार्नी देना ही नहीं बल्कि अल्लाह ताला एवं खुदा के समक्ष अपनी अजीज इच्छाओं एवं भावनाओं को समर्पण करने का पर्व है।

तेज बारिश के कारण चैनपुर डुमरी मुख्य मार्ग का डायवर्सन हुआ खराब आवागमन में हो रही परेशानी

चैनपुर : चैनपुर-डुमरी मुख्य मार्ग का काम तेजी से चल रहा है लेकिन बीच बीच में बनाए गए डायवर्सन मजबूत नहीं होने के कारण बारिश आते ही पूरी तरह कीचड़मय हो जाता है जिससे डुमरी की ओर जाने वाले वाहनों एवं राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है आवागमन बाधित हो जाने से डुमरी की ओर जाने वाले वाहनों को जारी भिखमपुर होते हुए डुमरी तक लंबा सफर तय करना पड़ता है जिससे समय के साथ साथ लंबी दूरी भी तय करनी पड़ती है सड़क निर्माण में जितना भी डायवर्सन बनाया गया है सभी में लाल मिट्टी भरी हुई है जो बारिश होने पर गीली हो जाती है जिससे गाडियां स्लीप करने लगती है मोटरसाइकिल तक पार करना लोगों को दुलभ हो जाता है लोगों ने इस विषय पर सड़क निर्माण करा रही कंपनी के लोगों से कई बार मजबूत और टिकाऊ डायवर्सन बनाने की मांग करते आए हैं लेकिन नतीजा जस के तस है अगर यही स्थिति रही तो बरसात में चैनपुर से डुमरी का संपर्क पूरी तरह कट जाएगा क्योंकि जारी भिखमपुर रोड का भी निर्माण कार्य चल रहा है जिसमें लगभग 7 से 8 डायवर्सन बनाए गए हैं जिसकी हालत भी अच्छी नहीं है।

आंधी तूफान के साथ झमाझम बारिश से लोगों में राहत, प्रखंड प्रशासन की खुली पोल

बिभा संवाददाता

चैनपुरः चैनपुर अनुमंडल क्षेत्र में बढ़ती गर्मी व तपिश से लोगों को सोमवार को राहत मिली। पिछले दो दिनों से लोग उमस भरी गर्मी से बेहाल लग रहे थे। सुबह से लेकर दोपहर तक लोग भीषण गर्मी का अनुभव कर रहे थे। बारिश के बाद लोगों को राहत मिली। सोमवार को दोपहर से आसमान हल्के बादलों ने डेरा डाल लिया, साथ ही दिन भर रुक रुककर धूप देखने को मिल रहा था लेकिन, उमस भरी गर्मी आमजन के पसीने छुड़ाती रही। सोमवार शाम होते ही तेज हवा के साथ झमाझम बारिश होना शुरू हो गई, जिसके बाद उमस भरी गर्मी से बेहाल हो रहे लोगों को राहत मिल गई। मौसम सुहाना हो गया और लोग घरों के बाहर गली-मोहल्लों की सड़कों पर व घरों की बालकोनी पर मौसम का आनंद लेते दिखाई देने लगे। वहीं देर शाम तक आसमान पर बादल छाए रहे, इस वजह से रात को फिर एक बार बारिश होने की उम्मीद जताई जा रही है। तापमान में हो रहा उतार-चढ़ाव से सोमवार को चैनपुर प्रखंड का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रहा। बारिश से मौसम हुआ सुहावना, गर्मी से मिली राहत वहीं तापमान में भी कमी आई। आरईओ ऑफिस में पेड़ का डाली टूटा।

बारिश में ही खुली पोल, नाली के गंदे पानी को पार करना पड़ रह है नागरिकों को

स्वच्छता अभियान को ढोल पीटने वाले प्रखंड प्रशासन के पास इस वर्ष की बारिश को लेकर कोई प्लानिंग दिखाई नहीं दे रही है। प्रत्येक वर्ष बारिश के पहले प्रखंड प्रशासन के द्वारा बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, किंतु जमीनी हकीकत काफी बदतर होती है। मानसून की दस्तक के साथ सोमवार की दोपहर करीब डेढ़ घंटे की बारिश ने प्रखंड प्रशासन की पोल खोलकर रख दी। मुख्यालय के बस स्टैंड, चर्च रोड, ब्लॉक चौक, बैंक रोड़, कुरूमगढ़ रोड़ तथा पिपल चौक, प्रेमनगर सहित नाली के वर्षों से जाम थी और यह स्थिति आज भी बरकरार है। कुछ देर जमकर पानी गिरने के बाद ही जाम नाली से गंदा पानी भी ओवर लो हो गया और स्टेट हाइवे गंदे पानी से लबालब भर गया। वहीं राहगीरों को घुटने तक भरे इस गंदे पानी को पारकर आवाजाही करना पड़ रहा है। इधर चैनपुर प्रखंड प्रशासन ने बरसात को लेकर कोई प्लानिंग अभी तक नहीं की है और ना ही आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए कोई संसाधन है।
ग्रामीणों का कहना है की प्लान पल्स में योजना चढ़ने के बावजूद भी कोई कार्य देखने को नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों को दुर्गंध से रहना मुस्कील हो गया है। साथ ही आने जानें में नली की गंदे पानी को पैरो में लेक घर जना तथा बीमारी को आमंत्रण करना हो रहा है।

जिले भर में मना कुबार्नी का पर्व बकरीद, ईद-उल-अजहा

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले भर में सोमवार को मुस्लिमों के द्वारा कुबार्नी का पर्व बकरीद श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। इस उपलक्ष्य में जिले के विभिन्न मस्जिदों में सुबह से ही जाकर ईद-उल-अजहा का नमाज पढ़ाई गया। मौके पर, बकरे की कुबार्नी दी गयी। जिसे कई दिनों से खिला पिला कर रखा गया था। और फिर सोमवार को पर्व के नाम उसको हलाल किया गया। फिर उसके मांस को आपस में बाँट कर सब्जी बनाकर खाया। इस पर्व के मौके पर खूँटी के अलावे कर्रा, लोधमा, बिरदा, गोविंदपुर, तपकरा, रनिया, सोदे, मुरहू, सिंदरी, आदि अनेक क्षेत्रों में मनाया गया।
इधर, रनिया व सोदे ईदगाह में ईद-उल-अजहा का नमाज अदा की गई। सुबह समय 7: 20 में इमाम मौलाना सफीक साहब सदर मोहम्मद जिब्राइल मियां सेक्रेटरी नौशाद अंसारी नईम खान माजिद मियां इमरोज अंसारी मोजिन जमाल मियां इत्यादि सभी मुस्लिम वर्ग के लोग ईद उल अजहा की नमाज अदा की और सभी ने अपने-अपने घरों में कुबार्नी दी और देश में अमन चैन शांति की कामना की। मुस्लिम भाइयों ने एक दूसरे को गले लगा कर बकरीद की मुबारकबाद दी।

भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूल की छुट्टी में सरकार दे विस्तार : कैलाश यादव

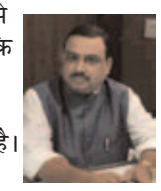

रांची। अभिभावक संघ के अध्यक्ष कैलाश यादव ने सरकार और प्रशासन से मांग किया है कि राज्य में भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार जारी है। इसके मद्देनजर विगत दिनों से स्कूलों की छुट्टी भी चल रही है। लेकिन अभी तक मौसम में कोई खास बदलाव नहीं आया है। इसलिए मानसून आने एवं न्यूनतम पारा होने तक स्कूली छुट्टी का सीमा को विस्तार देने का आग्रह किया है। इससे बच्चों का स्वास्थ ठीक रहेगा और अभिभावकों को परेशानी का सामना भी नहीं करना पड़ेगा। इस संबंध में सोमवार को यादव ने मुख्यमंत्री,विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव और रांची के उपयुक्त को पत्र लिखा है।

खूँटी विधायक ने किया ग्रामप्रधानों व पाहनों का सम्मान समारोह

पाहनों का सम्मान होना आवश्यक, पुरानी पूजा पद्धति हमारी पहचान है : नीलकंठ

बिभा संवाददाता

खूँटी । शहर के बीच नगर भवन में सोमवार को भाजपा विधायक नीलकंठ सिंह मुण्डा की अगुवाई में कार्यक्रम आयोजन समिति द्वारा ग्रामप्रधानों व पाहनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। खूँटी नगर पंचायत के नगर भवन में आयोजित कार्यक्रम का संचालन भाजपा के जिला महामंत्री विनोद नाग ने किया। मौके पर खूँटी, कर्रा व मुरहू प्रखंड अंतर्गत विभिन्न गाँवों से पहुँचे ग्रामप्रधानों व पाहनों को पगड़ी पहनाकर उनका अभिनन्दन किया गया। जिसमें लगभग 500 के लगभग लोग उपस्थित थे। मौके पर, खूँटी विधायक नीलकंठ सिंह मुण्डा ने कहा कि समाज को दिशा देने समाज के विकास के लिए अगुवाई करने में पाहनों, पानी भरा, ग्राम प्रधान का अभूतपूर्व योगदान रहता है। जो गाँवों में होनेवाले सभी धर्म व सामाजिक कार्यों की अगुवाई करते हैं। जिन्हें बदले में कुछ हासिल तो नहीं होता है। लेकिन समाज में इन सभी का बड़ा योगदान होता है। सरहूल के दौरान सभी का सम्मान नहीं हो पाता है। जिन सम्मानित जनों का सम्मान होना चाहिए इसलिए यह कार्यक्रम रखा गया है। उन्होंने कहा कि मैं सभी धर्म का सम्मान करता हूँ। चाहे किसी भी धर्म का हो उसे स्वतंत्रता पूर्वक करने का अधिकार है। मौके पर उन्होंने सरना धर्म कोड की बात उठाने में अपनी भूमिका की विधानसभा में उठाए गए आवाज वी चलचित्र को दिखलाया। जिसमें उन्होंने सरना धर्म कोड की बात को स्वागत किया था वही अपने भाषण में सरना कोड चाहने वालों को हाथ खड़ा करने को कहा। जिसमें कई लोगों ने हाथ खड़ा किया और अनेक लोगों ने हाथ खड़ा नहीं किया। नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि अनेक मंदिरों के पुजारी पाहन हैं। जिनके द्वारा धर्मस्थल पर पूजा कराकर अगुवाई करते हैं। जिसमें दिवड़ी मंदिर, सोनमेर मंदिर, सहित अनेक ऐसे मंदिर हैं जहाँ पाहन ही पुजारी हैं। इसलिए पूजा प्रथम और संस्कृति हमारी पुरानी परंपरा रही है। हम सभी अपने आस्था और विश्वास के साथ पूर्वजों के द्वारा बताये गये मार्ग पर चलना है। इस दौरान, तेम्बा उराँव, छुनकू उराँव, बिरसा धान आदि लोगों ने सम्बोधित किया। जिसमें नीलकंठ सिंह मुंडा के कार्य का मंच से सराहना करते हुए इस बार भी जीत दिलाने की बात कही। इस कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष सुरेश जायसवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष कैलाश राम, जनार्दन मिश्रा, काँसीनाथ महतो, राजेश नाग, संदीप आनन्द, मुसाफिर विश्वकर्मा आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

झमाझम बारिश से हुआ तापमान में गिरावट

तेज हवा के झोंके से डालियाँ टूटी व एस्बेस्टस उड़े

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में सोमवार को दिन भर बेतहाशा गर्मी के पश्चात शाम को झमाझम बारिश हुई। इसके पूर्व हवा का जोरदार झोंका आया। साथ ही, बिजली चमकने लगी व बादल गरजने लगा। वहीं हवा के झोंके से कई जगह एस्बेस्टस उड़ गये पेड़ों की डालियाँ भी टूट गयी। जिसमें एसजीवीएस अस्पताल का चदरा उड़ गया। और वाहनों के शीशे भी टूट गये। इस तेज हवा के साथ झमाझम बारिश से जमीन तर-बतर हो गया। पहले तो गर्म धरती पर पानी पड़ते ही भाँप उठा तो फिर लगातार घंटे भर मूसलाधार लम्बी बारिश होने से सड़कों पर पानी की धार बहा जिससे तपती धरती ठंढा हो गया। वहीं झमाझम मूसलाधार बारिश के बाद से खूँटी का तापमान में गिरावट आ गया गया।

अवैध डोडा के साथ खूँटी पुलिस ने किया तीन गिरफ्तार

खूँटी । अवैध डोडा व अफीम के विरुद्ध खूँटी पुलिस द्वारा चलाये गये अभियान में रविवार को पुलिस ने तीन लोगों को डोडा के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डोडा का कारोबार को लिए ले जा रहे तीन लोगों को चुकरु मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया है और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया ।

कर्रा थाना में ग्राम प्रधान के उपर अंचलाधिकारी वंदना भारती ने कराया केस दर्ज

बिभा संवाददाता

खूँटी । कर्रा अंचल की अंचलाधिकारी वंदना भारती ने कर्रा थाना में कनसीली गाँव के ग्राम प्रधान सह झामुमो नेता महादेव मुण्डा के विरुद्ध गलत वंशावली बनाने, वार्ड सदस्य का फर्जी हस्ताक्षर एवं मोहर लगाने, वंशावली सत्यापन हेतु अनावश्यक दबाव बनाने, सरकारी कार्यों में बाधा उत्पन्न करने, सरकारी कर्मी को डराने एवं धमकाने पर प्राथमिकी दर्ज प्राथमिकी दर्ज करायी है। जिसपर अंचलाधिकारी ने थाने को दिये गये आवेदन में बताया कि कनसीली गाँव का ग्राम प्रधान महादेव मुण्डा द्वारा कनसीली के खाता सं0 65 का ग्राम सभा द्वारा वंशावली का सत्यापन हेतु आवेदन प्राप्त है। इस संबंध में सुकेश रंजन राजस्व उपनिरीक्षक द्वारा बतलाया गया कि उक्त भूमि भूईहरी के अन्तर्गत है, जो की सरकार में निहित नहीं है साथ ही दिनांक-26.0524 को मौजा कनसिली में जाकर शाम 2.30 लगभग स्थानीय जाँच के क्रम में ग्राम पंचायत लोधमा की मुखिया एवं वार्ड सदस्य द्वारा महादेव मुण्डा के मौजा कनसीली का समर्पित वंशावली को गलत बताया गया। महादेव मुण्डा द्वारा वंशावली सत्यापित कराने के लिए राजस्व उपनिरीक्षक सुकेश रंजन पर अनावश्यक दबाव डालते हुए गाली-गलौज किया गया। साथ ही इस संबंध में वार्ड सदस्य द्वारा लिखित आवेदन दिया गया है कि गलत तरीके से शपथ-पत्र पर स्टांप लगाकर फर्जी हस्ताक्षर किया गया है। जिससे मेरा राजस्व उपनिरीक्षक सुकेश रंजन काफी डरा हुआ है, जिससे हमें सरकारी काम करने में कठिनाई उत्पन्न हो रही है। उक्त आवेदन पत्र में बताया गया कि महादेव मुण्डा द्वारा दिनांक 08.06.2024 को ग्राम प्रधान एवं पडहा राजाओं के साथ बैठक कर गलत बयानबाजी कर एवं अखबार में प्रकाशित कर अंचल कार्यालय को बदनाम करने की कोशिश की गई (छायाप्रति संलग्न) जिसमें अंचल कार्यालय की छवि धुमिल हुई। सरकारी कार्यों के प्रति महादेव मुण्डा द्वारा लोगों को भड़काने का भी प्रयास किया जाता है।

अच्छे सड़कों को खोदे जाने से विगत 4 वर्षों से जर्जर सड़क से परेशान नगरवासी

बिभा संवाददाता

खूँटी । विकास योजना के नाम पर विगत 4 वर्षों से खूंटी शहर के विभिन्न मुहल्ले के सड़क की जर्जर स्थिति समस्या का कारक गया है। जिला केंद्र के मुख्य शहर होने के बावजूद विगत 4 वर्षों से शहर वासी जर्जर सड़क पर चलने को मजबूर हो गए हैं। और और यह स्वयं जर्जर नहीं हुआ बल्कि विकास के नाम पर बना बनाया अच्छे सड़क को खोदकर इसे जर्जर बना दिया गया है। जिसका खामियाजा प्रत्येक दिन रात को पैदल चलने वाले पथिकों भुगतना पड़ता है। चाहे वह मेलाटाँड़ रोड हो चाहे सिनेमा हॉल से नामकुम जाने वाली सड़क या मोतीलाल गली तोरपा रोड छत्रुकोचा सभी मुहल्लों के सड़कों का हाल बेहाल है। जिनके पास वाहन नहीं है, उन्हें अंधेरी रातों में पैदल चलने से चोटिल हो जाना पड़ता है। जो दीनदयाल उपाध्याय शहरी जलापूर्ति योजना के कार्य को संवेदक द्वारा ससमय पूरा नहीं किया जाने से शहर के अनेक गली मुहल्लों की सड़क खराब कर दिया गया है। संविदा के नियम के आधार पर बहुत पहले ही सारा काम करके सुपुर्द कर दिया जाना चाहिए था। लेकिन काम पूरा नहीं होने से शहर वासी को अबतक योजना का न तो लाभ ही मिला और फिर अच्छे सड़क के खोदे जाने से अब तो चलने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सुनंदा पेट्रोल पंप के निकट चोरों ने घर का ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवर ले उड़े

बिभा संवाददाता

खूँटी । शहर में चोरी की घटना का वारदात थमने का नाम नहीं ले रहा है। थाने के निकट ही भीड़-भाड़ इलाके की दुकानों से जब चोर ताला तोड़ने और छप्पर तोड़ने की हिम्मत दिखा दे रहे हैं तो एक-दो किलोमीटर दूर की बात तो और भी असुरक्षित माना जा सकता है। इसी क्रम में रविवार की रात खूँटी राँची रोड सुनंदा पेट्रोल पंप के समीप एरेंडा क्षेत्र नया बसा मुहल्ले के राजेंद्र महतो के घर का ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवर और नकद राशि चोर उड़े। राजेंद्र महतो एक शादी समारोह में भाग लेने के लिए घर का ताला बंद कर परिवार के साथ रांची अरगोड़ा गए हुए थे। सोमवार की? सुबह जब अपने आवास पहुँचा तो देखा कि बाउंड्री गेट और मकान का गेट का ताला एवं कुंडी टूटा हुआ था और जब वे घर के अंदर घुसे तो देखा कि उनके तीन अलमारी खुला हुआ पाया गया। राजेंद्र महतो ने बताया कि उनकी पत्नी का चांदी का पायल, बेड़ा, सिक्का, बिछिया, पायल, झुमका, चैन, नथनी सहित 35000 रुपए नगद राशि गायब है। इस मामले पर खूंटी थाने में राजेंद्र महतो ने किस दर्ज कर दिया है वहीं खूंटी पुलिस इसकी पड़ताल पर जुट गई है।

महिला होमगार्ड ने लगाया कमाण्डर के द्वारा हाथ उठाने व ड्यूटी के लिए पैसा मांगने का आरोप

कम्पनी कमाण्डर ने सभी आरोपों को बताया झूठा

बिभा संवाददाता

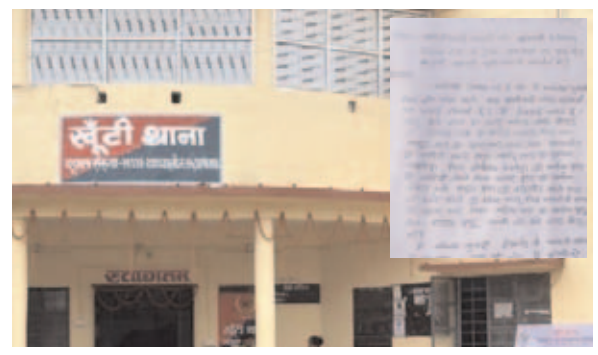

खूँटी । जिले के एक महिला होमगार्ड ने अपने कम्पनी कमाण्डर के विरुद्ध खूँटी थाने में पैसा मांगने व हाथ उठाने की बात को लेकर रविवार को केस दर्ज कराया है। उन्होंने आवेदन पत्र में ड्यूटी के बदले चार हजार रुपए मांगने के आरोप खूँटी थाना में केस के लिए आवेदन दी है। हालाँकि डीएसपी वरुण रजक ने कहा कि मामले पर आवेदन तो आया है जिसपर जाँच किया जाएगा। होमगार्ड द्वारा थाने को दिया गया आवेदन के अनुसार, बकरीद में सुरक्षा ड्यूटी लगाने के लिए कमान काटा जा रहा था। जिसमें हेडक्वार्टर से ड्यूटी कमान काटने के क्रम में होमगार्ड राधिका कुमारी का कमान नहीं काटा जा रहा था। इसी क्रम में कम्पनी कमाण्डर के उपर 4000 रुपए रिश्वत मांगने तथा मारपीट करने के आरोप लगाई है। इधर, कम्पनी कमाण्डर कैलाश राम ने बताया कि ये सभी आरोप झूठा है। उन्होंने बताया कि राधिका कुमारी ने ड्यूटी के लिए कई जगह से पैरवी करायी थी। लेकिन नियम सम्वत ही किसी को ड्यूटी दिया जा सकता है। लेकिन वो कब थाना चली गयी ये झूठा मामला लिखाई है। वहीं, डीएसपी वरुण रजक ने बताया कि इस मामले आवेदन तो आया है इसपर जाँच किया जाएगा।
जिले के लोगों को रोजगार मिले व समय-समय पर सुरक्षा के लिए तैनात में में लगाए जाने हेतु महिला होमगार्ड की बहाली हुई है। जिनकी विशेष आवश्यकता होने पर ही ड्यूटी लगाई जाती है। वहीं होमगार्ड अधिक हैं और ड्यूटी कम लोगों को ही मिल पाता है। इसलिए जो ड्यूटी नहीं किये रहते हैं उन्हें ड्यूटी पर लगाया जाता है। जिन्हें ड्यूटी के अनुसार ही पैसा मिलता है।

फिर आतंकी हमलें, कायम हो शांति का उजाला

ललित गर्ग

पाकिस्तान एक दिन भी चुप नहीं बैठा, लगातार आतंक की आंधी को पोषित करता रहा, अपनी इन कुचेष्ठाओं के चलते वह कंगाल हो चुका है, आर्थिक बदहाली में कटोरा लेकर दुनिया घूम आया, अब कोई मदद को तैयार नहीं, फिर भी उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। कश्मीर सदैव उनकी प्राथमिक सूची में रहा। पाकिस्तान जानता है कि सही क्या है पर उसकी उसमें वृत्ति नहीं है, पाकिस्तान जानता है कि गलत क्या है पर उससे उसकी निवृत्ति नहीं है।

भा यह आशंका सच साबित हो रही है कि भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने पर कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ेंगी एवं पाकिस्तान पोषित आतंकवाद फिर से फन उठाने लगेगा। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर कश्मीर को अशांत करने की कोशिशें तीव्र होते हुए दिख रही है। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है।

इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन पाकिस्तान यह बड़ी भूल कर रहा है, क्योंकि मोदी सरकार की दृढ़ता एवं साहस को चुनौती देना इतना आसान नहीं है। फिर भी लगातार हुए आतंकी हमले चिंता तो बढ़ा ही रहे हैं। एलओसी से लगते जम्मू के इलाके में आतंकवादी घटनाओं का बढ़ना गंभीर हैं, चिन्ताजनक है। मारे गये दो आतंकवादियों के पास से पाकिस्तानी हथियार व सामान की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे।

मैंने चुनाव से पूर्व अपनी एक सप्ताह की कश्मीर यात्रा में देखा कि केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। कहा जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र को मजबूत होते देख बौखलाहट में ये आतंकवादी हमले किये जा रहे हैं। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश का शांति-सुकून की तरफ बढ़ना आतंकवादियों की हताशा को ही बढ़ाता है। हाल के दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना और लोकसभा चुनाव में बंपर मतदान सीमा पार बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया है।

जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन-प्रशासन के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश-ए-मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर हाल के आतंकी हमले केंद्र सरकार व राज्य प्रशासन को भी आत्ममंथन का मौका देते हैं।

तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है। गठबंधन की केन्द्र सरकार के सामने अब बड़ा लक्ष्य है वहाँ आतंक से अमन-चैन तक लाने के चले आ रहे मिशन को सफल करने का, लोकतंत्र को सशक्त बनाने का, विकास के कार्यक्रमों को गति देने का एवं कश्मीर के लोगों पर आयी मुस्कान को कायम रखने का। बेशक यह कठिन और पेचीदा काम है लेकिन राष्ट्रीय एकता और निर्माण संबंधी कौन-सा कार्य पेचीदा और कठिन नहीं रहा है? इन कठिन एवं पेचीदा कामों को आसान करना ही तो नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार का जादू रहा है। अब गठबंधन सरकार में भी वे अपने इस जादू को दिखाये।

इन आतंकी हमलों ने अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि कश्मीर की जनता क्यों राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ नहीं पा रही है? क्या कश्मीरी लोगों में नई व्यवस्था में अपने अधिकारों की सुरक्षा व संपत्ति के अधिकारों को लेकर मन में संशय की स्थिति में वृद्धि हुई है? हमें यह तथ्य स्वीकारना चाहिए कि किसी भी राज्य में आतंकवाद का उभरना स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता। वहीं यह भी हकीकत है कि कश्मीरी जनमानस का दिल जीतना शक्ति से नहीं बल्कि उनके अनुकूल नीतियां बनाने व लोकतंत्र की बहाली से ही संभव है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। आए दिन की हिंसक घटनाएं आम नागरिकों में भय का माहौल ही बनाती हैं। माना कि रोग पुराना है, लेकिन ठोस प्रयासों के जरिए इसकी जड़ का इलाज होना ही चाहिए। कश्मीरियों में अपनी सुरक्षा के प्रति भरोसा जगाना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। घाटी में सक्रिय आतंकियों के खात्मे में सुरक्षा तंत्र ने काफी कामयाबियां हासिल की हैं। अब जरूरत है खुफिया तंत्र को दूसरी तरह की चुनौतियों का सामना करने को तैयार एवं सक्षम किया जाये। घाटी में हालात सुधरने के केंद्र सरकार के दावों की सत्यता इसी से परखी जाएगी कि घाटी में अल्पसंख्यक पंडित और प्रवासी कामगार खुद को कितना सुरक्षित महसूस करते हैं। वास्तव में देखा जाये तो असली लड़ाई कश्मीर में बन्दूक और सन्दूक की है, आतंकवाद और लोकतंत्र की है, अलगाववाद और एकता की है, पाकिस्तान और भारत की है। शांति का अग्रदूत बन रहा भारत एक बार फिर युद्ध के जंग की बजाय शांति प्रयासों एवं कूटनीति से पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाये, यह अपेक्षित है।

पाकिस्तान एक दिन भी चुप नहीं बैठा, लगातार आतंक की आंधी को पोषित करता रहा, अपनी इन कुचेष्ठाओं के चलते वह कंगाल हो चुका है, आर्थिक बदहाली में कटोरा लेकर दुनिया घूम आया, अब कोई मदद को तैयार नहीं, फिर भी उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। कश्मीर सदैव उनकी प्राथमिक सूची में रहा। पाकिस्तान जानता है कि सही क्या है पर उसकी उसमें वृत्ति नहीं है, पाकिस्तान जानता है कि गलत क्या है पर उससे उसकी निवृत्ति नहीं है। कश्मीर को अशांत करने का कोई मौका वह खोना नहीं चाहता। आज के दौर में उठने वाले सवालों में ज्यादातर का जवाब गठबंधन की मोदी सरकार को ही देना है, उसे सटीक जबाव देकर आतंकियों के मनसूंबों को ढेर करना होगा, पडोसी देश की गर्दन को एक बार फिर मरोड़ना होगा। यह बात भी सही है कि इस मसले को दलगत राजनीति से दूर रखना होगा।

संपादकीय

पीएम मोदी की उम्मीदों भरी यात्रा

इटली के अपूलिया में संपन्न हुए जी-7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आउटरीच सत्र में वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। इस क्रम में तमाम वैश्विक राजनीतिक हस्तियों से उनका मिलना हुआ। इनमें पोप फ्रांसिस भी शामिल थे, जिन्होंने भरपूर गर्मजोशी से मोदी को गले लगाया और विचार-विमर्श किया। मोदी ने पोप को भारत आने का न्योता भी दिया। भारत में कैथोलिक इसाइयों की संख्या एशिया में दूसरे नंबर पर है। भारत के केरल जैसे राज्यों में ईसाइयों की संख्या खासी है, इसलिए इसे संकेत माना जा रहा है कि मोदी ने भारत की धर्मनिरपेक्ष छवि को दशार्या है। जी-7 यानी ग्रुप ऑफ सेवन दुनिया केसबसे अमीर और खुद को अत्याधुनिक मानने वाले मुल्कों की संस्था है। कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्रिटेन, अमेरिका और जापान ये सात देश हैं। इनकी ग्लोबल ट्रेड और वैश्विक वित्त पण्राली पर खासी पकड़ है। इस बार ये सब आर्थिक सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे मुद्दों को लेकर विमर्श कर रहे थे। चूंकि भारत विकसित होती अर्थव्यवस्था है, इसलिए वे उसके सहयोग और लाभ की साझेदारी पर काम करने को इच्छुक हैं। इस सम्मेलन में दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के साथ भारत प्रशांत क्षेत्र के बारह विकासशील देशों के नेताओं को इसी खास मकसद से आमंत्रित किया गया था। माना जा रहा है कि जी-7 देश चीन और रूस की बढ़ती आर्थिक ताकत को लेकर चिंतित हैं। इस मौके का फायदा उठाने में मोदी सफल होते नजर आ रहे हैं। साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के प्रति सरकार की जिम्मेदारी को भी मदद मिलने की उम्मीद है। इस मसले पर बनने वाले अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों द्वारा देश में बढ़ रहे साइबर क्राइम पर सख्ती की जा सकेगी। हालांकि यह कहना गलत नहीं है कि इस गुट के पास ऐसे कोई अधिकार नहीं हैं, जिनके बल पर कोई भी निर्णय जबरन लागू कराया जा सके, मगर भारत को इन देशों से जो सहयोग और लाभ मिल सकते हैं, उनके प्रति यदि मोदी सफल होते नजर आते हैं तो यह देश के भविष्य के लिए बेहतर करने का घटनाक्रम ही कहा जाएगा। निःसंदेह इनसे जुड़े परिणामों के लिए अभी इंतजार करना होगा। मगर कुल मिलाकर दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी की यह पहली विदेश यात्रा सकारात्मक कही जा सकती है, जिसके परिणाम आने वाले वर्षों में यकीनन नमूदार होंगे।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है?

यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी। यह देख चोर लज्जित हुए। वे एकनाथ जी के चरणों में गिर गए और उन्होंने कभी चोरी न करने का संकल्प लिया।

एनडीए सरकार और मोदी-3.0 की 'मन की बात'

मो दी मंत्रिमण्डल का गठन जरूर हो गया लेकिन कयासों का दौर खत्म नहीं हुआ। एक बार में ही 72 सदस्यीय भारी-भरकम मंत्रिमण्डल की वजह लोग कुछ भी बताएं लेकिन यह नरेन्द्र मोदी की चतुराई कही जाएगी जो उन्होंने एकबारगी सारे किन्तु-परन्तु पर विराम लगा एक तीर से कई निशाने साधे। इससे न केवल सहयोगियों बल्कि भाजपा के आनुषांगिक संगठनों को भी बड़ा संदेश गया कि भले सीटें घटीं लेकिन मोदी की हैसियत वही है। घटक दलों के सहयोगियों का मोदी के तीसरे कार्यकाल में मंत्रिमण्डल बंटवारे में मिले पद और कद से भी काफी भ्रम टूटा। साफ दिखा कि नरेन्द्र मोदी ने जो चाहा वो किया। जिस शांति और धैर्य से घटक दलों के साथ पहली बैठक हुई, प्रमुख दोनों सहयोगी नीतीश और चंद्रबाबू ने मोदी की तारीफ में कसीदे पढ़े, उससे राजनीतिक नब्ज टटोलने वालों की भी धड़कनें असहज हुई। हमउम्र और राजनीति में मोदी से सीनियर होने के बावजूद नीतीश का उनके पैर छूने झुकना, सबको अब भी हैरान कर रहा है।

यह भ्रम ही साबित हुआ कि जेडीयू को रेल तो टीडीपी को सड़क परिवहन मंत्रालय मिलना तय है। पुरानी सरकारों में रेल मंत्रालय प्रायः गठबन्धन सहयोगियों के खाते में रहा। मौजूदा मंत्रिमण्डल में 33 नए चेहरे हैं जिनमें तीन पूर्व मुख्यमंत्री हैं। पहली बार मंत्री बनने वालों में 7 सहयोगी दलों से हैं। 7 महिलाएं भी मंत्री बनीं जिनमें 2 कैबिनेट और 5 राज्य मंत्री हैं। नए मंत्रिमंडल में 21 सवर्ण, 27 ओबीसी, 10 एससी, 5 एसटी, 5 अल्पसंख्यक मंत्रियों को जगह मिली।

भावुक अपीलों और जनता से कनेक्ट होने में हुनरमंद मोदी का कोई सानी नहीं। अब उन्होंने नई अपील कर विपक्ष को बहस का नया मुद्दा दे दिया। अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल से ह्यमोदी का परिवारह्न हटाने की गुहार लगा दी। भले ही डिस्प्ले नाम बदले लेकिन भारत की तरक्की की कोशिशों के खातिर प्रयास करने वाले एक परिवार के रूप में हमारा बंधन मजबूत और अटूट है। इशारा अबकी बार एनडीए सरकार की ओर तो था ही साथ ही गठबन्धन के सहयोगियों को भी बता दिया कि अब वो कितने अहम हैं। अब सबकी निगाहें लोकसभा अध्यक्ष पर है। जिस पर फिर कयासों का दौर शुरू हो गया है। निश्चित रूप से विविधताओं से भरे देश और उसकी राजनीति में मतांतर नए नहीं है।

आंध्र प्रदेश विधानसभा में गजब का प्रदर्शन करते हुए टीडीपी-भाजपा गठबंधन ने बड़े बहुमत वाली जीत हासिल की। दोनों का एजेण्डा सबको पता है। टीडीपी मुस्लिम आरक्षण, परिसीमन, सीएए, अमरावती के विकास और विशेष दर्जे पर तवज्जो चाहेगी तो कमोबेश जेडीयू भी बिहार में ऐसे ही एजेण्डे के साथ अगले साल विधानसभा चुनाव में जाएगी। महाराष्ट्र में तो अभी चुनाव होने हैं। इन हालातों में महत्वपूर्ण घटक कब तक भाजपा के हमराह रहेंगे? जबकि महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश सहित बिहार में पद और कद पर कई बातें होनी शुरू हो गई हैं।

अपने दम पर बहुमत हासिल करने में नाकाम भाजपा नीत गठबंधन सरकार को लेकर दुनिया भर में कौतूहल था। लेकिन मंत्रिमण्डल गठन के बाद विभाग वितरण से लोग भौंचक्का हैं कि यह कैसा जादू? क्या सचमुच राजनीति में मंजे दोनों बाबू न केवल मोदी के साथ हैं बल्कि ब्रान्ड मोदी के दो हाथ हैं? बहुमत का आंकड़ा न छू पाने के बावजूद मंत्रिमण्डल बंटवारे में दिखी मोदी के मन की बात ने क्या सभी का लोहा मनवा लिया। हालांकि चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण में नीतीश का न जाना फिर चचाओं में है। लेकिन इटली में जी-7 सम्मेलन में बिना सदस्य रह कर भी विशेष रूप से प्रधानमंत्री को बुलाना और दुनिया के शीर्ष नेताओं से मेल-मुलाकात के बाद मोदी की नई छवि और कार्यप्रणाली को लेकर राजनीतिक चचाओं ने नया मोड़ जरूर ले लिया है। लेकिन देश के अंदर उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब और दक्षिण के चुनाव परिणामों के मायने पर भी जानकारों की राय बंटी हो सकती है। लेकिन यह सच है कि असल परीक्षा के लिए लोकसभा के नियमित सत्र और नए अध्यक्ष तक इंतजार करना होगा। नई परिस्थितियों में खुद की छवि को बजाए मसीहाई दिखाने के बड़ी सहजता और विनम्रता से लबरेज दिखाकर भी प्रधानमंत्री मोदी नई एनडीए सरकार के वैसे ही सख्त मुखिया दिख रहे हैं जैसे बीते दोनों कार्यकाल में रहे। लोग तब और अब में फर्क भले ढूंढें लेकिन यह कब दिखेगा, कोई नहीं जानता। फिलहाल 30 जून का इंतजार है जब मन की बात के जरिए तीसरे कार्यकाल में नरेन्द्र मोदी का पहला संबोधन होगा।

(ऋतुपर्ण दवे - स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत समेत दुनिया के केंद्रीय बैंक बढ़ा रहे अपने स्वर्ण भंडार

हा ल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी बैंकों में रखे भारत के 100 टन सोने को ब्रिटेन से वापस लाया गया है। यह सोना भारत ने ब्रिटेन के बैंक में रिजर्व के तौर पर रखा था और इस पर भारत प्रतिवर्ष कुछ फीस भी ब्रिटेन के बैंक को अदा करता रहा है। समस्त देशों के केंद्रीय बैंक अपने यहां सोने के भंडार रखते हैं ताकि इस भंडार के विरुद्ध उस देश में मुद्रा जारी की जा सके (भारत में 308 टन सोने के विरुद्ध रुपए के रूप में मुद्रा जारी की गई है, यह सोने के भंडार भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा हैं) और यदि उस देश की अर्थव्यवस्था में कभी परेशानी खड़ी हो एवं उस देश की मुद्रा का तेजी से अवमूल्यन होने लगे तो इस प्रकार की परेशानियों से बचने के लिए उस देश को अपने स्वर्ण भंडार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचना पड़ सकता है। इस कारण से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने पास स्वर्ण के भंडार रखते हैं।

पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण भंडार का 17 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास जमा है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी 822 टन के स्वर्ण भंडार हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इसका 50 प्रतिशत से अधिक भाग, अर्थात लगभग 413.8 टन, भारत के बाहर अन्य केंद्रीय बैंकों विशेष रूप से बैंक आफ इंग्लैंड एवं बैंक आफ इंटर्नैशनल सेटल्मेंट के पास रखा गया है। उक्त वर्णित 308 टन के अतिरिक्त 100.3 टन स्वर्ण भंडार भी भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा है।

वर्ष 1947 में भारत के राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व ही भारत ने अपने स्वर्ण के भंडार बैंक आफ इंग्लैड में रखे हुए हैं। इसके बाद 1990 के दशक में भी भारत ने अपनी आर्थिक परेशानियों के बीच अपने स्वर्ण भंडार को बैक आफ इंग्लैंड में गिरवी रखकर अमेरिकी डॉलर उधार लिए थे। विभिन्न देशों द्वारा लंदन में स्वर्ण भंडार इसलिए रखे जाते हैं क्योंकि लंदन पूरे विश्व का सबसे बड़ा स्वर्ण बाजार है और यहां स्वर्ण को सुरक्षित रखा जा सकता है। यहां के बैकों द्वारा विभिन्न देशों को स्वर्ण भंडार के विरुद्ध अमेरिकी डॉलर एवं ब्रिटिश पाउंड में आसानी से ऋण प्रदान किया जाता है बल्कि यहां पर स्वर्ण भंडार को आसानी से बेचा भी जा सकता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण के कई खरीदार यहां आसानी से उपलब्ध रहते हैं।

कुल मिलाकर इंग्लैंड स्वर्ण का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ा बाजार हैं। लंदन के बाद न्यूयॉर्क को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण का एक बड़ा बाजार माना जाता है। भारत को इस स्वर्ण भंडार को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिवर्ष फी के रूप में कुछ राशि बैंक आफ इंग्लैंड को अदा करनी होती थी अतः अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 100 टन स्वर्ण भंडार को भारत लाने के बाद इस फी की राशि को अदा करने से भी भारत बच जाएगा। दूसरे अपने यहां स्वर्ण भंडार रखने से भारत के पास सदैव तरलता बनी रहेगी। जब चाहे भारत इस स्वर्ण भंडार का इस्तेमाल स्थानीय अथवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने हित के लिए कर सकता है।

वर्ष 2009 में भारत ने 200 टन का स्वर्ण भंडार अंतरराष्ट्रीय बाजार में 670 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अदा कर खरीदा था। 15 वर्ष वर्ष बाद पुनः भारत ने अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि करने का निश्चय किया है। स्वर्ण भंडार सहित आज भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गए हैं और यह भारत के लगभग एक वर्ष के आयात के बराबर की राशि है। अतः अब भारत को अपने स्वर्ण भंडार बेचने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी इसलिए भी भारत ने ब्रिटेन में स्टोर किए गए अपने स्वर्ण भंडार को भारत में वापिस लाने का निर्णय किया है।

विश्व में आज विभिन्न देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के उद्देश्य से अपने पास स्वर्ण के भंडार भी बढ़ाते जा रहे हैं। आज पूरे विश्व में अमेरिका के पास सबसे अधिक 8133 मेट्रिक टन स्वर्ण के भंडार है, इस संदर्भ में जर्मनी, 3352 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ दूसरे स्थान पर एवं इटली 2451 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रान्स (2437 मेट्रिक टन), रूस (2329 मेट्रिक टन), चीन (2245 मेट्रिक टन), स्विजरलैंड (1040 मेट्रिक टन) एवं जापान (846 मेट्रिक टन) के बाद भारत, 812 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ विश्व में 9वें स्थान पर है।

भारत ने हाल ही के समय में अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि करना प्रारम्भ किया है एवं यूनाइटेड अरब अमीरात से 200 मेट्रिक टन स्वर्ण भारतीय रुपए में खरीदा था। हाल ही के समय में चीन का केंद्रीय बैंक भारी मात्रा में अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की खरीद कर रहा है। कुछ अन्य देशों के केंद्रीय बैंक भी अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि करने में लगे हैं। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण के दामों में बहुत अधिक वृद्धि देखने में आई है और यह 2400 अमेरिकी डॉलर प्रति आउंस तक पहुंच गई है।

कई देश संभवतः अपने विदेशी मुद्रा के भंडार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में स्वर्ण भंडार को अधिक महत्व दे रहे हैं, क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर अधिक निर्भरता से कई देशों को आर्थिक नुक्सान झेलना पड़ रहा है। यदि अमेरिकी डॉलर अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत हो रहा हो तो उस देश की मुद्रा का अवमूल्यन होने लगता है। इससे उस देश में वस्तुओं का आयात महंगा होने लगता है और उस देश में मुद्रा स्फीति के बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। इन विपरीत परिस्थितियों में घिरे देश के लिए स्वर्ण भंडार बचाव का काम करते हैं। इसलिए आज लगभग प्रत्येक देश के केंद्रीय बैंक अपने स्वर्ण भंडार को बढ़ाने के बारे में विचार करते हुए नजर आ रहे हैं।

(प्रहलाद सबनानी, आर्थिक विश्लेषक एवं स्तम्भकार हैं।)

हेयरकट करवाना है तुम्हें, पर समझ नहीं आ रहा कि कौन-सा करवाएं। घर पर कोई बताने वाला भी नहीं है। हम है न! हम बताते हैं कि इस साल कौन-सा हेयरकट हिट रहेगा?

हेयरकट हिट जलवा फिट

मम्मा की पसंद का हेयरकट बहुत करवा लिया। कैटरीना, करीना और प्रियंका चोपड़ा जैसा हेयरकट करवाना है तुम्हें, पर मम्मा है कि समझती नहीं हैं। उन्हें लगता है कि तुम पढ़ाई में कम और फैशन में ज्यादा ध्यान देने लगी हो। अब ये बात उन्हें कौन समझाए कि हेयरकट करवाने से तुम कितनी स्मार्ट दिखोगी। सब तारीफ करेंगे तुम्हारी और ये सब मम्मा को अच्छा लगेगा ही। जल्दी से मम्मा को मनाओ कि तुम अपना हेयरकट करवाना चाहती हो, ताकि सब उनसे तुम्हारी तारीफ कर सकें। लेकिन, 2010 के ट्रेंड को ध्यान में रखकर ही हेयरकट करवाना।

एक्स्ट्रा शॉर्ट ब्लॉन्ड: तुम्हारे बाल पतले और हल्के हैं, तो तुम पर ये हेयरकट सूट करेगा, क्योंकि घने बालों पर ही थोड़े लंबे हेयरकट अच्छे लगते हैं, लेकिन इस तरह का हेयरकट हार्ट शेप या ओवल शेप वाले चेहरे पर ही अच्छा लगता है। ये हेयरकट आसानी से कैरी हो जाते हैं। इन्हें आप रोज शैंपू कर सकते हैं। अब मौसम बदल रहा है। एकाध महीने में गर्मियां भी आ जाएंगी। उसके बाद तो मन करेगा कि रोज बाल धोएं। तुम्हारे बालों की क्वालिटी कुछ ऐसी ही है, तो फटाफट अपना हेयरकट करवा डालो।

बॉब कट : प्रियंका चोपड़ा तो तुम्हें जरूर पसंद होगी। उसका फिगर और हेयरकट है ही बड़ा कमाल का। प्रियंका ने प्यार इंपॉसिबल के लिए जो हेयरकट करवाया है, वो यही तो है। छोटे-छोटे बाल कानों तक। अगर तुम्हारा फिगर भी कुछ ऐसा ही है, तो यकीनन तुम पर ये हेयरकट सूट करेगा। कर्ली और वेवी बालों पर भी बॉब कट सूट करता है। इस हेयरकट की सबसे अच्छी बात यह है कि सब तरह के फेसकट पर सूट करता है।

बैंग्स: बैंग्स सुनने में बड़ा अटपटा लगता है, पर है वही पुराना साधना कट जैसा। कुछ-कुछ वैसा ही दिखता है। आगे की तरफ गिरे हुए बाल। कैटरीना कैफ आजकल बैंग्स हेयरकट में दिखती है। पता है, इस हेयरकट में तुम बार्बी डॉल जैसी दिखोगी। लेकिन किसी ऐरू-गेरू पॉर्लर से ये हेयरकट मत करवाना। किसी ढंग के पार्लर में जाकर ही हेयरकट करवाना। उन्हें पता रहता है कि बाल कैसे काटने हैं। थोड़ा खर्च होगा पर तुम्हारे दोस्त कम से कम तुम्हारी हंसी नहीं उड़ाएंगे।

पिक्सी: शॉर्ट हेयरस्टाइल में पिक्सी सबसे ट्रेंडी हेयरकट है, लेकिन ये पतले चेहरे पर ही अच्छा लगते हैं। इसे मैंटेन करना भी आसान है। पिक्सी में चॉपी और शैगी दो ऑप्शन हैं। पिक्सी हेयरकट पीछे से छोटे और आगे से थोड़े गिरे हुए होते हैं। ये हेयरकट सबसे ज्यादा ट्रेंडी और मॉडर्न लुक देता है। तुम्हारे बाल अगर बढ़ते नहीं हैं, तो आंख मूंदकर ये हेयरकट करवा लो। इसी बहाने थोड़ी स्टाइलिश दिखोगी।

बन हेयरस्टाइल: बन बनाने के लिए टाइम चाहिए होता है। दीपिका पादुकोण अक्सर साड़ी में इसी हेयर स्टाइल के साथ दिख चुकी है। बन थोड़े लंबे बालों में ही बन पाता है। बाल कम से कम कंधों तक तो हों, वरना बन बनाने में असुविधा होती है। अगर तुम हेयरकट नहीं करवाना चाहती और फैमिली की शादी में तुम्हें स्टाइलिश भी दिखना है, तो इसी हेयरस्टाइल में वहां जाना।

सेडू हेयरस्टाइल: सेडू यानी सिडक्टिव हेयरकट। थोड़े लंबे और चमकदार बालों में ही सेडू हेयरकट बनता है। सेडू हेयरस्टाइल में हर तरह के कर्ली और वेवी बालों पर सूट करते हैं। तुम्हारे बाल लंबे, चमकदार और स्ट्रेट हैं, तो तुम इस हेयरस्टाइल में स्मार्ट दिखोगी। फ्रिंज हेयरकट तुम अपने चौड़े माथे से परेशान हो और कुछ करवाना चाहती हो, ताकि तुम्हारा माथा छिप सके। फिर हम तुम्हें यह हेयरकट रखने की सलाह देंगे, क्योंकि इससे तुम्हारा चौड़ा माथा छुप जाएगा। हॉलीवुड अभिनेत्री कैट मॉस यही हेयरकट रखती हैं।

घर संभालने की कला

दोस्तों घर का हिसाब-किताब करना हो या रिश्तेदारी निभाना, घरेलू मोर्चा संभालने की जिम्मेदारी तो महिलाओं पर ही रहती है। अक्सर पुरुषों को इन मामलों में फिसड्डी ही समझा जाता है, लेकिन कुछ समय पहले हुए एक शोध के मुताबिक कहानी कुछ और ही है। कैलिफोर्निया में हुए इस शोध का कहना है कि अगर पुरुषों को मौका दिया जाए तो वे एक अच्छे होम मेकर साबित हो सकते हैं। तकरीबन 350 महिलाओं और पुरुषों पर किए गए इस अध्ययन के दौरान यह पाया गया कि अगर एक बार उन्हें घर संभालने की जिम्मेदारी दे दी जाए तो वे उसे काफी अच्छे तरीके से निभाना पंसद करते हैं।

इस रिसर्च के मुख्य शोधकर्ता जेड विडसन आंकड़ों को आधार बनाकर बताते हैं कि करीब 71 फीसदी पुरुष अपनी तनख्वाह के मुताबिक ही खर्च करते हैं, जबकि 53 प्रतिशत महिलाएं क्षमता से ज्यादा। लगभग 73 प्रतिशत पुरुष अपने आमदनी के हिसाब से शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड्स, जीवन बीमा व अन्य बचत योजनाओं आदि पर निवेश करने पर प्राथमिकता देते हैं, जबकि केवल 4 फीसदी महिलाएं ही निवेश के बारे में गहरी जानकारी रखती हैं। अब आप कहेंगे कि केवल बचत करने से क्या, उन्हें खाना बनाना भी तो आना चाहिए, लेकिन हम आपको बताते चलें कि अमूमन पुरुष 'मुझे तो खाना बनाना आता ही नहीं' कहकर काम से बचकर निकल जाते हैं। लेकिन अगर एक बार पुरुष पाक कला सीख जाएं तो वह उसमें भी एक्सपर्ट हो जाते हैं। यकीन नहीं आया न, जरा आस-पास नजर दौड़ाइए, आपको सबसे बेहतरीन शेफ पुरुष ही मिलेंगे।

हैंडबैग महिलाओं के लुक को न केवल विशेष बनाता है, बल्कि व्यक्तित्व को उभारता भी है। मौजूदा दौर में हैंडबैग महिलाओं का आवश्यक साथी बन चुका है। हैंडबैग व पर्स का रंग व आकार यदि जूतों, कद काठी व वस्त्रों से मेल खाता हुआ हो तो बात कुछ खास हो जाती है।

पर्सनैलिटी के अनुसार हो हैंडबैग

आम तौर पर सफेद, काल, मैरून, भूरे, सिल्वर व सुनहरी हैंडबैग लगभग सभी पोषकों से मैच कर जाते हैं। अवसर के मुताबिक औपचारिक समारोह में जाते समय या खरीदारी करते समय और नौकरी पर जाते समय आवश्यकतानुसार चीजें भरकर अलग-अलग हैंडबैग का प्रयोग करना चाहिए।

- कॉलेज व ऑफिस जाने वाली युवतियों को खुशनुमा आधुनिक डिजाइन के जूट, कपड़े, रेक्सिन या चमड़े के कमर तक लटकने वाले हैंडबैग काम में लाने चाहिए।
- अध्यापन व प्रशासनिक दायित्वों से जुड़ी महिलाओं को सिम्पल डिजाइन का एकरंगा हैंडबैग व पर्स लेना चाहिए।
- दुबली, पतली छोटे कद की महिलाओं को चौड़े स्टैप वाले बड़े आकार के चपटे हैंडबैग का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इन पर हल्के-फुल्के स्टेप वाले गोलाकार या पंचकोणनुमा शेप के हैंडबैग खूब फबते हैं।
- नाटी व मोटी महिलाओं को भी बहुत बड़े या छोटे हैंडबैग का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इन्हें कमर से लटकने वाले हैंडबैंग की बजाय हैण्डिल वाले मध्यम आकार के हैंडबैग काम में लेने चाहिए।
- लम्बे कद की महिलाओं पर थोड़े बड़े लटकने वाले हैंडबैंग फबते हैं। शादी व स्वागत समारोह जैसे मांगलिक अवसरों पर पोशाक से मेल खाते मखमल या शनील के पर्स बहुत अच्छे लगते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

चमचमाते साफ-सुथरे हैंडबैग जहां सुरुचिपूर्ण व्यक्तित्व के परिचायक हैं, वहीं बेडौल शेप के उखड़ी जिप वाले, बेकार सामान से भरे हैंडबैग फूहड़ व्यक्तित्व की चुगली खाते नजर आते हैं।

- इससे बचने हेतु अनावश्यक चीजें हैंडबैग में न रखें। इससे जिप व तनियों, स्ट्रेपसद्ध पर अनावश्यक बोझ पड़ता है और वे जल्दी खराब हो जाते हैं। फालतू चीजें भरी रहने से चीजें भी तुरंत मिल नहीं पाती।
- बरसात के दिनों में चमड़े व हैंडबैग व पर्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, क्योंकि पानी की नमी से ये बेडौल हो जाते हैं और इनमें फफूंद लग जाती है। हैंडबैग व पर्स का इस्तेमाल करने के बाद उन्हें सुरक्षित स्थान पर रख देना चाहिए।
- अधिक समय तक जब पर्स का प्रयोग न करना हो तो उसमें कागज भर कर रखें, ताकि आकार ठीक बना रहे। इन्हें बच्चों व फालतू जानवरों को खेलने के लिये देना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे इनके खराब होने का डर बना रहता है।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

प्रारंभ में जब महिलाएं गर्वभती होती थी तब उनका एक ही काम था, अपना व अपने बच्चे का ख्याल रखना और उनका करियर का वही खत्म हो जाना, पर अब महिलाओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है जिससे वे अपना व करियर दोनो को संभाल सकती है।

समझे अपने आपको

कामकाजी महिलाओं को दिन में ऑफिस और रात को घर का काम ये दोनो के मध्य अपना भी ध्यान रखना काफी मुश्किल भरा होता है। आम तौर पर महिलाओं को कुछ ऐसे तकलीफें से गुजरती है जो एक गर्वभती महिला ही समझ सकती है, तो ऐसे मे वे स्वंय अपना ख्याल रखें।

सही समय पर सही काम

कामकाजी गर्वभती महिलाओं को अपने कामो का शेड्यूल बनना चाहिऐ ताकि उनके सारे काम सही समय पर हो सके। घर व ऑफिस का टाइम दोनो को ऐसा संतुलन को बनाए रखना चाहिएं की जिससे किसी भी काम को देरी न हो।

न लें टेंशन

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को अपने आपको कूल रखना होता है, इससे डिलिवरी होते समय किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आती, इसके साथ आपको योगा, मसाज, वॉक आदि को अपनाते रहना चाहिए ताकि आपका आने वाला बच्चा स्वस्थ हो।

ऐसा भी करें

- हेल्दी फूड समय-समय पर लेते रहे।
- हमेशा खुश रहने की कोशिश करती रहे।
- समय-समय पर चेकअप कराते रहना चाहिए।
- एक्सपर्ट की सलाह लें।
- आराम दिलाने वाले तरीकों को अपनाएं

हर महिला को सबसे ज्यादा खुशी तब होती है जब वो मां बनती है, पर कामकाजी महिलाओं के लिए ये खुशी कुछ हद तक मायने रखती है क्यों कि उन्हे इसके लिए अपना करियर को छोड़ना पड़ सकता है।

निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

रियासी आतंकी हमले की जांच करेगी एनआईए

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार ने रियासी आतंकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। घटनाक्रम से जुड़े लोगों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया, जिसमें उन्होंने सेना, अर्धसैनिक बलों और खुफिया एजेंसियों को जम्मू क्षेत्र में भी आतंकवाद के खिलाफ कश्मीर घाटी में हासिल की गई सफलताओं को दोहराने का निर्देश दिया। संघीय एजेंसी ने जम्मू-कश्मीर पुलिस से जांच का जिम्मा संभालने के बाद अपनी स्वयं की प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कर ली है। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए हमले में एक बड़ी साजिश की जांच करेगी, जिसका संबंध कठुआ और डोडा में पिछले मंगलवार और बुधवार को हुए तीन अन्य हमलों से भी हो सकता है। बताया जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पिछले एक सप्ताह में कई लोगों से पूछताछ की है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जो आतंकवादियों का समर्थन करते थे। गृह मंत्री शाह ने स्थानीय खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने, आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सुरंगों का पता लगाने और ड्रोन घुसपैठ से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के महत्व पर भी जोर दिया और रेखांकित किया कि सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को मिशन मोड पर काम करने और समन्वय को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता है।

35 लाख की चीनी बारिश बही... बाकी बंदर खा गए, ऑडिट रिपोर्ट में हुआ मामले का खुलासा

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ की एकमात्र साथा चीनी मिल में 1100 क्विंटल चीनी के घोटाले का मामला सामने आया है। बताया गया कि तकरीबन 35 लाख की चीनी बारिश में बही और बाकी बंदर खा गए। जबकि यह चीनी मिल 26 महीने से बंद है। अब मामले में जांच रिपोर्ट आने के बाद गोदाम कीपर सहित दो पर मुकदमा दर्ज किया गया। 30 दिन में 35 लाख कीमत की 1100 कुंतल चीनी बंदरों के द्वारा खाना अभिलेखों में दर्शाया गया है। ऑडिट रिपोर्ट में यह मामला उजागर हुआ। मामले में प्रबंधक, लेखा अधिकारी सहित 6 को दोषी पाया गया। जांच रिपोर्ट में प्रभारी गोदाम कीपर और गोदाम कीपर के खिलाफ थाना जवां में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। चीनी मिल के स्टोर कीपर ने बताया कि ऑडिट टीम ने गेस्ट हाउस में बैठकर ही हवा हवाई ऑडिट किया है। जितनी चीनी कम दिखाई गई है, उतनी मात्रा में चीनी कम नहीं है। मिल के अंदर गोदाम के शटर टूटे हुए हैं। वहीं छत टूटी हुई है। छत से पानी रिसता है। वहीं बंदरों द्वारा खाने और फैलने पर गोदाम में चीनी फैली हुई है। छत से होकर बारिश का पानी नीचे आ जाता है, जिससे 528 क्विंटल चीनी कम हुई है। ऑडिट टीम द्वारा जो 1100 कुंटल चीनी कम दिखाई गई है वह गलत है। गोदाम की बिल्डिंग खराब होने और मेंटेनेंस भत्ते के बारे में कई बार जिला प्रशासन को पत्र लिखा गया है, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा समस्या का किसी प्रकार से समाधान नहीं कराया गया है। सिक्योरिटी गार्ड सहित अन्य कर्मचारियों ने बताया कि बंदरों का यहां काफी आतंक है और 2020 के बाद यहां चीनी उत्पादन नहीं हो रहा है। मिल में मेंटेनेंस भी नहीं हुआ है। चीनी कैसे कम हुई यह उन लोगों को कुछ नहीं पता है, लेकिन बंदर इतनी चीनी नहीं खा सकते है।

नागपुर में तेज रफ्तार निजी बस व ऑटो की टक्कर, सेना के 2 जवानों की मौत 6 से ज्यादा घायल

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र के नागपुर में रविवार को कन्हान ब्रिज पर एक तेज रफ्तार निजी बस व एक ऑटो की टक्कर में सेना के 2 जवानों की मौत हो गई व 6 से ज्यादा घायल हो गये। नागपुर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार 7 घायल व्यक्तियों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ऑटो में सवार 8 जवानों में से विघ्नेश और धीरज राय ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि अन्य घायल जवानों की पहचान दीन प्रधान, कुमार पी, शेखर जाधव, अरविंद, मुरुगन और नागरत्नम के रूप में हुई है। कैम्पटी के एक अस्पताल में भर्ती कुमार पी और नागपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज करा रहे नागरत्नम की हालत गंभीर है। अधिकारी ने बताया कि घायलों में शामिल ऑटो चालक शंकर खरकबान की भी हालत गंभीर है। नागपुर से करीब 20 किलोमीटर दूर कैम्पटी स्थित सेना के गार्ड रेजिमेंटल ट्रेनिंग सेंटर (जीआरसी) के 15 जवान 2 ऑटो में सवार होकर खरीदारी करने कन्हान गए थे। एक समाचार एजेंसी ने इस हादसे का वीडियो शेयर किया है। वीडियो में दिख रहा है कि बस और ऑटो रिक्शा की टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। वीडियो में देखा जा सकता है कि हादसे के बाद ऑटो रिक्शा पूरी तरह कबाड़ हो गया है। हादसे वाली जगह पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैफिक को सुचारू रूप से आवागमन शुरू कराया है।

जयपुर राजपरिवार के सदस्य पद्मनाभ सिंह का लंदन में कार एक्सीडेंट, बेटे से मिलने लंदन पहुंची डिप्टी सीएम दीया कुमारी

जयपुर। राजस्थान के पूर्व जयपुर राजपरिवार के सदस्य और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के बेटे पद्मनाभ सिंह का एक्सीडेंट हो गया है। पद्मनाभ अपने पिता नरेंद्र सिंह और बहन गौरवी कुमारी के साथ छुट्टियां बिताने के लिए पिछले कुछ दिनों से लंदन गए हुए हैं। लंदन में हुए कार एक्सीडेंट में पद्मनाभ घायल हो गए हैं। एक्सीडेंट के दौरान कार में पद्मनाभ के साथ पिता नरेंद्र और बहन गौरवी भी थीं। हादसे में पद्मनाभ को चोट लगी लेकिन नरेंद्र और गौरवी सुरक्षित हैं। लंदन के एक अस्पताल में पद्मनाभ सिंह की सर्जरी हुई है। बेटे से मिलने के लिए दीया कुमारी भी लंदन पहुंच गई हैं। हादसा कुछ दिन पहले हुआ था लेकिन इसकी जानकारी किसी को नहीं दी गई। दीया कुमारी ने भी हादसे की जानकारी साझा नहीं की और अपने बेटे से मिलने के लिए लंदन गई। मुख्यमंत्री के अध्यक्षता में होने वाली बैठकों में भी दीया कुमारी शामिल नहीं हो पा रही हैं। अब यह जानकारी सामने आई है कि वे राजस्थान में नहीं बल्कि लंदन गई हैं। लंदन के अस्पताल में पद्मनाभ सिंह की सर्जरी हुई है और अब वे ठीक हैं। उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। पद्मनाभ सिंह- पूर्व राजपरिवार सदस्य पद्मनाभ सिंह जाने माने पोलो खिलाड़ी हैं। उन्होंने पोलो खिलाड़ी के रूप में अपने करियर की शुरुआत वर्ष 2015 में लंदन से की थी। वे लंदन के विंडसर में गार्ड्स पोलो क्लब के सदस्य बने थे। बाद में उन्होंने 2017 में हर्लिंगम पार्क की ऐतिहासिक यात्रा में भारतीय नेशनल टीम की कमान संभाली थी। पद्मनाभ से पहले उनके नाना भवानी सिंह भी भारतीय टीम का नेतृत्व कर चुके हैं। हाल ही में पद्मनाभ अपनी बहन गौरवी के साथ स्कॉटलैंड के ड्रमंड कैसल में हुए डियोर क्रूज शो में शामिल हुए थे।

बलि के बकरे पर लिखा 'राम', कुर्बानी देने की हो गयी थी पूरी तैयारी, आखिरी वक्त में बचाया, 3 गिरफ्तार

मुंबई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि एक वायरल वीडियो में बलि के बकरे की खाल पर 'राम' (हिंदू देवता का नाम) लिखा हुआ दिखाई देने के बाद मुंबई में कम से कम तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिस मीट शॉप से बकरा खरीदा गया था, उसे भी बंद कर दिया गया है। वायरल वीडियो में मीट शॉप पर एक सफेद रंग का बकरा दिखाया गया है, जिसकी खाल पर पीले रंग से 'राम' लिखा हुआ है। वीडियो में एक हिंदू संगठन के सदस्य दुकान के मालिक से इस बारे में बहस करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद, बजरंग दल के कार्यकर्ता शिकायत दर्ज कराने पुलिस के पास गए, जिसके बाद मीट शॉप को सील कर दिया गया, एक अधिकारी ने बताया। बकरी पर 'राम' लिखा हुआ था, जिसे बेलापुर में एक ग्राहक ईद-उल-अजहा (आमतौर पर बकरीद के रूप में जाना जाता है) के अवसर पर बेचने के लिए लाया गया था। पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है - मोहम्मद शफी शेख, साजिद शफी शेख और कुय्याम। उन पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 295 (ए) और 34 के साथ-साथ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत भी आरोप लगाए गए हैं। मामले की आगे की जाँच चल रही है।

आतिशी सिर्फ टैंकर माफियाओं को पानी बेचने के लिए ही जल मंत्री बनी हुई हैं : मनोज तिवारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लगातार पानी के पाइपलाइनो में रिसाव और पानी की चोरी के कारण दिल्ली की जनता को इस तपती गर्मी में पीने के लिए साफ पानी नहीं मिल रहा है। पानी उपलब्ध कराने की जगह दिल्ली सरकार की जल मंत्री आतिशी भाजपा पर रिसाव का आरोप लगाने की मनगढ़ंत कहानियां बुनने में व्यस्त हैं। जिसके बाद दिल्ली की जनता के मुद्दों को हमेशा से प्राथमिकता देने वाली भाजपा आज प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में दिल्ली के प्रमुख 52 स्थानों पर अरविंद केजरीवाल सरकार की लापरवाही के कारण उत्पन्न जल संकट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गीता कॉलोनी कृष्णा नगर विधानसभा में, सांसद मनोज तिवारी ने जल बोर्ड कार्यालय मुखर्जी नगर में, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने खानपुर अंबेडकर नगर में, सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने पुरानी पुलिस चौकी करोड़ बाग में, सांसद बांरी स्वराज ने मोतीनगर में और सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने संगम पार्क लाल बाग में, वरिष्ठ नेता पवन शर्मा उतम नगर आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित किया और केजरीवाल सरकार के खिलाफ मटका फोड़ा। पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों के नेतृत्व में कुल 52 विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किये।

वीरेंद्र सचदेवा ने कृष्णा नगर में आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि हमने ना सिर्फ कहा बल्कि साबित भी किया कि अगर दिल्लीवालों को आज पानी नहीं मिल रहा है तो उसके इकलौते जिम्मेदार हैं अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार। पानी की चोरी और टैंकर माफियाओं को पनाह देकर आम आदमी पार्टी के विधायकों ने पानी को व्यापार बना दिया है, चाहे उसके लिए दिल्ली की जनता को पानी मिले या ना मिले। इस मौके पर भाजपा नेता डॉ अनिल गोयल, कैलाश जैन, दीपक गाबा, निगम पार्षद संदीप कपूर, मीनाक्षी शर्मा और नीमा भगत आदि उपस्थित थे।

सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के अंदर अगर पानी की चोरी और रिसाव को रोक लिया जाए तो हर दिल्लीवासी को पर्याप्त मात्रा मे पानी मिलेगा लेकिन आम आदमी पार्टी के विधायकों को दिल्ली की जनता से कोई सहानुभूति नहीं है उन्हें सिर्फ अपनी मोटी कमाई से मतलब है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अंदर एक-एक बूंद का जब तक हिसाब नहीं हो जाता तब तक भाजपा अपना संघर्ष जारी रखेगी।

दिल्ली जल बोर्ड कार्यालय मुखर्जी नगर में आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली सरकार का सभी विभाग आज भ्रष्टाचार में लिप्त है और जलबोर्ड तो इनके भ्रष्टाचार का मुख्य अड्डा बन चुका है। जलबोर्ड के अंदर ही विधायक का कार्यालय चल रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि आतिशी सिर्फ टैंकर माफियाओं को पानी बेचने के लिए ही जल मंत्री बनी हुई हैं। दिल्लीवालों के न्याय की लड़ाई हम लड़ते रहेंगे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष श्रीमती पूनम चौहान, भाजपा नेता सरदार राजा इकबाल सिंह, श्रीमती रेखा अमरनाथ सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

खानपुर में आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जब तक दिल्ली की जनता के साथ पानी का खेल खेलना बंद नहीं करेंगे तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। झूठ बोलकर उन्होंने दिल्लीवालों से वोट लिया है और तीन बार से सरकार में आने के बावजूद उन्होंने पानी के लिए कोई काम नहीं किया जबकि दर्जनों बार उन्होंने इस बात का वायदा दिल्लीवालों से किया कि उन्हें 24 घंटे नल से जल उपलब्ध करवाएंगे। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने मुरादनगर से 150 एमजीडी पानी मिलने की बात कही थी जिसको पाइपलान के माध्यम से दिल्ली के लिए लेकर आएंगे लेकिन वह भी नहीं किया। केजरीवाल सरकार ने पिछले 10 सालों में एक भी वाटर ट्रीटमेंट नहीं बना पाई। इस मौके पर प्रदेश उपाध्य गजेन्द्र यादव, निगम पार्षद श्रीमती ममता यादव, हरिश यादव, नवीन गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पोक्सो मामले में सीआईडी के सामने पेश हुए येदियुरप्पा

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस. येदियुरप्पा पोक्सो मामले में पूछताछ के लिए सीआईडी पुलिस के सामने पेश हुए। बता दें कि सीआईडी पुलिस अधीक्षक (एसपी) सारा फातिमा की अगुवाई वाली टीम मामले में येदियुरप्पा से पूछताछ करेगी। न्यायमूर्ति कृष्ण एस. दीक्षित की अध्यक्षता वाली पीठ ने येदियुरप्पा को सोमवार को बिना किसी चूक के अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था, जैसा कि उन्होंने पुलिस को दिए अपने जवाब में उल्लेख किया था। मार्च में येदियुरप्पा के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज की गई थी।

महिला ने आरोप लगाया कि जब वह मदद मांगने पूर्व सीएम के आवास पर गईं, तब उनकी बेटी को परेशान किया गया। 3 मार्च 2024 को पीड़िता की मां ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करके बताया कि उसकी नाबालिग बेटी का यौन उत्पीड़न किया गया है। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री को इसलिए निशाना बना रही है क्योंकि पार्टी लोकसभा चुनाव में हार को पचा नहीं पा रही है।

सत्ता गंवाई लेकिन ताकत बरकरार, अब भी मोदी सरकार के लिए बेहद जरूरी है जगन मोहन रेड्डी और नवीन पटनायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश की एस. जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) और ओडिशा की नवीन पटनायक की बीजू जनता दल (बीजेडी) के लिए हाल में संपन्न चुनाव सही नहीं रहे। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में दोनों ही दलों को हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि, अभी भी इन दोनों दलों की भूमिका राष्ट्रीय राजनीति में काफी महत्वपूर्ण है। इसका बड़ा कारण राज्यसभा में मौजूद दोनों दलों की ताकत है। वाईएसआरसीपी, जिसे तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने अपदस्थ कर दिया था, के पास 11 राज्यसभा सांसद हैं, जबकि बीजेडी, जो ओडिशा में भाजपा से हार गई थी, के संसद के उच्च सदन में नौ सांसद हैं।

वर्तमान में, 245 सदस्यीय राज्यसभा में 117 एनडीए सांसद, 80 इंडिया ब्लॉक सांसद और 33 अन्य हैं। निर्वाचित सदस्यों के लिए 10 और मनोनीत सदस्यों के लिए पांच रिक्तियां हैं। 10 निर्वाचित सदस्यों की रिक्तियों में से, जिसके लिए चुनाव की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है, भाजपा के पास सात, कांग्रेस के पास दो और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पास एक सीट है। फिलहाल बीजेपी इनमें से कम से कम छह सीटें जीतने का दम रखती है। ऐसे परिदृश्य में, एनडीए को कानून पारित करने के लिए दूसरों के समर्थन की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन वाईएसआरसीपी और बीजेडी का समर्थन उसे आरामदायक स्थिति में रखेगा।

जबकि बीजद ने अभी तक अपनी राज्यसभा रणनीति के बारे में बात नहीं की है हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, पार्टी ज्यादातर संसद में भाजपा के साथ ही रही है। वाईएसआरसीपी ने कहा है कि वह भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार को 'मुद्दा-आधारित' समर्थन देगी। पिछले हफ्ते, दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में, वाईएसआरसीपी नेता वी विजयसाई रेड्डी ने केंद्र सरकार से आंध्र प्रदेश में 'चुनाव-संबंधी हिंसा' का जायजा लेने के लिए कहा और कहा, 'एनडीए को राज्यसभा में बिल पारित करने के लिए हमारी संख्या की आवश्यकता होगी।÷

टीडीपी ने आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनावों में 135 सीटें और 16 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की। वाईएसआरसीपी 11 विधानसभा सीटों पर सिमट गई और लोकसभा में उसके चार सांसद हैं। वाईएसआरसीपी ने स्पष्ट किया है कि वह एनडीए या इंडिया ब्लॉक को बिना शर्त समर्थन देने को तैयार नहीं है। रेड्डी ने कहा, 'हम उन मामलों का समर्थन करेंगे जो देश के हित में हैं।' उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी के फैसले 'संवैधानिक मूल्यों पर आधारित' होंगे। वाईएसआरसीपी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वाईएसआरसीपी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर किसी भी कानून का समर्थन नहीं करेगी। हालाँकि, पार्टी ने यह सार्वजनिक नहीं किया है कि क्या वह 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का समर्थन करेगी, जो देश में राज्य और आम चुनाव एक साथ कराने के लिए भाजपा का प्रयास है, रेड्डी ने कहा कि निर्णय बाद में लिया जाएगा। बीजेडी ने अभी तक यूसीसी या 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है।

पाठ्यपुस्तकों में भारत और इंडिया का परस्पर प्रयोग, इस पर बहस बेकार: एनसीईआरटी प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा है कि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में 'भारत' और 'इंडिया' का परस्पर प्रयोग किया जाएगा, जैसा कि देश के संविधान में है। ये टिप्पणियां सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम पर काम कर रही एक उच्च स्तरीय समिति द्वारा यह सिफारिश किए जाने के मद्देनजर महत्वपूर्ण हैं कि सभी कक्षाओं की स्कूली पाठ्यपुस्तकों में 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' शब्द होना चाहिए। यहां 'पीटीआई' के मुख्यालय में संपादकों के साथ बातचीत में एनसीईआरटी प्रमुख ने कहा कि किताबों में दोनों शब्दों का इस्तेमाल किया जाएगा और परिषद को 'भारत' या 'इंडिया' से कोई परहेज नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह परस्पर उपयोग के योग्य हैं....हमारा रुख वही है जो हमारा संविधान कहता है और हम उस पर कायम हैं। हम भारत का इस्तेमाल कर सकते हैं, हम इंडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं, इसमें समस्या क्या है? हम इस बहस में नहीं हैं। जहां भी हमें ठीक लगे हम इंडिया का इस्तेमाल करेंगे, जहां भी हमें ठीक लगेगा हम भारत का इस्तेमाल करेंगे। हमें इंडिया या भारत से कोई परहेज नहीं है।' सकलानी ने कहा, 'आप देख सकते हैं कि दोनों का प्रयोग हमारी पाठ्यपुस्तकों में पहले से ही किया जा रहा है और नई पाठ्यपुस्तकों में भी यह जारी रहेगा। यह एक बेकार बहस है।' विद्यालयी पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए एनसीईआरटी द्वारा गठित सामाजिक विज्ञान की एक उच्च स्तरीय समिति ने पिछले वर्ष सिफारिश की थी कि सभी कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों में 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' शब्द रखा जाना चाहिए। समिति के अध्यक्ष सी.आई.इसाक ने कहा था कि उन्होंने पाठ्यपुस्तकों में 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' शब्द रखने, पाठ्यक्रम में 'प्राचीन इतिहास' के स्थान पर 'शास्त्रीय इतिहास÷ को शामिल करने तथा सभी विषयों के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को शामिल करने का सुझाव दिया है।

कौन हैं... लटूरलाल गुर्जर, जिसने दी सलमान को मारने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजस्थान में 25 साल के एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है, जो अभिनेता सलमान खान की जान लेना चाहता था। अरे छोड़ो यार नाम से यूट्यूब पर चैनल चलाने वाले बनवारीलाल लटूरलाल गुर्जर ने वीडियो शेयर करके अपने इरादे जाहिर किए थे। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने लटूरलाल गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, अरे छोड़ो यार यूट्यूब चैनल पर वीडियो देखने के बाद एक यूजर ने शिकायत की थी। वीडियो में गुर्जर हिंदी में बात करते हुए खुद को गोल्डी बरार, विवेक, रोहित और जितिन से खुद को जुड़ा हुआ बताकर सलमान को धमकी देता है। वीडियो में कहा, गोल्डी मेरा भाई है, नितिन, विवेक, रोहित, जितिन, सभी यहां और भी कई भाई हैं। हमारा मकसद साफ है, हम क्या चाहते हैं, हमने बताया था लेकिन वह सुन नहीं रहा है। उसका ईगो हर्ट हो जाता है। उसका एटीट्यूड है और ईगो। वह खुद को दबंग किंग खान समझता है।

वीडियो में धमकी दी जाती है, हम उसे नहीं बताएंगे कि खान क्या है और कौन कट्टरपंथी हिंदू है। ठीक है, कोई मुद्दा नहीं है, हम सभी भाई यहां मौजूद हैं। आज हमने जाल बिछा दी है। हमें पता है कि कब क्या करना है और क्या नहीं और उसके साथ क्या करना है... जो भी गलती करेगा कीमत चुकाएगा। हमें फर्क नहीं पड़ता...हम सलमान को तलाश रहे हैं और वह उसी लाइन पर पर आ रहा है, चाहे उसके पास वाई प्लस सिक्यॉरिटी हो या जेड प्लस।

वीडियो के आधार पर साउथ साइबर पुलिस ने मामला दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी के ईमेल आईडी और फोन नंबर की पहचान की। इसकी मदद से वे राजस्थान के बूंदी जिले में बनवारीलाल लटूरलाल गुर्जर तक पहुंचे। पुलिस ने लटूरलाल गुर्जर को एक हॉस्टल से गिरफ्तार किया और उसके चाचा को सूचना दी।

शहर भाजपा प्रमुख का विवादित बयान - कहा, जिसने वोट दिया करें उसका काम

वडोदरा (एजेंसी)। शहर भाजपा प्रमुख के एक बयान से राज्य की राजनीति गरमा गई है। वडोदरा शहर भाजपा के प्रमुख विजय शाह ने कहा कि जिन क्षेत्रों में लोग भाजपा को वोट नहीं करते उनके क्षेत्र के विकास के लिए ग्रांट के पैसे खर्च ना किए जाएं। विजय शाह के इस बयान के बाद शहर के भाजपा के एक विधायक ने ही नाराजगी जाहिर करते हुए पार्टी के शहर प्रमुख की मानसिकता पर सवाल उठा दिए हैं। राजनीतिक दृष्टि से वडोदरा शहर की सीट भाजपा के सुरक्षित मानी जाती है और यहां के मतदाताओं को लेकर ही पार्टी के शहर प्रमुख ने विवादित बयान दिया है। दरअसल वडोदरा के समा क्षेत्र में भाजपा के नवनिर्वाचित सांसद डॉ. हेमांग जोशी का अभिवादन समारोह आयोजित किया गया था। समारोह में भाजपा के सभी निर्वाचित प्रतिनिधि मौजूद थे। उस वक्त मंच से वडोदरा शहर भाजपा प्रमुख विजय शाह ने कहा कि वर्षों से जो लोग भाजपा को वोट नहीं देते उनके लिए ग्रांट की रकम खर्च करने का कोई अर्थ नहीं है। जहां से वोट नहीं मिलता वहां ग्रांट या कोटे की रकम खर्च कर विकास कार्य नहीं करने चाहिए7 जिन क्षेत्रों के लोग भाजपा को वोट देते हैं उन लोगों के साथ खड़े रहकर उनके इलाकों में विकास कार्य करने चाहिए। विजय शाह के इस बयान को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। भाजपा के शहर प्रमुख विजय शाह के बयान को लेकर भाजपा के वरिष्ठ विधायक योगेश पटेल ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। योगेश पटेल ने कहा कि विजय शाह का आदेश मतलब मान लेना नहीं है। विजय शाह शहर भाजपा प्रमुख हैं और उनका व्यक्तिगत विचार हो सकता है। लेकिन भाजपा इससे सहमत नहीं है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के साथ द्वेषभाव के साथ राजनीति नहीं की जा सकती। हम जब विधायक निर्वाचित होते हैं तब शपथ लेते हैं कि किसी प्रकार का किसी के साथ भेदभाव या पक्षपात नहीं रखेंगे। योगेश पटेल ने कहा कि विकास कार्यों पर सभी जातियों का एक समान अधिकार होता है। जनहित में काम करेंगे तभी वोट बढ़ेंगे। दूसरी ओर गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता निशांत रावल ने कहा कि वडोदरा शहर भाजपा प्रमुख विजय शाह का बयान उनकी मानसिकता दर्शाता है। ओछी मानसिकता वाली भाजपा ने वडोदरा की भोलीभाली जनता के साथ अन्याय किया है। ऐसी मानसिकता के कारण ही आज वडोदरा के लोग विकास से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि विजय शाह ने ऐसा बयान देकर एक प्रकार से मतदाताओं को धमकाने का प्रयास किया है।

लोकसभा अध्यक्ष पद अपने पास रखेगी बीजेपी, सहयोगियों को उपाध्यक्ष पद देगी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आम चुनाव में 240 सीटें हासिल करने के बाद लोकसभा अध्यक्ष का पद बरकरार रखना चाहती है। सूत्रों ने बताया कि पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगियों को उपाध्यक्ष का पद भी दे सकती है। केंद्रीय रक्षा मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता राजनाथ सिंह को महत्वपूर्ण संसदीय भूमिका के लिए जनता दल-यूनाइटेड (जेडी-यू) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सहित एनडीए सहयोगियों के साथ बातचीत करने का काम सौंपा गया है, जो कार्यवाही के सुचारू संचालन की सुविधा प्रदान करता है। लोकसभा सचिवालय के अनुसार, लोकसभा 26 जून को अपने नए अध्यक्ष का चुनाव करेगी, इसके लिए उम्मीदवारों के समर्थन वाले प्रस्तावों के नोटिस एक दिन पहले दोपहर तक जमा किए जा सकते हैं। सूत्रों ने कहा था कि अगर डिप्टी स्पीकर का पद उनके गुट को नहीं दिया गया, तब इंडिया ब्लॉक स्पीकर पद के लिए उम्मीदवार खड़ा कर सकता है। उन रिपोर्टों को खारिज कर जिसमें कहा गया है कि एनडीए सहयोगियों-टीडीपी और जेडी (यू.)-ने स्पीकर पद की मांग की है, पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि आम सहमति तक पहुंचने के लिए सहयोगियों के साथ चर्चा करने से पहले मामले पर आंतरिक रूप से विचार हो रहा है। जबकि आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी ने कहा कि एनडीए सहयोगियों को एक सर्वसम्मति वाले उम्मीदवार को अंतिम रूप देना चाहिए, उनके बिहार समकक्ष नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि वह भाजपा के फैसले का समर्थन करेगी। जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा है कि उनकी पार्टी और टीडीपी एनडीए का हिस्सा हैं और लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए बीजेपी द्वारा नामित उम्मीदवार का समर्थन करेगी।

अब तक 25,000 करोड़ रुपये की चपत लग चुके साइबर ठग

-केंद्र सरकार के कान खड़े.... हो रही हाईलेवल मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में साइबर फ्रॉड की जड़ काफी मजबूत हो चुकी है। इसकी वजह से हर दिन कोई न कोई इसका शिकार हो रहा है। साइबर फ्रॉड से किसी को लाखों की चपत लग रही हैं, तब किसी से करोड़ों की ठगी हो रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि पिछले तीन सालों में हम भारतीय साइबर फ्रॉड से इतने रुपए गंवा चुके हैं, जितना किसी राज्य का सालान बजट होता है। जी हां, पिछले 3 सालों में साइबर फ्रॉड से भारतीयों को 25,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। यह रकम सिक्किम राज्य के सालाना बजट से दोगुनी है।

सूत्रों की मानें, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में एक हाई लेवल की बैठक हुई है। इसमें गृह मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों ने इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और गूगल जैसे विभिन्न सोशल मीडिया मचों के साथ अपनी चिंताओं को शेयर किया है।

डेटा से खुलासा हुआ है जनवरी 2024 से जून 2024 तक सेंट्रल साइबर फ्रॉड एजेंसी को 709 शिकायतें मिलीं। इसमें पीड़ितों को 1 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। कुल नुकसान 1,421 करोड़ रुपये था। बैठक में शामिल हुए सीनियर अधिकारी ने बताया कि सरकार लगातार एक ऐसी प्रणाली पर काम कर रही है, जहां सूचना का प्रवाह तेज हो। फिलहाल, सभी कंपनियां शुरुआती चरण में भी कई तरह के डिटेल्स मांगती हैं। इसकारण साइबर फ्रॉड को रोकने की प्रक्रिया में देरी होती है।

हाल के दिनों में साइबर क्राइम के कई मामले सामने आए, मसलन- एम्स पर साइबर हमले, आईसीएमआर यानी भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद डेटा लीक और लोन देने वाले एप से फ्रॉड. नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर 2020 से फरवरी 2024 के बीच 31 लाख शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। केंद्र के एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक, सबसे बड़ी चिंता यह है कि साइबर फ्रॉड के मामलों में गिरफ्तारी की संख्या बहुत कम है।

आधिकारिक डेटा के मुताबिक, साइबर फ्रॉड से संबंधित विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा दर्ज कुल मामले या एफआईआर 66,000 से ज्यादा हैं। लेकिन अब तक गिरफ्तारियां केवल 500 हैं। सूत्रों के अनुसार, भारत सरकार ने सोशल मीडिया मंचों

से अपनी सिफारिशों पर काम करने को कहा है। सूत्रों ने कहा कि कंपनियों को लोन ऐप, पोंजी स्कीम और स्टॉक ट्रेडिंग समूहों पर फर्जी विज्ञापनों का पता लगाने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। इतना ही नहीं, सरकार ने उनसे भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों से डेटा अनुरोधों में तेजी लाने का भी आग्रह किया है। फिलहाल, इसमें सप्ताह भर का वक्त लगता है।

अडाणी की कंपनी के साथ हुई ग्रीन हाइड्रो प्लांट के लिए डील

नई दिल्ली।

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी इस समय भूटान के दौरे पर हैं। आज यानी 17 जून को अदाणी ने बताया कि उन्होंने भूटान के प्रधान मंत्री शेरिंग टोबगे से मुलाकात की और चुखा प्रांत में 570 मेगावाट जलविद्युत प्लांट के लिए भूटान के ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। अदाणी ने इस दौरान किंग जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के विजन के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए भूटान के प्रयासों की सराहना की और कहा कि वे भूटान में हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट लगाने और अन्य प्रोजेक्ट्स पर मिल रहे सहयोग से काफी उत्सुक हैं। गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भूटान के महामहिम किंग खेसर नमगेल वांगचुक से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। भूटान के लिए उनके विजन, बड़े कंप्यूटिंग सेंटर्स और डेटा फैसिलिटीज सहित गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी के लिए महत्वाकांक्षी पर्यावरण अनुकूल मास्टरप्लान से प्रेरित हूं। इन परिवर्तनकारी पहलों के साथ-साथ कार्बन निगेटिव राष्ट्र के लिए ग्रीन एनर्जी मैनेजमेंट पर सहयोग करने के लिए उत्साहित हूं! आज यानी 17 जून के बकरीद के चलते शेयर बाजार बंद हैं। अंतिम कारोबारी दिन के मुताबिक, बुस्श्च पर

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयर 0।41 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,805 रुपये पर बंद हुए थे। अदाणी ग्रीन के शेयरों ने एक साल में निवेशकों को करीब 89 फीसदी का रिटर्न दिया है।

देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। आपको बता दे कि देश के महानगरों में राजधानी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में सोमवार को पेट्रोल और डीजल के कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है तो वहीं कुछ राज्यों में इसकी कीमतें बढ़ गई हैं। राज्य स्तर पर झारखंड, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल में सोमवार को पेट्रोल-डीजल के भाव कम हो गए हैं।

जबकि हिमाचल, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब और राजस्थान में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ गई हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल

90.76 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है।

ब्रिटेन भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना

- पिछले साल मई में ब्रिटेन भारत का छठा सबसे बड़ा निर्यात बाजार था

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन मई में चीन को पीछे छोड़कर भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया। पिछले साल मई में वह भारत का छठा सबसे बड़ा निर्यात बाजार था। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुतो बिक मई में भारत से ब्रिटेन को निर्यात लगभग एक तिहाई बढ़कर 1.37 अरब डॉलर हो गया और चीन का निर्यात 1.33 अरब डॉलर ही रहा। मई में भारत का वस्तु निर्यात 9.13 फीसदी बढ़कर 38 अरब डॉलर हो गया। वैश्विक मांग में उतार-चढ़ाव और अर्थव्यवस्थाओं की रफ्तार कम होने से पिछले कई महीनों तक निर्यात में सुस्ती रही थी मगर मई में अच्छी वृद्धि हुई। अमेरिका को निर्यात में 13 फीसदी इजाफा हुआ और वह भारत का सबसे बड़ा निर्यात साझेदार बना रहा। उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को निर्यात में 19 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। नीदरलैंड भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात साझेदार है और मई में वहां के लिए निर्यात 44 फीदी चढ़कर 2.19 अरब डॉलर हो गया। भारत से चीन को निर्यात में पिछले महीने केवल 3 फीसदी इजाफा हुआ। सऊदी अरब को निर्यात में 8.46 फीसदी, सिंगापुर को 4.64 फीसदी, बांग्लादेश को 13.47 फीसदी, जर्मनी को 6.74 फीसदी और फ्रांस को निर्यात में 36.94 फीसदी बढ़ोतरी रही। भारत ने जिन 10 देशों से सबसे ज्यादा आयात करता है, उनमें से केवल 2 देशों से आयात में कमी आई। मई में सऊदी अरब से आयात में 4.11 फीसदी और स्विट्जरलैंड से आयात में 32.33 फीसदी कमी दर्ज की गई। मई में भारत का कुल वस्तु आयात 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब डॉलर हो गया। रूस से होने वाला आयात 18 फीसदी बढ़कर 7.1 अरब डॉलर हो गया, जिसकी बड़ी वजह वहां के तेल पर भारत की निर्भरता है। चीन के बाद भारत सबसे ज्यादा आयात इसी देश से करता है और यह सिलसिला मई में भी जारी रहा। पिछले महीने चीन से आयात 2.81 फीसदी बढ़कर 8.48 अरब डॉलर हो गया। स्विट्जरलैंड से मुख्य तौर पर सोने का आयात होता है। मई में वहां से भारत को आयात करीब एक तिहाई घटकर 1.52 अरब डॉलर रह गया। मई में अमेरिका से आयात 0.4 फीसदी, यूएई से 18 फीसदी, इराक से 58.68 फीसदी), दक्षिण कोरिया से 13 फीसदी और सिंगापुर से आयात 8.78 फीसदी बढ़ा।

कोयला आयात कम करने कोयला क्षेत्र में होगा सुधार

– मंत्रालय बना रहा कोकिंग कोल उत्पादन बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली ।

देश में कोयला आयात कम करने के लिए सरकार कोयला क्षेत्र में सुधार का तीसरा दौर शुरू करने वाली है। इसका उददेश्य आयात में भारी कमी करना और उद्योगों के लिए कोयले की बेरोक उपलब्धता सुनिश्चित करना है। 1971 में कोयले का राष्ट्रीयकरण होने और वर्ष 2015 में ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू होने के बाद इसे सुधारों का तीसरा दौर माना जा रहा है, जिसमें इस्पात जैसे क्षेत्रों का खास ध्यान रखा जाएगा। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए सरकार सबसे पहले नई फॉरवर्ड बिडिंग नीलामी शुरू करेगी, जिसमें देसी कोकिंग कोल की नीलामी दो तरीकों से होगी। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया` कि पहला तरीका उन इस्पात संयंत्रों के लिए उपयोग होगा जिनमें वॉशरी (कोयला धुलाई संयंत्र) भी है। दूसरा रास्ता उन इस्पात संयंत्रों के लिए होगा, जिनमें वॉशरी ही नहीं है। जो कारखाने अपना कोयला खुद धोएंगे, उन्हें उससे निकले उत्पाद भी बेचने की इजाजत होगी। अधिकारी ने कहा कि इसके लिए कोयला मंत्रालय नीलामी में बोली लगाने वालों से यह पाबंदी हटा देगा कि आखिर में कोयले का उपयोग कहां किया जा रहा है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सात सहायक इकाइयों में एक भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) इस काम के लिए वॉशरी लगाएगी। बीसीसीएल देश में कोकिंग कोल का खनन करने वाली सबसे बड़ी कंपनी है। जेएसडब्ल्यू स्टील के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम उन वॉशरी की नीलामी की बात कर रहे हैं, जिन पर कोकिंग कोयला आता है और नई वॉशरी की लिए लंबे अरसे तक कोकिंग कोयला उपलब्ध कराने की बात कर कर रहे हैं। इस नीलामी से इस्पात क्षेत्र को देश में निकला कोयला मिलता रहेगा और विदेश से आने वालो कोयले पर उसकी निर्भरता कम हो जाएगी।

म्यूचुअल फंड से अप्रैल-मई में जुड़े 81 लाख नए निवेशक

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों अप्रैल-मई में 81 लाख से ज्यादा निवेशकों के खाते जोड़े हैं। स्टॉक ट्रेडिंग मंच के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इसके अलावा फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) के बारे में बदलती धारणाएं और आय के स्तर में वृद्धि और वित्तीय बाजार तक पहुंच ने भी नए निवेशकों की संख्या वृद्धि में योगदान दिया है। फिक्स्ड डिपॉजिट योजनाएं अब म्यूचुअल फंड की तुलना में प्रतिस्पर्धी रिटर्न नहीं देती हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही म्यूचुअल फंड के लिए संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं, जिसे शेयर बाजार में चल रही तेजी, ठोस रिस्क मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज, निरंतर इन्वेस्टर एजुकेशन और लगातार मार्केटिंग प्रयासों से समर्थन मिल रहा है। विशेषज्ञों ने कहा कि इसके अलावा इंडस्ट्री में अच्छी वृद्धि जारी रहेगी क्योंकि बचतकर्ता अपने लांग-टर्म गोल्स के लिए वैकल्पिक रास्ते तलाश रहे हैं। पीजीआईएम इंडिया म्यूचुअल फंड के एक अधिकारी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत की प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी, निवेशक ऐसे एसेट क्लासेज में पैसा

बचाना चाहेंगे, जिनमें मंहगाई को मात देने और वेल्थ क्रिएशन की क्षमता है। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ेगी, यह इंडस्ट्री स्तर पर हायर फोलियो बेस में तब्दील हो जाएगा।

एनटीपीसी ग्रीन को शेयर बाजार में लिस्ट कराएगी कंपनी

नई दिल्ली । देश और दुनिया में ग्रीन एनर्जी पर बढ़ते फोकस की वजह से देश की सबसे बड़ी थर्मल पावर कंपनी एनटीपीसी ने ग्रीन एनर्जी के फील्ड में प्रवेश करने का फैसला किया है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी सोलर, हाइड्रोजन और विंड एनर्जी जैसे कामकाज करती है। एनटीपीसी ने अपनी सहयोगी कंपनी के रूप में एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड स्थो पित की है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद भी एनटीपीसी की सहयोगी कंपनी बनी रहेगी। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी कार्बनिक और इनॉर्गेनिक रूट से कई ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट लगाती है। कंपनी साल 2032 तक 60 गीगावॉट ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट लगाना चाहती है। शेयर बाजार के कवि विशेषज्ञों ने एनटीपीसी के शेयरों को 455 रुपए के टारगेट के लिए खरीदने की सलाह दी है। नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन भारत की महारत्न पीएसयू कंपनी है जो साल 2024 में अब तक अच्छी तेजी दिखा रही है। बंबई स्टॉक एक्सचेंज में एनटीपीसी के शेयरों में इस साल 20 फ़ीसदी तक की तेजी आई है। एनटीपीसी के शेयर इस समय 370 रुपए के लेवल से नीचे कामकाज कर रहे हैं लेकिन कई ब्रोकरेज ने एनटीपीसी के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है।

यूएई से सोना-चांदी का आयात बढ़ा, एफटीए में शुल्क संशोधन की जरूरत-जीटीआरआई

नई दिल्ली । देश का अपने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) साझेदार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सोने और चांदी का आयात 2023-24 में बढ़कर 10.7 अरब डॉलर हो गया है। इस उछाल को कम करने के लिए समझौते के तहत रियायती सीमा शुल्क दरों में संभावित रूप से संशोधन करने की आवश्यकता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार सोने और चांदी के आयात में यह तीव्र वृद्धि मुख्य रूप से भारत-संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत भारत द्वारा यूएई को दी गई आयात शुल्क रियायतों से संभव हो पाई है। जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार भारत असीमित मात्रा में चांदी के आयात पर सात प्रतिशत शुल्क या सीमा शुल्क रियायतें और 160 मीट्रिक टन सोने पर एक प्रतिशत रियायत देता है। सीईपीए पर फरवरी 2022 में हस्ताक्षर किए गए और मई 2022 में इसे लागू किया गया। इसके अतिरिक्त भारत गिफ्ट सिटी में इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) के जरिए निजी कंपनियों को यूएई से आयात करने की अनुमति देकर सोने और चांदी के आयात की सुविधा देता है। पहले केवल अधिकृत एजेंसियां ही ऐसे आयातों को संभाल सकती थीं। रिपोर्ट में कहा गया` कि भारत का यूएई से कुल आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 53.2 अरब अमरीकी डॉलर से 9.8 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 48 अरब अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि सोने तथा चांदी का आयात 210 प्रतिशत बढ़कर 3.5 अरब अमरीकी डॉलर से 10.7 अरब अमरीकी डॉलर हो गया। शेष सभी उत्पादों का आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 49.7 अरब अमरीकी डॉलर से 25 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 37.3 अरब अमरीकी डॉलर हो गया।

अमूल ने महिला से आइसक्रीम का टब वापस करने अनुरोध किया

नई दिल्ली ।

आइसक्रीम में कनखजूरा मिलने की शिकायत के बाद अमूल ने नोएडा में महिला ग्राहक से आइसक्रीम का टब वापस करने का सोमवार को अनुरोध किया ताकि उसकी जांच की जा सके। कंपनी ने साथ ही कहा कि वह भारत और वैश्विक बाजारों में बेहतर गुणवत्ता वाले दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि नोएडा में एक महिला ने दावा किया है कि उसने एक इंस्टेंट डिलीवरी ऐप के जरिए आइसक्रीम मंगवाई थी, जिसके अंदर उसे एक कनखजूरा मिला है। अमूल ब्रांड के तहत दुग्ध उत्पादों का विपणन करने वाले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) ने नोएडा में महिला ग्राहक को हुई असुविधा पर खेद व्यक्त किया। नोएडा के खाद्य सुरक्षा विभाग ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। अमूल ने एक बयान में कहा कि उसने सोशल मीडिया पर मिली शिकायत पर तुरंत गौर किया। इस घटना के कारण उन्हें हुई असुविधा के लिए हमें बेहद खेद है। अमूल ने कहा कि उसके दल ने ग्राहक से संपर्क किया और उसी दिन रात साढ़े नौ बजे के बाद उससे मुलाकात की। बयान के अनुसार ग्राहक के साथ हमारी बैठक के दौरान हमने ग्राहक से जांच के लिए उक्त आइसक्रीम टब उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था, दुर्भाग्य से ग्राहक ने इसे सौंपने से इनकार कर दिया। जब तक ग्राहक से शिकायत वाला उत्पाद वापस नहीं मिल जाता तब तक हमारे लिए मामले की जांच करना मुश्किल होगा और इसलिए इस मुद्दे पर हम कोई टिप्पणी नहीं कर पाएंगे।

टाटा पंच ईवी और नेक्सॉन ईवी की अच्छी डिमांड

- टाटा की दो इलेक्ट्रिक कार के दीवाने हुए लोग

नई दिल्ली ।

वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के कुछ आकर्षक आंकड़े सामने आए हैं। टाटा पंच ईवी और नेक्सॉन ईवी की अपने सेगमेंट में अच्छी डिमांड देखी जा रही है। टाटा पंच ईवी को लॉन्च हुए केवल 5 महीने हुए हैं और इसी के भीतर इस इलेक्ट्रिक कार ने 10,000 यूनिट की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है, जबकि नेक्सॉन ईवी ने 2020 में लॉन्च होने के बाद से 68,000 से अधिक बिक्री का आंकड़ा हासिल किया है। कुल मिलाकर दोनों कारों की 78,000 यूनिट्स बिक चुकी हैं। फीचर्स की बात करें तो, नेक्सॉन ईवी वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले के साथ 12.3 इंच का टचस्क्रीन सिस्टम, 10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, 9-स्पीकर जेबीएल सिस्टम, रियर वेंट के साथ स्वचालित एसी, वायरलेस फोन चार्जर और सनरूफ जैसे फीचर्स के साथ आती है। इसमें सामने वेन्टीलेटेड सीटें भी मिलती हैं। वहीं पंच ईवी की बात करें तो, इसमें डुअल-स्क्रीन सेटअप, एयर प्योरिफायर, 6-स्पीकर, क्रूज कंट्रोल, एम्बिएंट लाइटिंग और सनरूफ जैसे फीचर्स मिलते हैं। सुरक्षा के लिहाज से, दोनों एसयूवी में छह एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, ऑल-व्हील डिस्क ब्रेक और ऑटो होल्ड के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक मिलता है। इसमें ब्लाइंड स्पॉट व्यू मॉनिटर, हिल होल्ड कंट्रोल और हिल डिसेंट कंट्रोल भी शामिल है।नेक्सान ईवी में फ्रंट पार्किंग सेंसर भी मिलता है। हाल ही में, नेक्सॉन ईवी और पंच ईवी दोनों का भारत एनसीएपी ने क्रैश टेस्ट किया है जिसमें दोनों एसयूवी को 5-स्टार रेटिंग मिली है। दोनों एसयूवी में इको, सिटी और स्पोर्ट मोड जैसे मल्टी-ड्राइव मोड भी मिलते हैं। इनमें मल्टी-मोड रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग के 4 लेवल भी मिलते हैं।टाटा पंच ईवी की कीमत 10.99 लाख रुपये से 15.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है, और यह सिट्रोएन ईसी3 से टक्कर लेती है, जबकि यह टाटा टियागो ईवी और एमजी कॉमेट ईवी का एक प्रीमियम विकल्प भी है।

दूसरी ओर, टाटा नेक्सान ईवी की कीमत 14.49 लाख रुपये से 19.49 लाख रुपये के बीच है और यह एमजी ज़ेडएस ईवी और हयूदै कोना इलेक्ट्रिक के किफायती विकल्प के रूप में काम करते हुए सीधे तौर पर महिंद्रा एक्सयूवी 400 ईवी को टक्कर देती है। बता दें कि अगर इलेक्ट्रिक वाहनों की बात की जाए टाटा मोटर्स इस सेगमेंट में मार्केट लीडर है। मौजूदा समय में कंपनी भारतीय बाजार में चार इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री कर रही है।

कंपनी की इलेक्ट्रिक व्हीकल लाइनअप में हैचबैक और कॉम्पैक्ट सेडान से लेकर कॉम्पैक्ट एसयूवी तक शामिल है। इस वजह से टाटा मोटर्स को कम्पटीशन के मुकाबले एडवांटेज मिलती है।

वेदांता का 10 अरब डॉलर की पूर्व आय हासिल करने का लक्ष्य

नई दिल्ली । खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता समूह की निकट भविष्य में 10 अरब अमेरिकी डॉलर की कर पूर्व आय हासिल करने के लक्ष्य को 50 से अधिक उच्च प्रभाव वाली वृद्धि परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन से बल मिलेगा। इनमें जस्ता, एल्युमीनियम, तेल एवं गैस तथा बिजली कारोबार शामिल हैं। वेदांता समूह द्वारा आयोजित साइट विजिट पर आए 45 से अधिक कोष प्रबंधकों और विश्लेषकों के समक्ष प्रस्तुत की गई पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के अनुसार ये परियोजनाएं पूरी होने के अग्रिम चरण में हैं। इस प्रस्तुति के अनुसार वेदांता समूह इन मौजूदा वृद्धि परियोजनाओं में करीब आठ अरब डॉलर निवेश कर रहा है। कंपनी की इस वर्ष के अंत तक सभी विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद पांच अतिरिक्त संस्थाओं को बाजार में सूचीबद्ध करने की भी योजना है।

साल 2030 तक 2 लाख करोड़ निवेश करेंगी दिग्गज वाहन कंपनियां

नई दिल्ली ।

देश के अग्रणी यात्री वाहन निर्माताओं ने अगले कुछ साल में 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश का खाका तैयार किया है। वाहन दिग्गजों जैसे टाटा मोटर्स, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा, मारुति सुजूकी इंडिया, ह्युंडै मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, निसान मोटर कॉरपोरेशन और रेनो एसए ने उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी, वाहनों के विकास पर बड़े निवेश के अलावा और स्वच्छ व पर्यावरण अनुकूल तकनीक को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। पिछले हफ्ते इलेक्ट्रिक वाहन में भारत की अग्रणी टाटा मोटर्स ने कहा था कि वह वित्त वर्ष 2030 तक अपनी ईवी इकाई में 16 से 18,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च की योजना बना रही है। कंपनी का इरादा मार्च 2026 तक छह और मॉडल उतारने का है। पिछले तीन साल में टाटा मोटर्स के लिए बिक्री दमदार रहीपिछले तीन साल में टाटा मोटर्स के लिए बिक्री दमदार रही है और यह वित्त वर्ष 2021-22 के 3.72 लाख के मुकाबले वित्त वर्ष 2022-23 में 5.41 लाख और वित्त वर्ष 2023-24 में 5.73 लाख वाहन पर पहुंच गई। भारतीय यात्री वाहन बाजार वित्त वर्ष 30 तक 60 लाख वाहन पर पहुंचने की संभावना है, जो वित्त वर्ष 24 में 43 लाख रहा है। कोरियाई वाहन दिग्गज ह्युंडै मोटर ने अगले 10 साल में 32,000 करोड़ रुपए के निवेश का खाका खींचा है। देसी बाजार में 14.6 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली कोरियाई कंपनी का स्थान भारत में मारुति के बाद दूसरा है, जिसके पास 41.7 फीसदी हिस्सेदारी है।` सियाम के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। मारुति ने साल 2023 में ऐलान किया था कि वह पहली ईवी एसयूवी 2023-24 में उतारेगी। हालांकि अब इसे उतारने की तारीख 2024-25 हो गई है। कुल मिलाकर मारुति का इरादा 2029-30 तक भारत में छह ईवी उतारने का है।

पेटीएम के फिल्म और इवेंट टिकटिंग कारोबार खरीदेगा जोमेटो

नई दिल्ली । पेटीएम अपनी फिल्म और इवेंट टिकटिंग कारोबार को बेचने के लिए फूड डिलिवर कंपनी जोमैटो के साथ बातचीत कर रही है। एक रिपोर्ट में मामले से परिचित सूत्रों के हवाले से बताया कि संकट से जूझ रही फिनटेक कंपनी कमजोर बिक्री के बीच पुनरुद्धार की रणनीति बना रही है। सूत्रों के मुतो बिक पेटीएम, जिसे आधिकारिक तौर पर वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता है और ऑनलाइन फूड डिलीवरी फर्म जोमैटो के बीच चर्चा एडवांस स्टेज में है। हालांकि इस डील के लिए अन्य दावेदार भी हैं। सूत्रों ने कहा कि बातचीत चल रही है और कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। पेटीएम के एक अे धिकारी ने पिछले महीने अपने पहले बिक्री गिरावट की सूचना दी और गैर-प्रमुख संपत्तियों को कम करने का वादा किया। इसके साथ ही नौकरी में कटौती की चेतावनी भी दी, जो पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) पर नियामक कार्रवाई के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई है, जिससे फिनटेक के व्यापार का अधिकांश हिस्सा प्रभावित हुआ है और इसे ऋणदाताओं के साथ नई साझेदारी बनाने के लिए मजबूर किया है। पेटीएम पीपीबीएल को नियंत्रित नहीं करता है लेकिन इस साल की शुरुआत में केंद्रीय बैंक के कदम से पहले डिजिटल वॉलेट और भुगतान ट्रैफिक के लिए उस पर निर्भर था। पेटीएम और जोमैटो ने नियमित व्यावसायिक घंटों के बाहर टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया।

पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त 18 जून को जारी होगी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जून को 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे। तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करने से जुड़ी फाइल पर ही हस्ताक्षर किए थे। पीमए किसान योजना की शुरुआत साल 2019 में हुई थी। 16 किस्े तों में केंद्र सरकार अब तक इस योजना के तहत किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित कर चुकी है। पीएम किसान की वेबसाइट पर मौजूद बेनिफिशियरी लिस्ट देखकर यह पता चल जाएगा कि आपके खाते में पैसे आएंगे या नहीं। मालूम हो कि सरकार की ओर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हर साल पहली किस्त अप्रैल से जुलाई, दूसरी किस्त अगस्त से नवंबर और तीसरी किस्त दिसंबर से मार्च के बीच ट्रांसफर की जाती है। पीएम किसान योजना संबंधी किसी भी तरह की समस्या पर किसान ईमेल आईडी पीएमे किसान-इक्टएटदरेटजीओवीडॉटइन पर संपर्क कर सकते हैं। पीएम किसान योजना के हेल्पलाइन नंबर- 155261 या 1800115526 या फिर 011-23381092 के जरिए संपर्क कर सकते हैं।

सैमसन , यशस्वी सहित इन चार क्रिकेटरों को सुपर आठ में भी अवसर मिलना मुश्किल

बारबडोस (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के चार खिलाड़ियों को अब तक टी20 विश्वकप में अवसर नहीं मिला है। अब सुपर आठ में इन खिलाड़ियों में से किसी एक को अवसर मिलना कठिन दिख रहा है। भारतीय टीम को सुपर-8 में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। विश्वकप में अब तक संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल, कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को एक भी मैच खेलने को नहीं मिला है। जिस प्रकार टीम ने अब तक खेला है। उसको देखते हुए उसमें बदलाव की उम्मीद नहीं है। ऐसे में लगता है कि इन खिलाड़ियों को बाहर ही बैठना पड़ सकता है। भारतीय टीम को अब अपने सभी मैच वेस्टइंडीज में खेलने हैं। इसकी पिचों पर स्पिनरों को सहायता मिलती है, उसे देखते हुए केवल कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल में से किसी एक को अवसर मिल सकता है पर उसके लिए अक्षर पटेल आर रविन्द्र जडेजा में से किसी एक हो हटना होगा जो अभी कठिन नजर आता है।

यशस्वी जायसवाल: सलामी बल्लेबाजी यशस?वी जायसवाल को इस बार मिलना संभव नहीं है क्योंकि विराट कोहली अभी रोहित शर्मा के साथ पारी शुरु कर रहे हैं। विराट को शायद ही एक बार फिर नंबर-3 पर खेलने को भेजा जाये। ऐसे में यशस्वी को आगे भी अवसर मिलना कठिन दिख रहा है।

संजू सैमसन: विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर संजू सैमसन को टीम इंडिया में शामिल किया गया था पर जिस प्राकर से ऋषभ पंत ने विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी की है उसको देखते हुए उन्हें बाहर करना संभव नजर नहीं आता। इसलिए सैमसन को अवसर मिलना संभव नहीं दिखता।

कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल: स्पिनर कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल अब तक टीम इंडिया के साथ बेंच पर बैठे हुए ही नजर आए। अमेरिका की पिचों पर तेज गेंदबाजों को ज?यादा मदद मिलने के कारण इन्हें अवसर नहीं मिला। अब कैरिबियाई पिचों को देखते हुए एक अतिरिक्त स्पिनर को मौका दिया जा सकता है. लेकिन फिर भी चहल और कुलदीप में से किसी एक को मौका मिलना मुश्किल नजर आता है।

चिंता की बात नहीं... जब जरुरत होगी कोहली ठोंक देगा रन

– भारतीय बल्लेबाजी कोच ने दिया जबाव

लॉडरहिल (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप में विराट कोहली का लगातार खराब फॉर्म कोई चिंता की बात नहीं है, क्योंकि वह नेट पर शानदार फॉर्म में हैं। वे सुपर आठ से पहले कहीं ज्यादा जोश में दिख रहे हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कोहली ने अब तक आयरलैंड, पाकिस्तान और यूएसए के खिलाफ क्रमश- 1, 4 और 0 रन बनाए हैं। राठौर ने कहा, मुझे अच्छा लगता है जब मैं आता हूं, तब हर बार विराट कोहली के बारे में सवाल पूछा जाता है कि वह अच्छा कर रहे हैं या नहीं। बिल्कुल भी चिंता की बात नहीं है। वह (कोहली) जिस टूर्नामेंट (आईपीएल) से आया है, उससे शानदार बल्लेबाजी कर रहा है। यहां कुछ आउट होने से कुछ नहीं बदलता, वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है।

राठौर को भरोसा है कि कोहली तब अच्छा प्रदर्शन करेगा जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी। उन्होंने कहा, वास्तव में, यह अच्छा है कि वह थोड़ा भूखा है, वह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक है और वास्तव में तैयार है। बल्लेबाजी कोच ने शिवम दुबे और अक्षर पटेल सहित चार ऑलराउंडर खेलना तय है या नहीं, इस सवाल को टाल दिया। उन्होंने कहा, फिर से हमें एक लचीली टीम बनने की जरूरत है। हमें उन परिस्थितियों को देखने की जरूरत है जो हमारे सामने हैं और उनसे निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसलिए एक टीम के रूप में मुझे लगता है कि हम वास्तव में लचीले होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हम उस दिन जो भी परिस्थितियां होंगी, उसके हिसाब से टीम का चयन करना चाहते है। हमारी टीम में किसी भी तरह की परिस्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। उन्होंने कहा कि सुपर आठ से पहले फ्लोरिडा में कुछ खेल का समय निश्चित रूप से मददगार होता। राठौर ने कहा, लेकिन अगर खेल होता तब इससे हमें वास्तव में मदद मिलती। हम वास्तव में खेल खेलने, क्रिकेट का अच्छा खेल खेलने के लिए उत्सुक थे।

गंभीर के मुख्य कोच बनते ही भारतीय टीम में बदलाव तय

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर का भारतीय टीम का अगला मुख्य कोच बनना तय नजर आ रहा है। वर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्वकप के साथ ही समाप्त हो जाएगा। माना जा रहा है कि जून के अंतिम सप्ताह में बीसीसीआई गंभीर की नियुक्ति को लेकर आधिकारिक घोषणा करेगी। माना जा रहा है कि बीसीसीआई ने कोच पद स्वीकार करने को लेकर गंभीर की शर्तों को मान लिया है। गंभीर की मांग थी की उन्हें टीम पर पूरा नियंत्रण मिलना चाहिये। इसके साथ ही सहयोगी स्टाफ भी उनकी पसंद का ही रहेगा। इसके अलावा खराब प्रदर्शन कर रहे सीनियर खिलाड़ियों को बाहर करने के भी अधिकार उन्हें दिये जायें। टेस्ट के लिए वह अलग टीम बनाने के साथ ही 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए अभी भी योजना बनाएंगे।

गंभीर के कोच बनते ही टीम में बड़े बदलाव होने तय है। वहीं कहा जा रहा है कि चार अनुभवी खिलाड़ियों को भी किसी न किसी प्रारुप से बाहर होना पड़ सकता है। ये हैं विराट कोहली, रोहित शर्मा रविन्द्र जाडेजा और मोहम्मद शमी।

विराट कोहली : साल 2008 में अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत करने वाले विराट ने भारत को कई मैच जिताए हैं और सभी प्रारुपों में जमकर रन बनाये हैं पर गंभीर का मानना है कि अब विराट को सिर्फ टेस्ट और वनडे फॉर्मेट पर ही फोकस करना चाहिए। टी-20 में नए खिलाड़ियों को मौका मिलने की जरूरत है।

रोहित शर्मा : भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भारत के लिए 2007 में डेब्यू किया था। विराट की कप्तानी छोड़ने के बाद उन्हें कप्तान बनाया गया। फिलहाल वह तीनों फॉर्मेट में भारत की अगुवाई कर रहे हैं। वैसे भी बीते कई साल से टी-20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा है। ऐसे में गंभीर के आने से वह इस प्रारुप से बाहर हो सकते हैं।

रविंद्र जडेजा : रविंद्र जडेजा सफेद गेंद प्रारुप में भारतीय टीम में बिना विशेष प्रदर्शन के ही चयनित होते जा रहे हैं। 2022 टी-20 विश्व कप, 2023 वनडे विश्व कप, मौजूदा टी-20 विश्व कप पिछले हर बड़े टूर्नामेंट में जडेजा ने निराश किया है। अब वह केवल स्वदेश में टेस्ट ही खेलने के लायक है और ऐसे में गंभीर के कार्यकाल में जडेजा बाहर हो सकते हैं।

मोहम्मद शमी- गंभीर शमी को टेस्ट में लगातार खिलाना चाहते हैं। साथ ही 2027 एकदिवसीय विश्व कप पर भी उनकी नजर हैं। ऐसे में अब कार्यभार प्रबंधन के तहत शमी को टी-20 टीम से

टी20 विश्वकप के सुपर मुकाबले 19 जून से , भारत का पहला मुकाबला अफगानिस्तान से होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट लूसिया (ईएमएस)। टी20 विश्वकप में अब 19 जून से सुपर आठ मुकाबले शुरु होंगे। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सुपरआठ मे पहुंची हैं। इस प्रकार चार ग्रुप से आठ टीमें सुपर आठ में पहुंची हैं। इसमें ग्रुप एक से भारत और अमेरिका जबकि ग्रुप-बी से ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड। वहीं ग्रुप-सी-से अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज जबकि ग्रुप-डी से दक्षिण अफ्रीका व बांग्लादेश की टीमें शामिल हैं। सुपर-8 के ग्रुप एक में भारत, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें हैं जबकि ग्रुप-2 में अमेरिका इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीम है। सुपर आठ मुकाबलों की शुरुआत 19 जून से अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबलों से शुरु होगी।

भारतीय टीम सुपर-8 चरण में खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 22 जून को एंटीगा में बांग्लादेश से उसका मुकाबला होगा। 24 जून को भारतीय मैच खेलेगी। ये सभी मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से शुरु होंगे।

सुपर-8 के मैचों का कार्यक्रम

19 जून-अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका, एंटीगा, रात 8 बजे
20 जून-इंग्लैंड और वेस्टइंडीज, सेंट लूसिया, सुबह 6 बजे
20 जून-अफगानिस्तान और भारत, बारबाडोस, रात 8 बजे
21 जून-ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश, एंटीगा, सुबह 6 बजे
21 जून-इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, सेंट लूसिया, रात 8 बजे
22 जून-अमेरिका और वेस्टइंडीज, बारबाडोस, सुबह 6 बजे
22 जून-भारत और बांग्लादेश, एंटीगा, रात 8 बजे
23 जून-अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया, सेंट विंसेंट, सुबह 6 बजे
23 जून-अमेरिका और इंग्लैंड, बारबाडोस, रात 8 बजे
24 जून-वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका, एंटीगा, सुबह 6 बजे
24 जून-ऑस्ट्रेलिया और भारत, सेंट लूसिया, रात 8 बजे
25 जून-अफगानिस्तान और बांग्लादेश, सेंट विंसेंट, सुबह 6 बजे
27 जून-सेमीफाइनल 1, गुयाना, सुबह 6 बजे
27 जून-सेमीफाइनल 2, त्रिनिदाद, रात 8 बजे
29 जून-फाइनल, बारबाडोस, रात 8 बजे।

जल्द ही टी20 में एक-दूसरे के खिलाफ खेलेगी स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रेलिया

एडिनबर्ग । स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रेलिया जल्द ही टी20 सीरीज खेलेगी। महीने के अंत में इंग्लैंड दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया टीम 4, 6 और 7 सितंबर को द ग्रेंज, एडिनबर्ग में स्कॉटलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार वनडे मैच खेलने के लिए 2013 में स्कॉटलैंड का दौरा किया था, जहां उन्होंने 200 रन की बड़ी जीत हासिल की थी।

क्रिकेट स्कॉटलैंड के मुख्य टुडी लिंडब्लेड ने कहा कि स्कॉटिश क्रिकेट को सभी स्तरों पर बेहतर बनाने के लिए काम हो रहा है, और मैं उनके निरंतर समर्थन के लिए सभी को धन्यवाद देता हूं क्योंकि साथ मिलकर हम हर दिन स्कॉटिश क्रिकेट को बेहतर बनाने में जुटे हुए हैं। हमें अपने स्वयंसेवकों, कोचों, प्रशासकों के काम पर गर्व है। अब तक स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ 5 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली हैं। उनके सभी मैच वनडे रहे हैं। स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बेरिंगटन ने टी20ई श्रृंखला में ऑस्ट्रेलियाई टीम का सामना करने की संभावना पर कहा कि गर्मियों के अंत में इस घरेलू श्रृंखला का आयोजन शानदार है। मैं भाग्यशाली था। जब आखिरी बार 2013 में ऑस्ट्रेलिया ने दौरा किया था, तब भी अपनी टीम के लिए खेला था।

मैदानी कवर न रखने वाले स्टेडिमयमों में मैच नहीं रखें : गावस्कर

फ्लोरिडा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने मैदानी कवर न रखने वाले स्टेडिमयमों में मैच नहीं रखने को कहा है। टी20 विश्व कप में बारिश के कारण कुछ मैच नहीं हो पाये क्योंकि मैदान गीले थे। इसी को देखते हुए गावस्कर ने ये बात कहीं है। इसमें भारत और कनाडा का मुकाबला एक भी गेंद फेंके बिना ही रद्द कर दिया गया था। यह बारिश के कारण रद्द होने वाला लगातार तीसरा मैच है। गावस्कर ने इसी को देखते हुए एक शो के दौरान कहा कि आईसीसी को उन मैचों की मेजबानी नहीं करनी चाहिए जहां पूरे मैदान को कवर करने के लिए कोई कवर नहीं है। साथ ही कहा कि आप केवल पिच को कवर करके ही मैच नहीं करा सकते हैं। मैदान के अन्य हिस्सों को भी गीला होने से बचाना होगा। फ्लोरिडा में पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश के कारण स्टेडिममों में आउटफील्ड गीली हो गई थी।

एकदिवसीय शतकों के मामले में हरमनप्रीत से आगे निकलीं मंधाना

बेंगलुरु । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज मंधाना ने यहां दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में 117 रनों की शतकीय पारी खेलने के साथ ही कप्तान हरमनप्रीत कौर का एक रिकार्ड तोड़ दिया। स्मृति ने मैच में 127 गेंदों पर 117 रन बनाए जो इस प्रारूप में उनका छठा शतक है। इससे भारतीय टीम ने आठ विकेट पर 265 रन बनाये। स्मृति का यह स्वदेश में पहला शतक भी है। स्मृति ने इसी के साथ हरमनप्रीत के एकदिवसीय में लगाए पांच शतकों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। स्मृति के अब एकदिवसीय प्रारुप में छह शतक हो चुके हैं। भारत की ओर से एकदिवीसय में सबसे ज्यादा शतक पूर्व कप्तान मिथाली राज के हैं। मिताली ने अपने करियर में सात शतक लगाये थे। वहीं स्मृति ने कहा कि मुझे पता था कि मैंने भारत में शतक नहीं बनाया है, पर जब मैं बल्लेबाजी कर रही थी तो यह बात मेरे दिमाग में नहीं आई। मुझे इस बात की खुशी है कि हमने 260 से अधिक रन बनाये। स्मृति ने जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के माध्यम से आखिरी बार प्रारूप खेलने के बाद एकदिवसीय खेलने के लिए की गई तैयारी को लेकर कहा कि लंबे समय के बाद एकदिवसीय क्रिकेट खेलते हुए नेट्स पर अपने शॉट्स को नियंत्रण में रखना कठिन था।

कप्तानी छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है, यह फैसला पीसीबी का है: बाबर आजम

फोर्ट लाउडरहिल (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण से बाहर होने के बाद आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उन्होंने कप्तानी छोड़ने के बारे नहीं सोचा है और इस बारे में कोई फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से बातचीत के बाद किया जायेगा। पिछले टी20 विश्व कप (2022) के उपविजेता पाकिस्तान को ग्रुप ए में अपने शुरुआती दो मैचों में अमेरिका और भारत से शिकस्त का सामना करना पड़ा, जिससे टीम सुपर आठ चरण में जगह बनाने में विफल रही।

एकदिवसीय विश्व कप (2023) के बाद टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण में बाहर होने के कारण भारी आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान से जब आयरलैंड के खिलाफ खेले गये मैच के बाद

पूछा गया कि क्या उनकी इस्तीफा देने की कोई योजना है, तो उन्होंने पलटवार किया। आयरलैंड को तीन विकेट से हराने के बाद बाबर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब मैं वापस जाऊंगा (पाकिस्तान) तो हम उन सभी चीजों पर चर्चा करेंगे जो यहां हुई हैं। अगर मुझे कप्तानी छोड़नी होगी, यह फैसला, मैं आपको खुलकर बताऊंगा। मैं पर्दे के पीछे कुछ भी घोषणा नहीं करूंगा। जो कुछ भी होगा वह सब के सामने होगा।''

बाबर ने कहा कि पीसीबी ने उन्हें फिर से कप्तानी सौंपी थी और इसके जारी रखने पर कोई भी फैसला उन्हीं का होगा। उन्होंने कहा, ''मैंने इसके बारे में नहीं सोचा है। निर्णय पीसीबी का है।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी भी नेतृत्व की भूमिका की मांग नहीं की है। दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, '' कप्तानी के बारे में बात करें तो जब मैंने इसे (वनडे विश्व कप के बाद) छोड़ा था, तो मैंने सोचा था कि अब मुझे यह नहीं करना चाहिए, इसलिए मैंने इसे छोड़ दिया और मैंने खुद इसकी घोषणा की। फिर जब उन्होंने इसे मुझे वापस दिया, तो यह यह पीसीबी का निर्णय था।''

इस दौरान बार-बार कप्तानी को लेकर सवाल पूछे जाने से बाबर झल्ला गए और उन्होंने निराशाजनक अंदाज में कहा कि टीम की हार के लिए सिर्फ उन्हें बलि का बकरा नहीं बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, '' हर कोई निराश है। हम एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले। मैंने आपको पहले भी कहा कि हम किसी एक खिलाड़ी की वजह से नहीं हारे हैं।''

बाबर ने कहा, '' हम एक टीम के तौर पर हारे हैं। मैं कप्तान हूं इसलिए आप बार-बार मेरे ऊपर उंगली उठा रहे हैं, मै सभी खिलाड़ी की जगह नहीं खेल सकता। टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं और हर किसी की अपनी भूमिका होती है।'' उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हम चीजों को लागू करने, उसका पालन करने और सही तरीके से खत्म करने में सक्षम नहीं रहे हैं। हमें शांत होकर यह स्वीकार करना होगा कि हम एक टीम के रूप में अच्छा नहीं खेल सके।

52 वर्षीय महिला धाविका नताली ने 1,000 किमी रेस पूरी कर रिकार्ड बनाया

–सबसे तेजी से मलेशियाई प्रायद्वीप को पर किया

सिंगापुर सिटी । 52 साल की धाविका नताली डाउ ने भीषण गर्मी के बाद भी 12 दिन में 1,000 की दौड़ पूरी कर एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। नताली ने थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर को पार करते हुए 12 दिनों में 1,000 किलोमीटर की दौड़ लगायी। इस दौरान ये धाविका भीषण गर्मी और कूल्हे की गंभीर चोट से भी परेशान थी पर उसने हौंसला नहीं खोया और हर दिन दो मैराथन के बराबर दौड़ीं। नताली की ये यात्रा 5 जून को सिंगापुर में खत्म हुई। इस असाधारण उपलब्धि के कारण उसे सबसे तेज़ 1,000 किमी थाईलैंड-सिंगापुर अल्ट्रामैराथन के लिए सिंगापुर का रिकॉर्ड मिला। इसके अलावा सबसे तेज़ गति से मलेशिया प्रायद्वीप को पैदल पार करने के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से प्रमाण पत्र भी मिलने वाला है। इस धाविका ने कहा, मुझे खेल की चुनौतियां पसंद हैं, इसकी सहजता पसंद है पर मुझे निराशा के क्षण पसंद नहीं हैं। हालांकि ये अक्सर आते रहते हैं। इस धाविका की दौड़ के कारण वैश्विक चैरिटी जीआरएलएस के लिए 50,000 डॉलर से अधिक की राशि एकत्र हुई है। चैरिटी जीआरएलएस खेलों के जरिये से महिलाओं और लड़कियों का समर्थन करती है, जिसका उद्देश्य उनके नेतृत्व कौशल को विकसित करना है। उन्होंने कहा, चाहे आप पहले स्थान पर आएं या आखिरी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आपने कुछ ऐसा किया है जो लगभग अलौकिक है, ऐसा कुछ जो दुनिया की 0.05फीसदी आबादी कभी नहीं करेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ये यात्रा बेहद कठिन थी। 35 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में दौड़ने के कारण उनके जूते तक पिघल गए और पहले ही दिन से उन्हें कूल्हे में चोट लग गई। तीसरे दिन तक उन्हें मूत्र मार्ग में संक्रमण हो गया। हालांकि उसने ने इन चुनौतियों का सामना किया। हर दिन, उन्होंने कम से कम 84 किलोमीटर की दूरी तय की।

पाकिस्तान ने आयरलैंड को तीन विकेट से हराकर जीत से अभियान खत्म किया

लॉडरहिल (एजेंसी)। पाकिस्तान ने शाहीन शाह अफरीदी की अगुआई में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान बाबर आजम की नाबाद 32 रन की पारी से रविवार को यहां टी20 विश्व कप के बेमानी ग्रुप मैच में आयरलैंड को तीन विकेट से हराकर सांत्वना भरी जीत दर्ज की। पाकिस्तान ने शानदार गेंदबाजी से आयरलैंड को 20 ओवर में नौ विकेट पर 106 रन ही बनाने दिये। पर आयरलैंड ने भी अपने गेंदबाजों की बदौलत यह लक्ष्य पाकिस्तान के लिए चुनौतीपूर्ण बना दिया जिसने 18.5 ओवर में सात विकेट पर 111 रन बनाकर जीत दर्ज की।

आजम (34 गेंद में दो चौके) अंत तक क्रीज पर रहे जबकि शाहीन शाह अफरीदी ने पांच गेंद में दो छक्के से नाबाद 13 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। दोनों टीमें पहले ही सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो गयी थीं जिससे यह ग्रुप मैच केवल औपचारिकता भरा था। आयरलैंड की टीम ग्रुप में एक भी जीत हासिल नहीं कर सकी। आयरलैंड के लिए बैरी मैकार्थी ने चार ओवर में एक मेडन से 15 रन देकर तीन विकेट झटके। कर्टिस कैम्फर ने दो जबकि मार्क एडेयर और बेन वाइट ने एक विकेट हासिल किया। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (17) और सैम अयूब (17) पावरप्ले में आउट हो गये।

कप्तान बाबर एक छोर पर डटे रहे जबकि दूसरे छोर पर फखर जमां (05), उस्मान खान (02), शादाब खान (शून्य) आकर चलते बने। अब्बास अफरीदी ने बाबर का अच्छा साथ निभाया और 21 गेंद में 17 रन बनाकर आउट हुए। फिर शाहीन शाह अफरीदी ने आते ही अपनी तीसरी गेंद खेलते हुए छक्का जड़ दिया। फिर दूसरा छक्का लगाकर टीम को जीत दिलायी। इससे पहले सीम और स्विंग के शानदार प्रदर्शन में शाहीन शाह अफरीदी (चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट), मोहम्मद आमिर (11 रन देकर दो विकेट) और हारिस राऊफ (17 रन देकर एक विकेट) की तिकड़ी ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाकर आयरलैंड के पावरप्ले में 32 रन पर छह विकेट झटक लिये थे।

बायें हाथ के स्पिनर इमाद वसीम ने फिर चार ओवर में आठ रन देकर तीन विकेट झटके। आयरलैंड के लिए गेरेथ डेलानी 31 रन बनाकर शीर्ष स्कोर रहे जिन्होंने 19 गेंद की पारी के दौरान तीन छक्के और एक चौका जड़ा। मार्क एडेयर (15) और जॉर्ज डॉकरेल (11) दोहरे अंक का स्कोर बनाने वाले अन्य खिलाड़ी रहे। दसवें नंबर के खिलाड़ी जोश लिटिल ने आयरलैंड को 100 रन के पार कराया और 22 रन बनाकर नाबाद रहे। आयरलैंड की शुरूआत काफी खराब रही, दूसरे ओवर में टीम का स्कोर चार रन पर तीन विकेट था। शाहीन शाह अफरीदी ने पहली तीन गेंद में एंड्रयू बालबिर्नी (शून्य) और लोकरान टकर (02) के विकेट झटक लिये। आमिर ने फिर आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टरलिंग (01) का विकेट झटका। हैरी टैक्टर अगली गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी का शिकार हुए जिससे तीन ओवर में 15 रन के स्कोर पर चौथा विकेट गिरा।

पावो नूरमी खेलों से ओलंपिक की तैयारियों की शुरुआत करेंगे नीरज चोपड़ा

तुर्कू। मामूली चोट से उबरने के लिए कुछ समय तक आराम करने वाले ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मंगलवार को यहां पावो नूरमी खेलों में भाग लेकर पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेंगे। चोपड़ा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को जर्मनी के किशोर एथलीट मैक्स डेहनिंग की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है जो 90 मीटर तक भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों की सूची में सबसे युवा खिलाड़ी हैं। इस 19 वर्षीय खिलाड़ी को ओलंपिक में चोपड़ा के लिए कड़ा प्रतिस्पर्धी माना जा रहा है। उनके अलावा इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में स्थानीय खिलाड़ी ओलिवर हेलैंडर भी अपनी चुनौती पेश करेंगे जिन्होंने यहां 2022 में चोपड़ा को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय खिलाड़ी ने 2022 में 89.30 मीटर भाला फेंक कर रजत पदक जीता था। यह उनका तब व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी था। उन्होंने उसी वर्ष डायमंड लीग के स्टोकहोम चरण में 89.94 मीटर भाला फेंक कर इसमें सुधार किया था। ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के 2012 ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। चोपड़ा जांघ की मांसपेशियों में हल्के दर्द के कारण पिछले महीने ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक प्रतियोगिता से हट गए थे। दोहा डायमंड लीग से अपने सत्र की शुरुआत करने वाले चोपड़ा पावो नूरमी खेलों के बाद सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे।

पांड्या और पंत का प्रदर्शन भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू : हरभजन सिंह

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। नई दिल्ली -टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि हार्दिक पांड्या का उम्मीद से बेहतर गेंदबाजी प्रदर्शन और ऋषभ पंत का तीसरे नंबर पर बल्ले से उपयोगी योगदान टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक चीजों में शामिल हैं। भारत ने आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। कनाडा के खिलाफ टीम का आखिरी मैच गीली आउटफील्ड के कारण रद्द हो गया था।

हरभजन ने कहा, 'टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि हार्दिक पांड्या विकेट चटका रहे हैं। अगर आप उनके विकेटों की संख्या पर नजर डालें तो उन्होंने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है।' विश्व कप से पहले इंडियन प्रीमियर लीग में पांड्या का प्रदर्शन खराब था लेकिन उन्होंने अमेरिका में ग्रुप चरण के तीन मैचों में सात विकेट लेकर अच्छी वापसी की।

पंत दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। उन्होंने लंबे इलाज और रिहैबिलिटेशन के बाद इस साल आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। टी20 विश्व कप में उन्होंने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए मुश्किल पिच पर 124.67 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

हरभजन ने कहा, 'पांड्या के अलावा ऋषभ पंत ने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी से प्रभावित किया। उनकी भूमिका पूरी तरह से बदल गयी। विश्व कप से पहले हम संजू सैमसन को टीम में शामिल करने के लिए कह रहे थे क्योंकि उन्होंने काफी रन बनाये थे।' हरभजन ने कहा, 'पंत को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कराना बड़ी सकारात्मक बात है। जब वह तीसरे नंबर पर खेलते है तो दायें और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बनता है।' भारत सुपर आठ में अपने अभियान की शुरुआत 20 जून को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। हरभजन ने कहा कि टीम के पास नयी परिस्थितियों की चुनौती का सामना करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'टीम के साथ बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं। बेशक, चुनौतियां और कठिनाई है। लेकिन चुनौतियां उनके सामने आती हैं जो बेखौफ होते हैं। यह निडर खिलाड़ियों की टीम है।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने अच्छा संघर्ष किया (न्यूयॉर्क में मुश्किल पिच पर) और बहुत अच्छा खेले। इस वजह से वे ग्रुप में शीर्ष पर रहे।'

नासा कर रहा सुपर स्टार समूह पर अध्ययन

वाशिंगटन । नासा के चंद्र एक्स-रे ऑब्जरवेटरी और नासा के दूसरे टेलीस्कोप से मिले नए डेटा के की मदद से पृथ्वी के सबसे बड़े और सबसे करीब सुपर स्टार समूह पर वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे हैं। ग्रुप को वेस्टरलंड 1 नाम दिया गया है। इन अध्ययनों की मदद से खगोलविदों को तारों के निर्माण की प्रकिया को समझने में मदद मिलेगी। यह एक्सटेंडेड वेस्टरलंड 1 और 2 ओपन क्लस्टर सर्वे (इकोस्स) नाम की परियोजना से पहला सार्वजनिक रूप से जारी किया डाटा है। इकोस्स का नेतृत्व में इटली के पलेर्मो में स्थित एक संस्थान कर रही है। चंद्र ऑब्जरवेटरी ने इकोस्स के हिस्से के रूप में वेस्टरलंड 1 का लगभग 12 दिनों तक अध्ययन करने के बाद यह डाटा साझा किया है। नई तस्वीर में चंद्र का डाटा और नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप से पिछला डाटा शामिल है। चंद्र के एक्स-रे से क्लस्टर में नए तारे और गैसों का पता चलता है। युवा तारे ज्यादातर सफ़ेद और गुलाबी रंग के दिखाई देते हैं, जबकि गर्म गैस गुलाबी, हरे और नीले रंग में दिखाई देती है। हबल के डेटा में कई तारे पीले और नीले रंग के डॉट्स के रूप में दिखाई देते हैं। एक दिलचस्प खोज यह है कि वेस्टरलंड 1 के केंद्र में चार प्रकाश वर्ष के दायरे में 1,075 तारे हैं। खगोलविदों का मानना है कि यह क्लस्टर के गठन और विकास को समझने और इसके मास का बेहतर अनुमान लगाने के लिए जरूरी है।

क्या होते हैं सुपर स्टार क्लस्टर?

वर्तमान में, हमारी गैलेक्सी में हर साल केवल कुछ ही तारे बनते हैं। हालाँकि, अतीत की बात करे तब मिल्की-वे लगभग 10 बिलियन साल अपने चरम पर था जब यहां हर साल दर्जनों या सैकड़ों तारे बनते थे। इसमें से ज्यादातर घटनाएं विशाल क्लस्टर्स में हुईं, जिन्हें सुपर स्टार क्लस्टर के नाम से जाना जाता है। इन्हीं में से एक को वेस्टरलंड 1 नाम दिया गया है। ये क्लस्टर औरों की तुलना में नए हैं और इनका वजन सूरज के वजन से 10,000 गुना ज्यादा है। वेस्टरलंड 1, 3 मिलियन से 5 मिलियन साल पुराना है। वेस्टरलंड 1 मिल्की वे में बचा हुआ सबसे बड़ा सुपर स्टार क्लस्टर है। यह पृथ्वी से सबसे करीबी, लगभग 13,000 प्रकाश वर्ष दूर है।

एलियन ममी मामले में विवाद गहराया, अमेरिकी और यूरोपीय वैज्ञानिकों से पुष्टि करवाने के प्रयास

लीमा। एलियन ममी का विवाद अब बढ़ता जा रहा है और इसके समर्थन और विरोध कमे में दो दल बन गये हैं। ये सारा विवाद पेरू में मिले दो एलियन के शवों से उठा है। मैक्सिकन का एक व्यक्ति एलियन के शवों पर कब्जे के साथ ही उनकी प्रामाणिकता के लिए अमेरिकी और यूरोपीय वैज्ञानिकों से पुष्टि करवाने के प्रयास में लगा है। वहीं वहीं बहुत से पुरातत्वविद, इतिहासकार और विशेषज्ञ इन शवों को लेकर उससे सहमत नहीं हैं। पुरातत्वविदों को डर है कि एलियन के बताये जा रहे शव कब्रों पर हमला करने वालों द्वारा खोदे गए प्राचीन मानव हो सकते हैं। यूएफओ शोधकर्ता जैमे मौसन ने कहा है कि अधिक गहन 'विश्लेषण किए जा रहे हैं' और वह पेरू की सरकार पर शवों को अमेरिका में अधिक उन्नत प्रयोगशालाओं में भेजने के अधिकार के लिए मुकदमा कर रहे हैं। जैमे, जिनके शोध ने लगभग एक दशक तक विवाद खड़ा किया है, ने यह विचार पेश किया है कि ममियाँ एलियन-मानव 'हाइब्रिड' हो सकती हैं, उनके वैज्ञानिक सहयोगियों ने घोषणा की है कि नए नमूनों में '30 फीसदी अज्ञात' डीएनए है। वहीं आलोचक उनके दावों पर संदेह जताते रहते हैं। लैटिन अमेरिकी इतिहासकार क्रिस्टोफर हेनी ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि वे मानव जैसे हैं। उन्हें लगता है कि वे मानव हैं। 'वहीं जैमे और उनके सहयोगियों ने स्पष्ट रूप से विदेश में व्यापक वैज्ञानिक रुचि के लिए जोर दिया है वे मेक्सिको की कांग्रेस के समक्ष एक विवादास्पद प्रस्तुति कर चुके है और उनका पेरू के संस्कृति मंत्रालय के साथ टकराव भी हो चुका है। जैमे का अपने आलोचकों के साथ टकराव पिछले अप्रैल में अपने सबसे गर्म क्षण पर पहुंच गया जब पेरू में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस ने प्रदर्शन पर रखे गए नए ममीकृत शवों में से एक को जब्त करने के इरादे से छापा मारा, जिसे 'मोंटसेराट' कहा जाता है। इस मामले में, '300 मिलियन डॉलर का मुकदमा पहले ही चल चुका है।'

रेफ्रिजरेटेड ट्रक में दम घुटने से आठ लोगों की मौत

झेंग्झौ । चीन के हेनान प्रांत में एक रेफ्रिजरेटेड ट्रक में दम घुटने से आठ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आठ लोग वाहन के इंसुलेटेड डिब्बे में थे, जो नियमों के खिलाफ था। पुलिस ने कहा कि जब वाहन येक्सियन काउंटी के होंगझुआंगयांग टाउनशिप में एक गैस स्टेशन पर पहुंचा तब वे बेहोश पाए गए। जिसके बाद उन्हें अस्पताल भेजा गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वाहन चालक और संबंधित जिम्मेदार कर्मियों को हिरासत में लिया गया है, और मामले के कारणों की जांच की जा रही है।

वियनताम में बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत

हनोई । वियतनाम के दक्षिणी प्रांत एन गियांग में बिजली के झटके से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हुई। पीड़ितों की पहचान चाऊ फु जिले में रहने वाला 51 वर्षीय व्यक्ति, उसकी 45 वर्षीय पत्नी और सात वर्षीय पुत्री के तौर पर हुयी। रविवार को अपराह्न में पीड़ितों के घर के बगल में रहने वाले एक रिश्तेदार ने उन्हें मृत पाया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

हज यात्रियों ने अदा की हज की अंतिम रस्में, लू से 14 श्रद्धालुओं की मौत

मीना । सऊदी अरब में भीषण गर्मी के बीच बड़ी संख्या में हज यात्रियों ने शैतान को प्रतीकात्मक रूप से पत्थर मारने की रस्म अदा की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हज यात्रा के दौरान जॉर्डन के 14 श्रद्धालुओं की लू लगने से मृत्यु हो गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह सऊदी अरब में मृतकों को दफनाने या शव को जॉर्डन भेजने के लिए सऊदी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है। शैतान को प्रतीकात्मक रूप से पत्थर मारने की रस्म हज यात्रा के अंतिम दिनों में विश्वभर के मुस्लिमों के लिए ईद-उल-अजहा की शुरुआत का प्रतीक है। शैतान को पत्थर मारना इस्लाम के पांच स्तंभों और हज की अंतिम रस्मों में से एक है। यह रस्म पवित्र शहर मक्का के बाहर अराफात की पहाड़ी पर 18 लाख से अधिक हज यात्रियों के एकत्र होने के एक दिन बाद हुई, जहां हज यात्री हज की वार्षिक पांच दिवसीय रस्में पूरी करने आते हैं।

यूक्रेन का दावारूस ने तेज किए सैन्य हमले

कीव। रुस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के बीच यूक्रेन ने दावा करते हुए कहा कि जब स्विट्जरलैंड में शांति सम्मेलन चल रहा था तो रूस ने यूक्रेन पर अपने सैन्य हमले तेज कर दिए। शांति सम्मेलन रविवार को समाप्त हो गया। यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने रविवार शाम अपनी रिपोर्ट में कहा, पूरे दिन रूस ने यूक्रेन पर तेज हमला जारी रखा, हमारे डिफेन्स में सेंध लगाने की कोशिश की और हमारी इकाइयों को हमारे ठिकानों से हटाने की कोशिश करता रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 25 हमलों को विफल कर दिया गया लेकिन 11 अभी भी जारी हैं। इसमें कहा गया है कि रूसी सेना आगे बढ़ने का प्रयास कर रही है, खासकर पोक्रोवस्क शहर के पास। कहा जाता है कि रूसी सेना ने उत्तर और दक्षिण में मोर्चे पर यूक्रेनी ठिकानों पर हमला करने के 10 प्रयास किए, लाइमन क्षेत्र और कुराखोव के आसपास। रिपोर्ट में कहा गया, मॉस्को की वायु सेना ने रक्षा ठिकानों पर भारी बमबारी की हालांकि इस जानकारी की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। पिछली सर्दी से ही यूक्रेन हथियारों और गोला-बारूद के अभाव में कमजोर स्थिति में है।

मक्का में हज यात्रा के दौरान मस्जिद की सेटेलाइट के जरिये ली गयी एक तस्वीर।

गाजा में युद्ध रोकने का अमेरिका ने दिया सुझाव

वॉशिंगटन। इजरायल और गाजा के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के लिए जारी प्रयासों के बीच अमेरिका ने शांति का सुझाव दिया है। अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायल और गाजा के युद्ध को देखते हुए अपने मुस्लमानों को देने वाले संदेश का इस्तेमाल किया।जो बाइडेन ने मुसलमानों को ईद अल-अधा संदेश दिया। उन्होंने कहा, यह हमास और इजरायल के बीच युद्ध की भयावहता से पीड़ित नागरिकों की मदद करने का युद्धविराम समझौते सबसे अच्छा तरीका था। बाइडेन ने आगे अपने इजरायल और हमास के युद्ध को लेकर कहा, बहुत से निर्दोष लोग मारे गए हैं, जिनमें हजारों बच्चे भी शामिल हैं। परिवार अपने घरों से भाग गए हैं और उन?होंने अपने समुदायों को नष्ट होते देखा है। जानकारी के लिए बता दें कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायल और हमास पर पिछले हफ्ते युद्धविराम समझौते को लिए औपचारिक रूप से स्वीकार करने के लिए दबाव डाला है, जिससे लड़ाई को शुरुआती छह सप्ताह के लिए रोका जा सकेगा। ये उन्होंने सुरक्षा परिषद के सदस्यों की तरफ से युद्धविराम को लेकर हरी झंडी दिखाने के बाद किया है। वहीं राष्ट्रपति जो बाइडेन ने म्यांमार में रोहिंग्या और चीन में उइगर सहित उत्पीड़न का सामना कर रहे अन्य मुस्लिम समुदायों के अधिकारों की वकालत करने की अपनी कोशिश पर भी बात की। उन्होंने कहा, हम सूडान में भीषण संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान लाने के लिए भी काम कर रहे हैं। जो अप्रैल 2023 से देश की सेना और दुश्मन के बीच लड़ाई की चपेट में है।

भारत ने नहीं किए यूक्रेन में शांति दस्तावेज पर दस्तखत, रूस और चीन ने बनाई दूरी

बेर्न (एजेंसी)। भारत समेत कुछ देशों ने यूक्रेन में शांति के लिए स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए। अपने संक्षिप्त संबोधन में भारत के वरिष्ठ राजनयिक ने कहा कि शांति शिखर सम्मेलन में भारत भागीदारी और यूक्रेन के शांति फार्मूले पर आधारित वरिष्ठ अधिकारियों की कई पूर्व बैठकें हमारे स्पष्ट और सुसंगत दृष्टिकोण के अनुरूप हैं कि स्थायी शांति केवल बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती है। भारत ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए रूस और यूक्रेन के बीच ईमानदारी और व्यावहारिक भागीदारी का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) पवन कपूर ने स्विस रिसॉर्ट बर्गेनस्टॉक में आयोजित शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें कई राष्ट्राध्यक्षों सहित 100 से अधिक देशों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत का मानना ??है कि इस तरह के समाधान के लिए संघर्ष में शामिल दोनों पक्षों के बीच ईमानदारी और व्यावहारिक भागीदारी की आवश्यकता है। मंत्रालय ने कहा, इस संबंध में, भारत सभी हितधारकों के साथ-साथ दोनों पक्षों के साथ बातचीत जारी रखेगा, ताकि शीघ्र और स्थायी शांति लाने के लिए सभी गंभीर प्रयासों में योगदान दिया जा सके। स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि 83 देशों और संगठनों ने यूक्रेन में शांति पर उच्च स्तरीय सम्मेलन के अंत में संयुक्त बयान को मंजूरी दी। शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भविष्य की शांति प्रक्रिया को प्रेरित करना था। रूस को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किया गया था, जबकि चीन ने इसमें शामिल नहीं होने का फैसला किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने शिखर सम्मेलन के उद्घाटन और समापन पूर्ण सत्र में भाग लिया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत ने इस शिखर सम्मेलन से जारी होने वाले किसी भी विज्ञप्ति या दस्तावेज से खुद को संबद्ध नहीं किया है। मंत्रालय ने बयान में कहा, सम्मेलन में भारत की भागीदारी, साथ ही यूक्रेन के शांति फार्मूले पर आधारित पूर्ववर्ती एनएसए या राजनीतिक निदेशक स्तर की बैठकों में भागीदारी, संवाद और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान को सुगम बनाने के हमारे सतत दृष्टिकोण के अनुरूप है।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन का विमान जापान जाते समय खराब हुआ

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन को जापान ले जा रहा न्यूजीलैंड रक्षा बल का विमान रविवार को खराब हो गया, जिसके कारण प्रधानमंत्री को वाणिज्यिक उड़ान लेनी पड़ी, सोमवार को उनके कार्यालय ने इसकी पुष्टि की। लक्सन जापान में चार दिन बिता रहे हैं, जहां उनके जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा से मिलने और न्यूजीलैंड के व्यापार को बढ़ावा देने में समय बिताने की उम्मीद है।

पन्नू की हत्या कराने की साजिश के आरोपी निखिल गुप्ता को अमेरिका पहुंचाया

बीजिंग। खालिस्तानी आतंकवादी और अमेरिकी नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नुन की अमेरिकी धरती पर हत्या की साजिश में आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने फेडरल ब्यूरो प्रिजन्स वेबसाइट और मामले से परिचित एक सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी।

रविवार (16 जून) को ब्यूरो ऑफ प्रिजन्स वेबसाइट पर कैदी के नाम से खोज करने पर पता चला कि 52 वर्षीय गुप्ता को ब्रुकलिन के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है, जो एक संघीय प्रशासनिक हिरासत केंद्र है। इसके अलावा, एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर रॉयटर्स से स्वतंत्र रूप से गुप्ता के प्रत्यर्पण और ब्रुकलिन में उनकी हिरासत की पुष्टि की। उसे सोमवार को न्यूयॉर्क में एक संघीय अदालत के समक्ष पेश किए जाने की उम्मीद है।

पिछले महीने, एक चेक अदालत ने अमेरिका भेजे जाने से बचने के लिए निखिल गुप्ता की याचिका को खारिज कर दिया, जिससे चेक न्याय मंत्री के लिए उसे प्रत्यर्पित करने का रास्ता साफ हो गया।

गुप्ता को पिछले साल 30 जून को चेक गणराज्य में गिरफ़्तार किया गया था, इस आधार पर कि हत्या की साज़िश में उनकी संलिप्तता के बारे में अमेरिका ने आरोप लगाया था। अमेरिकी संघीय अभियोजकों के अनुसार, गुप्ता को एक अमेरिकी नागरिक की हत्या के लिए एक हत्यारे को नियुक्त करने की साज़िश में फंसाया गया था, जो कथित तौर पर एक भारतीय सरकारी अधिकारी के निर्देश पर किया गया था। लक्ष्य की पहचान पन्नू के रूप में की गई थी।

निखिल गुप्ता का प्रत्यर्पण अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन की वार्षिक ICET वार्ता के लिए नई दिल्ली की यात्रा से पहले हुआ है। उम्मीद है कि सुलिवन अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल के समक्ष इस मामले को उठाएंगे।भारत ने पन्नू की हत्या की साज़िश में अपनी संलिप्तता से इनकार किया है और अमेरिका के आरोपों की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की है। निखिल गुप्ता ने भी अपने वकील के माध्यम से आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि उन पर ÷अनुचित आरोप÷ लगाए गए हैं। गुरपतवंत सिंह पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है और वह आतंकवाद के आरोपों में भारत में वांछित है।

पाकिस्तान सरकार ने इमरान की पार्टी को चेताया, राष्ट्र विरोधी गतिविधि बंद करें

हार्वर्ड (एजेंसी)। इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी से 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियां एवं दुष्प्रचार' को बंद करने की अपील करते हुए सरकार ने चेतावनी दी है कि वह मित्र देशों के साथ संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) विदेशों में जिस तरह पाकिस्तान विरोधी गतिविधि चला रही है, पूर्व में वैसी कोई मिसाल नहीं मिलती।

उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान एक स्वतंत्र देश है और किसी दूसरे देश से वह निर्देशनहीं लेता। हम सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहते हैं। हालांकि, 2022 के अविश्वास प्रस्ताव के बाद से विदेशों में पाकिस्तान के खिलाफ बदनामीकारक अभियान शुरू हो गया है, जिसने पाकिस्तान विरोधी दुष्प्रचार को बढ़ावा दिया है।' मलिक ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने दूसरे देशों में पाकिस्तान विरोधी अभियान को बढ़ावा देने के लिए लामबंदी करने वालों और जनसंपर्क कंपनियों को काम पर रखा है।

इसके साथ ही पार्टी को चेतावनी दी कि सरकार मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर देश विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी। खबर में कहा गया है कि प्रवक्ता ने पीटीआई से आग्रह किया कि वह अपनी 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और दुष्प्रचार' को छोड़ दे तथा वैश्विक मंचों पर देश के हितों को नुकसान पहुंचाने के बजाय समाधान पर विचार करने के लिए राजनीतिक मुद्दों पर सरकार के साथ बातचीत करे।

ट्रंप की वापसी के डर से विकसित देश डब्ल्यूटीओ समझौते पर कर रहे जल्दबाजी

जिनेवा (एजेंसी)। विकसित देशों को डर सता रहा है कि डॉनल्ड ट्रंप इस साल नवंबर में अमेरिका के राष्ट्रपति बन गए तो डब्ल्यूटीओ की गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। भारत इन देशों के से किसी प्रयास का हिस्सा नहीं बनना चाहता है। जिनेवा में भारत के एक व्यापार राजनयिक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया, 'अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, नॉर्वे, स्विटजरलैंड, सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया ई-कॉमर्स और मछुआरों को सब्सिडी दिए जाने से जुड़े मसलों पर सहमति बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

भारत का कहना था कि मछुआरों को सब्सिडी पर कोई व्यापक समझौता समान परंतु विभेदित उत्तरदायित्व के सिद्धातों (सीबीडीआर-आरसी) पर आधारित होना चाहिए। भारत का कहना है कि विकासशील देशों में मछुआरों को विशेष आर्थिक क्षेत्रों (उनके अधिकार वाले जल से 200 नॉटिकल मील तक) में मछली पकड़ने के लिए सब्सिडी की व्यवस्था जारी रहनी चाहिए। भारत का यह भी कहना रहा है कि इस सीमा से बाहर मछली पकड़ने के लिए विकसित देशों को अपने मछुआरों को अगले 25 वर्षों तक किसी प्रकार की सब्सिडी नहीं देनी चाहिए।

मगर फिलहाल हालात ऐसे नहीं दिख रहे हैं क्योंकि अब तक कोई दस्तावेज भी नहीं सौंपा गया है। इन देशों को लगता है कि अगर ट्रंप अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बने तो उनके कार्यकाल में डब्ल्यूटीओ कमजोर हो जाएगा। इस डर के कारण वे नवंबर से पहले किसी न किसी तरह सहमति कायम कर लेना चाहते हैं।' नवीनतम आंकड़ों एवं सर्वेक्षणों के अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने की दौड़ में ट्रंप मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन से आगे निकलते दिख रहे हैं। शुक्रवार को जी-7 समूह के नेताओं ने इटली में सम्मेलन के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा कि वे डब्ल्यूटीओ में नियम आधारित, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष, समान एवं पारदर्शी बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के प्रति कटिबद्ध हैं।बयान में कहा गया, 'हम ई-कॉमर्स पर पर संयुक्त वक्तव्य पहल की दिशा में काम करने का मजबूत इरादा रखते हैं। हम दुनिया में मछली पकड़ने पर दी जाने वाली सब्सिडी पर एक महत्त्वाकांक्षी एवं व्यापक समझौते के पक्षधर हैं।' ट्रंप जब अमेरिका के राष्ट्रपति थे तो उन्होंने डब्ल्यूटीओ को कमजोर और अनुचित व्यवस्था करार दिया था। उन्होंने इस वैश्विक संस्था से अमेरिका के हटने की भी धमकी तक दे डाली थी। उन्होंने डब्ल्यूटीओं की अपील इकाई में नई नियुक्तियों का रास्ता भी बंद कर दिया था जिसके बाद इस संस्था में विवाद सुलझाने की व्यवस्था बाधित हो गई।

राजनियक ने कहा कि भारत हमेशा से अपने हितों को देखते हुए कदम बढ़ाता आया है और दूसरे देशों की कवायद को स्वयं पर हावी होने नहीं दिया है। उन्होंने कहा, 'मछुआरों को

सब्सिडी दिए जाने के विषय पर हमारा रुख अब भी वही है जो पहले था। जहां तक ई-कॉमर्स जेएसआई की बात है तो हम इनका हिस्सा नहीं हैं बल्कि पर्यवेक्षक मात्र हैं।' इन विषयों पर वाणिज्य मंत्रालय को भेजे गए ई-मेल का समाचार लिखे जाने तक जवाब नहीं आया था। अबू धाबी में डब्ल्यूटीओ की 13वीं मंत्रिस्तरीय बैठक (एमसी13) में डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के बीच मछुआरों को दी जाने वाली सब्सिडी पर सहमति नहीं बन पाई थी। मछुआरों की सब्सिडी मिलने से मछली उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलती है।

आंतरिक कोर की घूर्णन में परिवर्तन से दिन 24 घंटे से भी लंबे

-वैज्ञानिकों का दावा प्रक्रिया 2010 में हुई शुरु

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। सभी जानते हैं कि 24 घंटे में एक बार दिन और एक बार रात होती है। अब वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर दिन की अवधि को लेकर बड़ा दावा किया है। एक शोध के मुताबिक धरती के आंतरिक कोर की घूर्णन गति कम हो रही है। इसका प्रभाव पृथ्वी की घूर्णन गति पर भी पड़ेगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रक्रिया 2010 से ही शुरू हो गई है और अब दिन की अवधि पहले से ज्यादा हो गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आंतरिक कोर की घूर्णन में परिवर्तन से दिन 24 घंटे से भी लंबे हो सकते हैं।

बता दें कि पृथ्वी की आंतरिक कोर एक ठोस स्फेयर है जो कि लोहे और निकेल से बनी है। वहीं इसके चारों ओर पिघली हुई धातुयें बेहद गर्म और तरल अवस्था में मौजूद हैं। पृथ्वी की 3 लेयर में मैंटल और क्रस्ट शामिल हैं। वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आंतरिक कोर के बारे में जानकारी सीस्मिक तरंगों के जरिए मिलती है। भूकंप के वक्त रिकॉर्ड किए गए कंपन से यह अध्ययन किया गया है।

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के नेचर जर्नल में छपे शोध में बताया गया है कि अगर यही ट्रेंड बरकरार रहता है तो दिन की अवधि बदल जाएगी। इसमें सेकंड के एक हिस्से का फर्क आना शुरू हो जाएगा जो कि लगातार बढ़ता ही रहेगा। शोधकर्ताओं में शामिल प्रोफेसर जॉन विडाले ने कहा कि पहले जब मुझे यह पता चला तो मैं खुद अचंभित रह गया, लेकिन जब पता चला कि 2 दर्जन ऐसे ही सिग्नल और पाए गए हैं तो यकीन हो गया कि इनर कोर में परिवर्तन हो रहा है। कई दशकों बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब इनर कोर के घूर्णन में परिवर्तन पाया गया है। धरती के इनर कोर को लेकर कई तरह की बहस चलती रहती है। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि यह पृथ्वी की घूर्णन गति से ज्यादा तेजी से घूमती है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि मैग्नेटिक फील्ड की वजह से इसका घूर्णन धरती के घूर्णन से कम होता है। हालांकि इस बात से कोई इनकार नहीं करता है कि इनर कोर से बैकट्रैकिंग होती है और इसका असर धरती की घूर्णन गति पर भी पड़ता है। 40 साल में पहली बार पाया गया है कि इनर कोर की घूर्णन गति मैंटल से कम है।

एक अन्य स्टडी में कहा गया था कि ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से पहाड़ों के ग्लैशियर और अंटार्कटिका की बर्फ तेजी से पिघल रही है और इसकी वजह से भी पृथ्वी का घूर्णन धीमा हो रहा है।

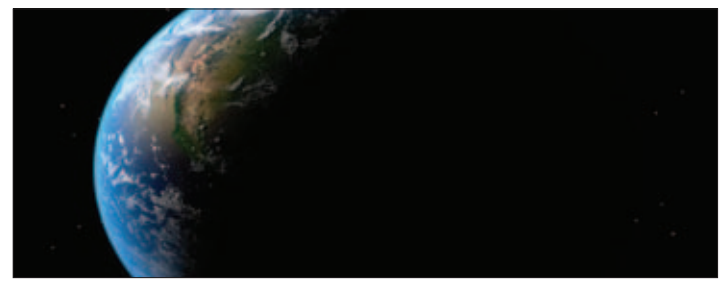

इसी वजह से दिन लंबे होते जा रहे हैं। रिसर्च में कहा गया था कि इस इफेक्ट को कम करने के लिए धरती की तरल वाली लेयर भी धीमी हो रही है। वहीं ठोस लेयर की गति तेज हो गई है। शोध में कहा गया था कि दिन की मियाद में कुछ लीप सेकंड ही जोड़े जा सकते हैं। 1972 के बाद से कुछ सालों में लीप सेकंड जोड़ने पड़ते हैं। इससे पता चलता है कि पृथ्वी हमेशा एक ही गति से नहीं घूमित है। बता दें कि वैज्ञानिक आंतरिक कोर के घूर्णन पर लगातार नजर रखते हैं। यह पृथ्वी का वह हिस्सा है जो कि 5 हजार 500 डिग्री सेल्सियस तक गर्म रहता है। वहीं यह हिस्सा हमारे पैरों से करीब 3 हजार मील दूर है। इंसान चांद का सफर तो कर चुका है लेकिन पृथ्वी के इस हिस्से तक पहुंचना अब भी नामुमकिन है।

संक्षिप्त खबरें

बजरंग दल द्वारा गंगा दशहरा पर भव्य गंगा आरती आयोजित

लोहरदगा। बजरंग दल द्वारा गंगा दशहरा पर बड़ा तालाब में भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बजरंग दल के जिला संयोजक सचिन कुमार साहू द्वारा किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में हमारी माताएं बहने राम भक्त गंगा दशहरा में शामिल हुई। गंगा दशहरा में हजारों की संख्या में दीप सज्जा एवं गंगा आरती का कार्यक्रम किया गया। मौके पर श्रद्धालुओं के जय श्रीराम के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। गंगा दशहरा का विधिवत पूजा अर्चना आचार्य सूर्य नारायण पाठक एवं उनके सहयोगी आनंद पांडे द्वारा की गई। मंत्रोचारण से श्रद्धालु भावविभोर हो गए। मौके पर जिला प्रशासन का भी सहयोग मिला। नगर परिषद द्वारा मंदिर परिसर की सफाई कराई गई थी,ताकि पूजा पाठ कराने में तकलीफ ना हो। मंदिर परिसर में सभी धार्मिक संगठन एवं सामाजिक संगठन का भरपूर सहयोग मिला।जिससे गंगा दशहरा का कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

योगी सेना ने झराखण्ड सरकार का फूंका पुतला, अमन कुमार की रिहाई की मांग की

लोहरदगा। योगी सेना ने अमन कुमार की जल्द रिहाई की मांग को ले बरवाटोली चौक में विरोध प्रदर्शन करते हुए राज्य सरकार का पुतला फूंका है। ज्ञात हो की अमन कुमार को सिर्फ इस कारण जेल भेजा गया है क्योंकि उन्होंने महूदी से 40 साल बाद रामनवमी का शोभायात्रा निकाली थी। वही हिंदू संगठन योगी सेना के लोहरदगा जिला अध्यक्ष प्रवीण ठाकुर ने कहा कि अमन कुमार को जल्द से जल्द रिहा किया जाए अन्यथा राज्य सरकार के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही कहा गया है की क्या अब झारखंड में रामनवमी का शोभायात्रा और श्री राम का नाम लेना भी गुनाह हो गया है। रामभक्तो को जेल के अंदर भेजना और रामभक्तो के साथ ये पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाते हुए राज्य सरकार लगातार दोहरी मानसिकता प्रदर्शित कर रही है। परंतु अब हिंदू के खिलाफ किसी तरह का दुर्व्यवहार सहन नही किया जाएगा। मौके पर योगी सेना के सभी कार्यकर्ता और रामभक्त मौजूद थे।

21 जून को जिले में भव्य होगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

योग आयुर्वेद व नियमित जीवनशैली स्वस्थ जीवन का मूल आधारः प्रवीण

बिभा संवाददाता

लोहरदगाः पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान लोहरदगा की जिला कार्यकारिणी की बैठक आगामी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन हेतु जिला प्रभारी एवं मुख्य योग प्रशिक्षक प्रवीण कुमार भारती की अध्यक्षता में की गई।

बैठक में पूर्व की भांति इस बार भी योग दिवस को प्रभावी तरीके से मनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया।

जिला प्रभारी प्रवीण कुमार भारती ने कहा कि योग आयुर्वेद, नियमित जीवनशैली, उचित आहार विहार एवं विचार के बगैर स्वस्थ नहीं रह सकते। योग भारतीय सनातन संस्कृति की विश्व को दी गई अनुपम उपहार है। आज रोगों की भयावहता हर जगह देखने को मिल रही है। अतः हर व्यक्ति को आलस्य एवं प्रमाद का शिकार होकर अनियमित दिनचर्या, तनाव एवं योगाभ्यास की कमी के चलते बीमार पड़ रहे हैं। आज बी पी, शुगर, हृदय रोग, किडनी एवं लीवर एवं तनाव जैसे रोग लोगों को अपनी चपेट में लेकर जीवन को तबाह कर रहे हैं। समय को पहचानते हुए यदि केवल आधे से एक घण्टे निरन्तरता के साथ योगासन, प्राणायाम एवं स्वस्थ दिनचर्या का पालन किया जाय तो रोगों की भयावहता से निश्चित रूप से बचा जा सकता है।

बैठक में अपने विचार प्रकट करते हुए राज्य कार्यकरिणी सदस्य सह जिला संरक्षक शिवशंकर सिंह ने कहा कि लोहरदगा शहरी क्षेत्रों से लेकर सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों तक इस वर्ष पतंजलि के योग शिक्षक अंतराष्ट्रीय योग दिवस भाग लेंगे। प्रोटोकाल के तहत भी अभ्यास विभिन्न योग कक्षाओं के माध्यम से अभ्यास कराया जा रहा है। गर्मी छुट्टी के उपरांत विभिन्न विद्यालयों से संपर्क किया जा रहा है।

पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी अभय भारती ने बताया कि सभी योग शिक्षकों को 21 जून के कार्यक्रम हेतु पोस्टर, बैनर, प्रोटोकाल के तहत कराए जाने वाले योग पत्रक पतंजलि की ओर से प्रदान किए जाएंगे। सभी योगी योद्धाजन कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर शामिल हों एवं दूसरे को भी प्रेरित करें। इसके लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों से भी संपर्क किया जा रहा है। बैठक में दिनेश प्रजापति, बंशी साहू, जनार्दन पाण्डेय, वीरेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, बजरंग प्रसाद जायसवाल, किरण कुमारी, ब्रजमणि पाठक आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कुडू में बकरीद हर्षोल्लास व शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। ईद-उल-अजहा का पर्व पूरे कुडू प्रखंड में सोमवार को हर्षोउल्लास के साथ शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गया। मुस्लिम धर्मावलंबियों ने सुबह ईदगाहों और मस्जिदों में जाकर अल्लाह की ईबादत कर अमन-चैन की दुआएं मांगी। इस अवसर पर भारी संख्या में नमाजियो ने नमाज अदा की और मुल्क व क्षेत्र की अमन शांति के लिए दुआ मांगी। साथ ही आपस में मिलजुलकर रहने का संदेश भी दिया। इसके बाद एक दूसरे ने गले मिलकर ईद की बधाईंयां दी। ईद-उल-अजहा पर्व पर कुडू जामा मस्जिद, हमीद नगर स्थित छोटी मस्जिद, अहद कॉलोनी, सुन्दरू, लवागाइ, पंडरा, उडुमूडू, हुरहद, ककरगढ़, फुलसुरी, जिमा, चंडू सहित विभिन्न गांव की मस्जिदों और ईदगाहों में ईदुल अजहा की नमाज अदा की गई। और कुबार्नी की रस्म अदा की गयी। त्यौहार को लेकर पुलिस व्यवस्था चौकस रही है। नमाज के समय भी मस्जिद और चौक-चौराहों के पास मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती दिखी।

नहाने के क्रम में धारधरिया जल प्रपात में गिरने से किशोर की हुई मौत

बिभा संवाददाता

लोहरदगाः सेन्हा थाना के धरधरिया जलप्रपात में नहाने के क्रम में गिरने से एक किशोर की हुई मौत हो गई है। घटना सोमवार अपराह्न की बताई जा रही है। सेन्हा थाना क्षेत्र के अलौदी पंचायत स्थित धरधरिया जलप्रपात में अरु ग्राम निवासी रोजउद्दीन अंसारी के 15 वर्षीय पुत्र साहिल अंसारी बकरीद की नमाज पढ़ने के बाद अपने साथीयो के साथ घूमने गया था। सभी साथी फाल में नहाने लगे इसी क्रम मे साहिल अंसारी का पैर फिसल गया और चट्टान पर जा गिरा जिससे किशोर के सर पर गम्भीर चोटें आने के कारण घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। किशोर की मौत की खबर मिलने के बाद अरु गांव के ग्रामीण घटना स्थल पहुंचे और शव को निजी वाहन से घर लाये। पुलिस की पहल पर किशोर का शव सदर अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना थाना प्रभारी अजित कुमार को मिलते ही उनके निर्देश पर एसआई पंकज कुमार यादव दलबल के साथ घटना स्थल के लिए रवाना हुए तभी उन्हें सूचना मिली कि परिजनों द्वारा घटनास्थल से शव घर पर ले आया गया है, जिसके बाद पुलिस मृतक किशोर के घर पहुंच अग्रतर करावाई में जुट गई है। मामले में थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि धरधरिया जलप्रपात में एक किशोर कि मौत की खबर मिली थी,जो अपने दोस्तो की साथ घूमने गया था और नहाने के क्रम में घटनाकी बात बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस घटना के कारणों की पड़ताल में जुट गई है। वही गांव में घटना के बाद बकरीद की खुशी मातम में तब्दील हो गई है।

जय श्रीराम समिति की बैठक दुगाबाड़ी में आयोजित

लोहरदगाः जय श्रीराम समिति की बैठक पावरगंज स्थित दुगार्बाड़ी मंदिर प्रांगण में जिला संचालन समिति सदस्य ओम महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला चुनाव एवं अमन कुमार के गिरफ्तारी को लेकर चर्चा की गई। ज्ञात हो कि जिला चुनाव को लेकर सदस्यता अभियान जोर-शोर से चल रही है इसी के मध्य नजर सैकड़ो लोग सदस्यता ग्रहण किया साथ ही हजारीबाग के अमन कुमार के नेतृत्व में महुदी में 40 साल के बाद निकाले गए रामनवमी जुलूस को लेकर हुई आपत्ति, लोकसभा चुनाव के पश्चात आचार संहिता खत्म होते ही अमन को किया गिरफ्तार,इस गिरफ्तारी से हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश, लोहरदगा जय श्रीराम समिति ने कड़ी आपत्ति दर्ज करते हुए प्रशासन से अभिलंब रिहा करने की मांग की ' मौके पर जिला संरक्षक जिला कमेटी नगर कमेटी के पदाधिकारी एवं पूर्व पदाधिकारी तथा सदस्यगण मौजूद थे।

मंत्री बन्ना गुप्ता ने दुमुहानी स्वर्णरेखा घाट निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

जमशेदपूर : लोकसभा चुनाव खत्म होते ही स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता एक्शन में हैं, शनिवार और रविवार को आयोजित जनता दरबार में करीब 350 से ज्यादा फरियादियों से मिलने के बाद अपने कार्यकताओं के साथ बैठक कर विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहें हैं।

वहीं अपने चुनावी वायदे को भी पूरा करने का टास्क पूरा कर रहें हैं, इसी क्रम में आज अचानक स्वर्णरिखा दुमुहानी घाट पहुंचे और द्वार निर्माण कार्य का जायजा लिया साथ ही वहां उपस्थित अधिकारीयों से जल्द से जल्द कार्य पूरा करने को कहा।

गौरतलब है कि स्वर्णरिखा दुमुहानी घाट का सौंदर्य करण उनका ड्रीम प्रोजेक्ट हैं जिसमें सीढ़ी का निर्माण किया जा चूका हैं और अब भव्य द्वार का निर्माण किया जा रहा हैं जिसके पूर्ण होने के बाद विभिन्न चरणों में सौंदर्यकरण का कार्य किया जाना तय हैं।

जादूगोड़ा में ईद उल अजहा की नमाज पढ़ी गई

मुसलमानों का पवित्र पर्व बकरीद जादूगोड़ा में हर्षो उल्लास के साथ मनाई गई,गले मिलकर एक दूसरे को दी ईद की मुबारकबाद

बिभा संवाददाता

जादूगोड़ाः जादूगोड़ा जामा मस्जिद 15 किलोमीटर रेडियस में एक मात्र मस्जिद है जहां चारो तरफ से लोग नमाज अदा करने आते है। ईद उल जुहा (बकरीद) की नमाज समय के मुताबिक 7:30 बजे हुई। इमाम मोहम्मद शफिख के पीछे ईद उल जुहा की नमाज पढ़ी गई। मुसलमानों का सबसे पवित्र पर्व बकरीद जादूगोड़ा में हर्षो उल्लास के साथ मनाई गई।इधर इस मौके पर जादूगोड़ा के जामा मस्जिदों में नमाज अदा की गई व एक दूसरे के गले मिलकर ईद उल जुहा की मुबारकबाद दी।मुसलमानों का पवित्र पर्व में से एक बकरीद जादूगोड़ा में उत्साह के साथ मनाया गया।सामूहिक रूप से जादूगोड़ा यूसिल कॉलोनी के जामा मज्जिद में नमाज अदा की गई।इस दिन बकरे की कुबार्नी भी दी जाती है। इस मौके पर जादूगोड़ा पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही वही प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी अनिल बर्मा मजिस्ट्रेट के तौर पर उपस्थित थे।

पोटका के विभिन्न जगहों में मुस्लिम धर्मावलंबियों के द्वारा बकरीद की नमाज अदा की गई

बिभा संवाददाता

जादूगोड़ाः ईद उल जुहा(बकरीद) के मौके पर हल्दीपोखर, गंगाडीह एवं पोटका के मस्जिदों में सुबह के 6:30 से ही बकरीद की नमाज अदा की गई वही गर्मी को देखते हुए 7:30 बजे तक सभी मस्जिदों में बकरीद की नमाज अदा कर सभी मुस्लिम धर्मावलंबियों ने एक दूसरे को बकरीद की बधाई देते हुए अहंकार, घमंड एवं बुराई की कुबार्नी देने का संकल्प लिया` इस दौरान एलआरडीसी गौतम कुमार वरीय मजिस्ट्रेट के रूप में हल्दीपोखर में तैनात रहे, साथ ही पोटका बीडीओ अभय कुमार द्विवेदी उपस्थित रहे। एलआरडीसी गौतम कुमार ने कहा कि बकरीद कुबार्नी का पर्व है ` इस पर्व में सभी को आपसी मेल जोल और भाईचारा का परिचय देते हुए खुशी और उल्लास के साथ इस पर्व को मानना है ताकि समाज में एक अच्छा संदेश जाए। मौके पर डॉक्टर अशोक कुमार, पूर्व मुखिया सैयद जबीउल्ला, अनवर अली, उप मुखिया जाहिद परवेज, काडू प्रधान आदि उपस्थित रहे।

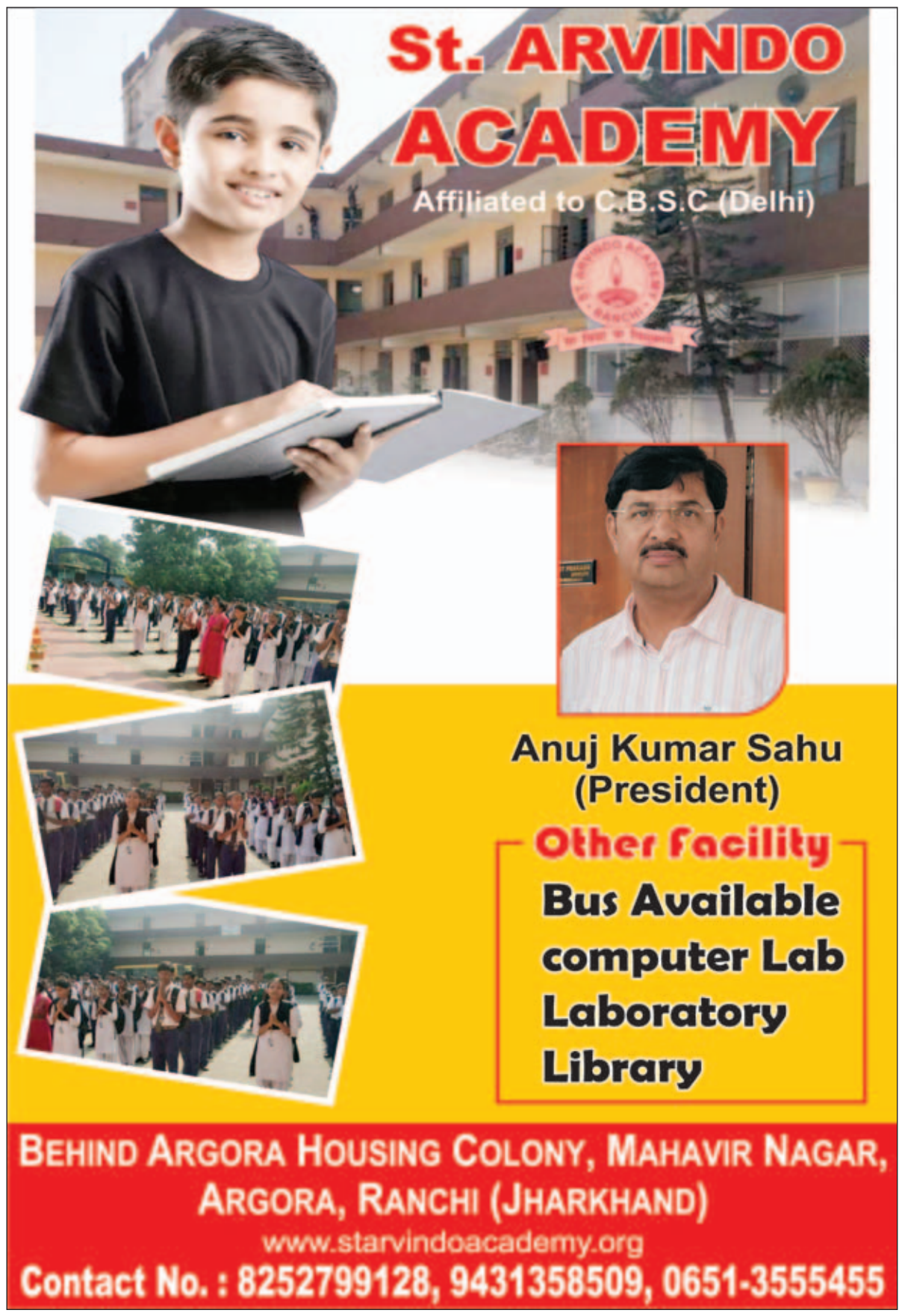

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com